तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

■ रायपुर,शनिवार 03 अगस्त 2024 ■ श्रावण कृष्ण पक्ष-13 ■ वर्ष- 40 ■ अंक-127 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 04 अगस्त 2024 ■ मूल्य 1.00 रु.

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
Twitter - Tchhattisgarh36
Instagram -tarunchhattisgarh.raipur

phone: 0771-2543112

संक्षेप

अशोक जुनेजा बने रहेंगे डीजीपी.साय सरकार ने केंद्र को भेजा प्रस्ताव

रायपुर 3 अगस्त। छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा अगले 06 महीने

तक अपने पद पर बने रहेंगे ये साफ हो गया है। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार श्री जुनेजा को एक्सटेंशन देने के लिए राज्य सरकार ने केंद्र को अपनी ओर से प्रस्ताव भेज दिया है। बताया गया है कि यह एक्सटेंशन 6 महीने तक के लिए हो सकता है। जुनेजा इसी महीने की चार तारीख को सेवानिवृत्त होने वाले थे। राज्य सरकार द्वारा प्रस्ताव भेजे जाने के बाद से पुलिस मुखिया बनने का ख्वाब देख रहे अधिकारियों के मंसूबे पर पानी फिरा। छत्तीसगढ़ राज्य के इतिहास में आज तक किसी भी पुलिस महानिदेशक व चीफ सेक्रेटरी को एक्सटेंशन नहीं मिला था यह सही है कि दो चीफ सेक्रेटरी के एक्सटेंशन का प्रस्ताव केंद्र को पूर्व में भेजा गया था किंतु उसे भी केंद्र सरकार द्वारा ना मंजूर कर दिया गया था यह पहला मौका होगा जब राज्य में किसी पुलिस महानिदेशक को एक्सटेंशन दिया जा रहा है।

आकाशीय बिजली गिरने से कई मवेशियों की मौत

बलरामपुर,3 अगस्त। मानसून की जद में पूरी तरह से आ चुके छत्तीसगढ़ में आकाशीय बिजली का कहर देखने को मिल रहा है. बलरामपुर जिले में दो अलग-अलग घटनाओं में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दर्जनों मवेशियों की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, बलरामपुर जिले के बरतीकला और लुर्गीकला में आकाशीय बिजली का कहर देखने को मिला, जहां तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दर्जनों मवेशियों की मौत हो गई, इनमें गाय, बकरी और भैंस शामिल हैं. इन मवेशियों की मौत से बड़ा नुकसान उठाने वाले पशु पाल प्रशासन से राहत की उम्मीद लगाए हुए हैं.

अयोध्या गैंगरेप के आरोपी मोईन खान की बेकरी पर चला बुलडोजर

अयोध्या ,3 अगस्त। अयोध्या में 12 साल की बच्ची के साथ गैंगरेप मामले में आरोपी मोईन खान के बेकरी पर बुलडोजर कार्रवाई हुई है। जिला प्रशासन ने उसकी बेकरी पर बुलडोजर चला दिया है।इस मामले में योगी सरकार एक्शन मोड में आ गई है। शनिवार को खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने आरोपी मोईन खान की बेकरी पर छापा मारा है। अधिकारियों ने बेकरी में बन रहे सामानों को जब्त कर इसे जांच के लिए भेज दिया है। वहीं, बेकरी को सील कर दिया गया है। बच्ची के साथ इसी बेकरी में उस पर गैंगरेप करने का आरोप लगा था।

मालूम हो कि महिला सुरक्षा को लेकर यूपी की योगी सरकार काफी गंभीर है। योगी आदित्यनाथ ने 12 साल की बच्ची के साथ गैंगरेप मामले में सपा नेता मोईद खान का मुद्दा विधानसभा में भी उठाया था। उन्होंने समाजवादी पार्टी को घेरते हुए कहा था कि अब तक सपा नेता पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई। योगी ने कहा था कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।इधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पीड़ित के परिजनों से मुलाकात की। उन्हें भरोसा दिलाया कि दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे। सीएम के इस भरोसे के बाद से ही मोईद खान पर कार्रवाई शुरू हो गई है। आगे उसकी मुश्किलें बढ़ने वाली हैं।

डीईओ के ठिकानों पर एसीबी का छापा

आय से अधिक संपत्ति की शिकायत पर पहुंची टीम

बिलासपुर,3 अगस्त।

छत्तीसगढ़ में एक बार फिर एसीबी ने छापा मारा है. आज सुबह बरसते पानी में एसीबी की टीम ने बिलासपुर के जिला शिक्षा अधिकारी के घर छापा मारा. उनके कई ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई की जा रही है.बिलासपुर के नूतन कॉलोनी स्थित आवास में एसीबी की कार्रवाई चल रही है. बिलासपुर के अलावा कवर्धा स्थित निवास पर भी एसीबी की टीम पहुंची है. आय से अधिक संपत्ति की शिकायतों के बाद एसीबी ने छापेमारी की है.जिला शिक्षा अधिकारी टीआर साहू के निवास पर एसीबी के अधिकारियों की दबिश की सूचना स्थानीय पुलिस को भी नहीं दी गई है. इसके कारण जिले के अधिकारियों को भी देर तक इसकी भनक नहीं लग पाई. एसीबी की टीम सिर्फ एक गाड़ी में सुबह-सुबह जिला शिक्षा अधिकारी के घर पहुंच गई. उस समय घर के सारे सदस्य सो रहे थे. डोर बेल बजाने के बाद दरवाजा खुला, तो एसीबी के अफसरों ने अपना परिचय दिया. एसीबी का नाम सुन जिला शिक्षा अधिकारी समेत उनके परिवार सदस्य चौंक गए.सुबह जब कालोनी के लोग जागे तो उन्हें पूरे मामले की जानकारी हुई. फिलहाल एसीबी के अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी के निवास पर दस्तावेज खंगाल रहे हैं. नूतन कालोनी में रहने वाले जिला शिक्षा अधिकारी टीआर साहू मूल रूप से कवर्धा के रहने वाले हैं.

इजरायल के खिलाफ मुस्लिम देशों की बड़ी बैठक

वाशिंगटन,3 अगस्त। इस्माइल हानिया की मौत के बाद अब वर्ल्ड वॉर तीन की आहट सुनाई देने लगी है। मीडिल ईस्ट में भीषण युद्ध की तैयारी हो रही है। इजरायल को अमेरिका के बैक सपोर्ट की बात तो सभी जानते हैं। लेकिन अब अमेरिका की सीधी एंट्री होती नजर आ रही है। हिजबुल्ला के साथ ईरान खड़ा नजर आ रहा है। ये माना जा रहा है कि ईरान की आने वाले दिनों में बड़े अटैक की तैयारी चल रही है। इस बार ईरान अकेला नहीं बल्कि लेबनान, यमन के साथ मिलकर बड़े हमले की तैयारी में है। ईरान द्वारा इज़राइल की ओर मिसाइलें दागने के लगभग चार महीने बाद, यरूशलेम और वाशिंगटन इस सप्ताह के शुरू में हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हनीयेह की हत्या के प्रतिशोध में तेहरान और उसके सहयोगियों से एक और सप्ताहांत हमले की तैयारी कर रहे हैं।

अमेरिका ने समुद्र में खतरनाक युद्धपोत उतारकर चारो ओर से घेर लिया

नगरीय निकाय चुनाव के लिए मुस्तैदी से तैयारी कर रहे कार्यकर्ता : नितिन नबीन

रायपुर,3 अगस्त

भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन आज दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे हैं. एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी का संगठन हमेशा काम करता है. यही कारण है कि हमारा संगठन हमेशा संचालित कहलाता है. आज उसी की दृष्टि से पार्टी का आगामी कार्यक्रम हर घर तिरंगा, एक पेड़ मां के नाम, विभाजन विभीषिका दिवस ऐसे कई कार्यक्रम की समीक्षा करेंगे. साथ ही पिछले दिनों हमारे संगठन की जो कार्य समिति हुई, सबकी समीक्षा होगी. प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने कहा, संगठन और सशक्त रूप से कैसे चले, सरकार की जो गतिविधि है उस पर संगठन का क्या उपयोग हो सकता है, इन सभी पर चर्चा होगी. नगरी निकाय चुनाव और पंचायत चुनाव पर उन्होंने कहा, संगठन अपनी पूरी तैयारी कर रहा है. हमारे कार्यकर्ताओं की निश्चित रूप से उसमें भूमिका होने वाली है. हमारे कार्यकर्ता मुस्तादी से उसकी तैयारी कर रहे हैं.अग्निपथ योजना पर झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के बयान पर नितिन ने कहा, यह इंडिया एलायंस के लोग हैं. वही गाना गाएंगे जो सब लोग गा रहे हैं. हेमंत सोरेन को पहले यह बताना चाहिए कि झारखंड की जनता की जमीन जो अपने नाम किया,उसका सच क्या हैं? अग्निवीर का सच देश का युवा जानता है कि कैसे देश की सेवा को सशक्त रखना है. देश के युवाओं को सैनिक की ट्रेनिंग लेने के बाद भी राज्य सरकार उन्हें मौका दे रही है. अग्निवीर योजनाओं से हमारे युवाओं को मौका मिलेगा.रायपुर दक्षिण उपचुनाव में बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बन जाने के बाद इस विधानसभा में कांग्रेस की उम्मीद ज़्यादा, इस सवाल पर प्रदेश प्रभारी ने कहा, कांग्रेस की उम्मीदें तो राजनंदगांव में भी बढ़ी हुई थी. उनकी उम्मीदें तो हर जगह बड़ी रहती है.उम्मीद के साथ-साथ कर्म भी करना पड़ता है. जिन्होंने काम ही नहीं किया वह उम्मीद क्यों करते हैं. कल छत्तीसगढ़ में हरेली का त्यौहार मनाया जाएगा, इस पर नितिन नबीन ने कहा, भाजपा विरासत को हमेशा बचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस ने हमेशा विरासत पर चोट किया है. चाहे वह छत्तीसगढ़ का हो, चाहे वह भारतीय संस्कृति का हो, हर विरासत पर चोट किया है, यही कारण है आज कांग्रेस का अस्तित्व समाप्ति की ओर है.

शांति समझौते के बाद फिर सुलगा मणिपुर

इंफाल,3अगस्त। मणिपुर के जिरीबाम में शांति बहाल करने के प्रयासों के लिए मेइती और हमार समुदायों के बीच समझौता होने के एक दिन बाद ही तनाव पैदा करने वाली घटना सामने आई हैं। यहां पर फायरिंग हुई है और एक खाली पड़े घर को आग लगा दी गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लालपानी गांव में खाली पड़े एक घर को शुक्रवार रात हथियारबंद लोगों ने आग के हवाले कर दिया। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना एक बिल्कुल ही अलग बस्ती में हुई जहां मेइती समुदाय के कुछ लोगों के घर हैं और जिले में हिंसा भड़कने के बाद से इनमें से अधिकतर घर खाली पड़े हैं। उपद्रवियों ने इलाके में सुरक्षाकर्मियों की गैर मौजूदगी का फायदा उठाकर आगजनी की। उपद्रवियों की पहचान नहीं हो सकी है। अधिकारी ने बताया कि हथियारबंद लोगों ने बस्ती को निशाना बनाकर गोलियां भी चलाईं। उन्होंने बताया कि घटना के बाद सुरक्षाबलों को इलाके में भेजा गया। गुरुवार को असम के कछार में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक प्रतिष्ठान में हुई बैठक में मेइती और हमार समुदायों के प्रतिनिधियों के बीच समझौता हुआ था। बैठक का संचालन जिरीबाम जिला प्रशासन, असम राइफल्स और सीआरपीएफ ने किया, जिसमें जिरीबाम जिले के थाडौ, पैते और मिजो समुदायों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इन समुदायों के प्रतिनिधियों द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि बैठक में यह संकल्प लिया गया कि दोनों पक्ष सामान्य स्थिति बहाल करने तथा आगजनी और गोलीबारी की घटनाओं को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

11 अगस्त से तिरंगा यात्रा निकालेंगे भाजपाई

रायपुर,3 अगस्त

भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन के नेतृत्व में बीजेपी प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें तिरंगा यात्रा की रूपरेखा बनाई गई. बीजेपी प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा, बैठक में मुख्य रूप से 15 अगस्त की तैयारी को लेकर चर्चा की गई है. 11 से 14 अगस्त तक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी. हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा. बीते वर्षों में भी हर घर तिरंगा अभियान चलाया गया. इस साल भी चलाया जाएगा. इस दौरान अलग-अलग स्वरूप में कार्यक्रम किए जाएंगे. युवा मोर्चा कार्यक्रमों का प्रतिनिधित्व करेगा. श्रीवास्तव ने बताया, 14 अगस्त को प्रदर्शनी एवं जुलूस भी निकाला जाएगा. हर घर तक बीजेपी के कार्यकर्ता के माध्यम से तिरंगा लगाने का आवाहन किया जएगा. उन्होंने कहा, कल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निवास पर हरेली का त्यौहार आयोजित है. पिछले बार की तरह इस बार भी भाजपा प्रदेश कार्यालय में हरेली का त्यौहार मनाया जाएगा. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि वर्षों से पार्टी के कार्यकर्ता सभी देशवासियों के साथ मिलकर देशभर में हर्षोल्लास के साथ राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के संकल्प को प्रतिबद्धता के साथ हर घर तिरंगा तिरंगा यात्रा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मनाते आ रहे हैं. देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 112वें संस्करण में कहा कि ÷मेरे प्यारे देशवासियो, 15 अगस्त का दिन अब दूर नहीं है. अब तो 15 अगस्त के साथ एक और अभियान जुड़ गया है 'हर घर तिरंगा अभियान. पिछले कुछ वर्षों से पूरे देश में 'हर घर तिरंगा अभियान के लिए सबका जोश हाई रहता है. गरीब हो, अमीर हो, छोटा घर हो, बड़ा घर हो, हर कोई तिरंगा लहराकर गर्व का अनुभव करता है. तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का क्रेज भी दिखता है.

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर जिले के आरंग में आठ करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पाँच कन्या छात्रावासों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम, आरंग विधायक गुरु श्री खुशवंत साहेब, आरंग नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंद्रशेखर चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमलता साहू सहित अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

विश्व बैंक की टीम ने चिराग परियोजना को लेकर मुख्य सचिव से की भेंट

रायपुर,3 अगस्त।मुख्य सचिव अमिताभ जैन से यहां मंत्रालय महानदी भवन में चिराग परियोजना के संबंध में विश्व बैंक के अधिकारियों के टीम ने सौजन्य मुलाकात की।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों से चर्चा के दौरान चिराग परियोजना के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि चिराग योजना का प्रदेश में बेहत्तर क्रियान्वयन हो रहा है।

दलजीत सिंह चौधरी बने बीएसएफ के नए चीफ

नई दिल्ली,3 अगस्त। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नियमित नियुक्ति होने तक या आगे तक सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक के रूप में पहले से ही कार्यरत दलजीत सिंह चौधरी को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। यह आदेश पूर्व बीएसएफ डीजी नितिन अग्रवाल को तत्काल प्रभाव से उनके मूल केरल कैडर में वापस भेजे जाने के एक दिन बाद आया है। 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी अग्रवाल ने पिछले साल जून में पंकज कुमार सिंह के बाद बीएसएफ डीजी के रूप में कार्यभार संभाला था। हालांकि सरकार ने अचानक स्वदेश वापसी के स्पष्ट कारण नहीं बताए हैं, लेकिन ऐसा माना जाता है कि अग्रवाल की रिहाई जम्मू सेक्टर में बढ़ती घुसपैठ के कारण हुई है। बीएसएफ अंतरराष्ट्रीय सीमा और जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के कुछ हिस्सों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने अग्रवाल को उनके मूल कैडर में ÷समयपूर्व प्रत्यावर्तन÷ के लिए गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। एक अन्य आदेश में, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने विशेष महानिदेशक योगेश खुरानिया को भी बीएसएफ से मुक्त कर दिया। ओडिशा कैडर के 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी खुरानिया को अरुण सारंगी की

जगह ओडिशा का नया पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है। खुरानिया ने हाल ही में जम्मू सीमा का दो दिवसीय दौरा किया, जहां उन्होंने सीमा पार से घुसपैठ के बढ़ते खतरों के बीच सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सुरक्षा उपायों का आकलन करने के लिए जम्मू-कश्मीर के आईजी सहित बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। सरकार ने पद पर शामिल होने की तारीख से वेतन मैट्रिक्स के लेवल -16 में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के विशेष महानिदेशक के रूप में अमृत मोहन प्रसाद, आईपीएस की नियुक्ति के लिए गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। और 31 अगस्त, 2025 तक, यानी उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो।

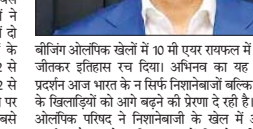

वायनाड भूस्खलन में मृतकों की संख्या बढ़कर 344 हुई

वायनाड ,3 अगस्त। केरल के वायनाड में हुए भस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 344 हो गई और 206 लोग अभी भी लापता हैं। रेस्क्यू टीम का शनिवार को पांचवें दिन भी ऑपरेशन जारी है।रक्षा बलों, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन सेवा और स्वयंसेवकों के 1,500 से अधिक कर्मियों वाली बचाव टीम ने शनिवार सुबह चार सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों चूरलमाला, वेल्लारीमाला, मुंडकाईल और पुंचिरीमाडोम में तलाशी शुरू कर दी है।

अब तक 146 शवों की पहचान हो चुकी है, जबकि 74 की पहचान होनी बाकी है। मृतकों में 30 बच्चे भी शामिल हैं। मलबे से बड़ी संख्या में क्षत-विक्षत शरीर के अंग भी बरामद किये गए हैं।

आतंकियों के लिए काम कर रहे 6 पुलिस कर्मियों पर गिरी गाज

श्रीनगर,3 अगस्त। जम्मू कश्मीर में आतंकी फंडिंग से जुड़े एक रैकेट का भंडाफोड़ किया गया है। ड्रग्स बेचकर आतंकियों की मदद करने के मामले में 6 सरकारी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल बर्खास्त कर दिया गया है। इसमें पांच पुलिसकर्मी और एक शिक्षक शामिल है। जांच में पता चला कि ये सभी सरकारी कर्मचारी पाकिस्तान के आईएसआई के एक नार्को टेरर नेटवर्क का हिस्सा थे। जानकारी के मुताबिक ये लोग जम्मू-कश्मीर में ड्रग्स के अवैध कारोबार में मदद करते थे और इससे प्राप्त फंडिंगा का इस्तेमाल पाकिस्तान के आतंकी संगठन दहशत फैलाने के लिए करते हैं। पीटीआई के मुताबिक ड्रग्स की बिक्री के माध्यम से आतंकी फंडिंग से जुड़े छह सरकारी कर्मचारियों पर ऐक्शन लिया गया है। आरोपियों की पहचान कॉन्स्टेबल फारूक अहमद शेख, कॉन्स्टेबल खालिद हुसैन शाह कन्स्टेबल रहमत शाह, कन्स्टेबल इर्शाद अहमद चाकू, कॉन्स्टेबल सैफ दीन और सरकारी सिक्ष नजम दीन के तौर पर की गई है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने संविधान के आर्टिकल 311 (2) का इस्तेमाल करते हुए इन सभी को तत्काल सेवा से हटा दिया है। बता दें कि संविधान में इस आर्टिकल के तहत प्रावधान है कि अगर कोई देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करता है तो राष्ट्रपति या फिर राज्यपाल उसे बिना किसी जांच के तत्काल सेवा से हटा सकते हैं। 2019 में आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद अब तक 70 सरकारी कर्मचारियों को इसी तरह के आरोपों के चलते बर्खास्त किया जा चुका है। बीते महीने भीचार सरकारी कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई थी इसमें दो पुलिसकर्मी शामिल थे। नार्को टेरर में शामिल होने के आरोप में उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था। इन चारों की पहचान कॉन्स्टेबल मुश्ताक अहमद पीर और इम्तियाज अहमद लोन के तौर पर की गई थी। वहीं शिक्षा विभाग में कार्यरत जूनियर असिस्टेंट अहमद मीर और ग्रामीण विकास विभाग के मोहम्मद जैद को बर्खास्त कर दिया गया था। मामले की जांच कर रहे अधिकारी ने कहा कि ये सभी आतंकी संगठनों के लिए काम कर रहे थे। खुफिया एजेंसियों ने इनके बारे में जानकारी हासिल की थी। बता दें कि ब्राउन शुगर और हेरोइन की तस्करी पाकिस्तान से जम्मू-कश्मीर में होती है। आतंकी संगठनों के लिए फंडिंग जुटाने में इसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर होता है।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक संघ ने अभिनव बिंद्रा का किया सम्मान

jasclaudius@gmail.com

सोने के तमगे के बाद ओलंपिक अवार्ड से बढ़ाया भारत का मान

✍ जसवंत क्लाडियस,तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

इन दिनों भारत के निशानेबाजों मनुभाकर और सरबजोत सिंह की चर्चा चल पड़ी है क्योंकि उन्होंने पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में भारत के लिए दो कांस्य पदक जीते हैं। मनुभाकर ने 10मी. एयर पिस्टल में एक कांस्य तो मनु भाकर ने ही अपने हम वतन सरबजोत सिंह के साथ 10 मी. एयर पिस्टल मिश्रित इवेंट में दूसरा कांस्य पदक जीता है। मनु के इस अद्भुत प्रदर्शन के कारण आधुनिक ओलंपिक खेलों में भारत की ओर से कई कीर्तिमान बने हैं जिसमें सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि यह रही कि भारतीय खिलाड़ियों ने पहली बार किसी ओलंपिक संस्करण में एक ही खेल में दो पदक पर कब्जा जमाया है। आधुनिक ओलंपिक खेलों के 1896 से एथेंस में आरंभ होने के पश्चात भारत ने 1952 से ओलंपिक में पहली बार निशानेबाजी में भाग लिया। 1952 से 2000 तक भारत की तरफ से अनेक निशानेबाजों ने लक्ष्य पर निशाना साधा लेकिन पदक प्राप्त नहीं कर सके। उनमें सबसे प्रमुख नाम.डॉ.कर्णी सिंह का हैं जिन्होंने 1960 से 1980 तक लगातार छः ओलंपिक खेलों में भाग लिया वे स्कीट और ट्रेप इवेंट में अपना दावा प्रस्तुत करते थे। भारतीय निशानेबाजों में अभिनव बिंद्रा, राज्यवर्धन सिंह राठौर, गगन नारंग, विजय कुमार, अंजली भागवत, मानवजीत संधु, रंजन सोढ़ी, जीतू राय, सोमा दत्त, जसपाल राणा, मनशेर सिंह, समरेश जंग, तेजस्वी सामंत आदि प्रमुख हैं। परंतु इनमें से अभिनव बिंद्रा ने अब तक सबसे बड़ी और अद्भुत उपलब्धि हासिल की है। प्रत्येक एथलीट की चाहत होती है कि उसे ओलंपिक खेलों में पदक मिले। इस दृष्टि से भारत के अभिनव बिंद्रा ने 2008

बीजिंग ओलंपिक खेलों में 10 मी एयर रायफल में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। अभिनव का यह ऐतिहासिक प्रदर्शन आज भारत के न सिर्फ निशानेबाजों बल्कि अन्य खेलों के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही है। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक परिषद ने निशानेबाजी के खेल में अभिनव के प्रदर्शन और उसके जरिए भारत में निशानेबाजी, खेल को लोकप्रिय बनाया। भारत में निशानेबाजी के प्रति लगन, परिश्रम, समर्पण की वजह से आज अनेक किशोर, युवा निशानेबाजी खेल को अपनी पहली पसंद बना रहे हैं। उनमें से दो निशानोबाज मनु और सरबजोत ने इन दिनों चल रही पेरिस ओलंपिक 2024 में दो कांस्य पदक जीकर भारत का नाम रोशन किया है। वस्तुतः अभिनव बिंद्रा चूंकि एक व्यवसायी की संतान है तथा उस समय केंद्र सरकार सेना के जवानों को छोड़कर आमतौर पर समाज के अन्य क्षेत्रों से आने वाले निशानेबाजों को अभ्यास के लिए बहुत अधिक सुविधा नहीं मिलती थी। अभिनव ने स्वर्ण पदक जीता तब उनके पिता ने इस बात का रहस्योद्घाटन करते हुए साफ किया था कि बीजिंग ओलंपिक खेलों में स्वर्ण जीतने के लिए अभिनव ने तो अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया लेकिन हमने उस पर दो करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए। दूसरी तरफ अब तक केंद्र सरकार का खेल मंत्रालय, भारत खेल प्राधिकरण, भारतीय ओलंपिक संघ नई दिल्ली के आपसी तालमेल से सिर्फ मनुभाकर की ओलंपिक खेलों में तैयारी पर करीब 1.67 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। सिर्फ 15 वर्ष की उम्र में अभिनव बिंद्रा ने निशानेबाजी को अपना खेल बनाया। 28 सितंबर 1983 को देहरादून में जन्मे अभिनव 1998 के राष्ट्रमंडल खेल में सबसे युवा निशानेबाज थे। अभिनव ने एमबीए किया है और फिलहाल फ्यूचरिस्टिक कंपनी के सीईओ है और वे चंडीगढ़ में रहते हैं। भारत सरकार ने निशानेबाजी में उनकी उलपब्धि के लिए अर्जुन पुरस्कार, खेल रत्न तथा नागरिक सम्मान पद्मश्री, पद्मभूषण से सम्मानित किया है। निशानेबाजी की पेरिस तथा जगरेब में हुई विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय हैं। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने भारत के इस शूटिंग लीजेंड अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आर्डर अवार्ड से सम्मानित करने की घोषणा की है। अभिनव को ओलंपिक आंदोलन में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें 10 अगस्त को सम्मानित किया जाएगा। इससे खेल जगत में भारत का मान बढ़ा है। 1896 से आधुनिक ओलंपिक खेलों के आरंभ होने के पश्चात ओलंपिक आर्डर अवार्ड पाने वाले अभिनव बंद्रा सिर्फ दूसरे व्यक्ति हैं इसके पहले भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी को यह सम्मान दिया गया था।

रायपुर। लगातार बारिश से राजधानी के कई इलाकों में पानी भर गया है। वर्षा का पानी घरों में भी प्रवेश कर गया है।

जन समस्या निवारण शिविर में मिले 209 आवेदन,83 का किया गया निराकरण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई-चरौदा, 3 अगस्त। पांचवें जनसमस्या निवारण पखवाडा का आयोजन काली मंदिर चरौदा के सामुदायिक भवन में किया गया। जिसमें वार्ड क-20 पंचशील नगर वेस्ट, वार्ड क-25 पंचशील नगर ईस्ट, वार्ड क.-23 हाऊसिंग बोर्ड चरौदा एवं वार्ड क. 24 शिक्षित नगर चरौदा के नागरिको द्वारा शिविर में पहुँचकर अपनी मांग और शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये। उल्लेखनीय है कि निगम प्रशासन की ओर से प्रत्येक जनसमस्या निवारण शिविर में आधार पंजीयन-सुधार, राशनकार्ड में नाम जोड़ने विलोपन किये जाने, जन्म-मृत्यु, विवाह प्रमाण पत्र बनाये जाने, विद्युत मेंटेनेन्स कार्य, सफाई कार्य के साथ सामाजिक सुरक्षा पेंशन, स्वास्थ्य परीक्षण सहित प्रधानमंत्री आवास तथा महिला बाल विकास विभाग के कांऊटर लगाये जा रहे है। साथ ही संपदा विभाग एवं सम्पत्तिकर विभाग के कांऊटर पर पट्टा प्राप्त करने तथा सम्पत्तिकर जमा करने नागरिकों की भीड़ देखी जा रही है। शिविर के दौरान शिक्षित नगर चरोदा के एक स्थान पर जल भराव की शिकायत प्राप्त हुयी, जिस पर उपअभियंता मुकेश रात्रे एवं उनकी टीम के द्वारा स्थल निरीक्षण कर तत्काल मिट्टी डालकर पहुँच मार्ग सुगम करने की कार्यवाही पूर्ण की गयी। कुल प्राप्त आवेदनो की संख्या 209 रही। उनमें मांग के 183 आवेदन तथा शिकायत के 26 आवेदन प्राप्त हुये। शिविर के दौरान निराकृत किये गये आवेदनो की संख्या 83 रही, शेष 126 आवेदनो पर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। जनप्रतिनिधियों में शिक्षित नगर चरोदा के पार्षद सत्यप्रकाश शर्मा, पूर्व पार्षद रमाशंकर वर्मा तथा सुब्रतो दास गुप्ता शिविर में मौजुद रहे।निगम कमिश्नर डी.एस. राजपूत, अति तहसीलदार पवन ठाकुर, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, सहायक अभियंता देवेन्द्र पाण्डेय, सहायक अभियंता प्रशांत शुक्ला, उपअभियंता मुकेश चन्द्राकर, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अश्विनी चन्द्राकर, सहायक राजस्व अधिकारी श्रीमती अरुणिमा दुबे ये सभी अधिकारी शिविर में उपस्थित रहे।

विधायक देवेंद्र ने योजनाओं का लाभ दिलाने अधिकारियों को किया निर्देशित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 3 अगस्त। विधायक देवेंद्र यादव ने शुक्रवार को सेक्टर 5 स्थित कार्यालय में लोगों से भेंट मुलाकात की। जहां उन्होंने युवा साथी, महिलाएं और जिला कोसरिया यादव महासभा के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात कर कुशलक्षेम जाना और उनकी समस्याओं का समाधान किया। यादव महासभा के प्रतिनिधि मंडल ने विधायक को श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया और पचरीपारा दुर्ग से 28 अगस्त को निकलने वाली शोभायात्रा में भी शामिल होने का आग्रह किया। जिसे विधायक ने सहर्ष स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में शामिल होने की बात कही। विधायक यादव ने खुर्सीपार, जोन-3, सेक्टर-2, सेक्टर-6 सेक्टर-10, हुडको, सुपेला समेत अन्य क्षेत्र से आए हुए लोगों से बारी-बारी से मुलाकात की। बालाजी नगर की महिलाओं ने विधायक को शिव चर्चा के लिए आमंत्रित किया। शांति नगर के बोल हरी सेवा समिति पार्थिव शिवलिंग महारुद्राभिषेक और हिंदू एकता युवा मंच के लिए रुद्रा महा अभिषेक के लिए आमंत्रित किया। वहीं कुछ लोगों ने राशन कार्ड बनाने, शिक्षा के अधिकार के तहत निजी स्कूल में प्रवेश को लेकर अपनी बात रखी। जिस पर विधायक ने संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए निर्देशत किया और राशन कार्ड को जल्द से जल्द बनाने कहा। निजी अस्पताल में भर्ती मरीजों के बेहतर इलाज के लिए अस्पताल प्रबंधन को फोन कर सहयोग करने कहा। इसके अलावा बहुत सुपेला क्षेत्र की महिलाएं व पुरूष, जिन्हें शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था, वे भी विधायक के पास योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग लेकर पहुंचे थे। जिन्होंने अपनी परेशानी विधायक को बताई और विधायक श्री यादव ने संबंधित अधिकारियों को फोन कर जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बता दें कि विधायक यादव अपने कार्यालय में पहुंचने वाले हर व्यक्ति से मुलाकात करते हैं उनकी समस्या का समाधान करने का प्रयास करते है ।

एक नजर

कार की टक्कर से महिला की मौत

भिलाई, 3 अगस्त। भिलाई विशाल मेगा मार्ट के सामने एक तेज रफ्तार कार चालक ने स्कूटी सवार बुजुर्ग दंपती को चपेट में ले लिया दंपती अपने ढाई साल के पोते को लेकर अस्पताल जा रहे थे आरोपित चालक दंपती को ठोकर मारने के बाद महिला को कुचलते हुए आगे निकल गया। इसके बाद उसने एक अन्य महिला को भी ठोकर मार दी। हादसे में बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। वहीं तीन लोग घायल हो गए। इस मामले में सुपेला पुलिस ने आरोपित कार चालक के खिलाफ प्राथमिकी कर जांच शुरू की है पुलिस ने बताया कि सेक्टर-पांच निवासी रामनाथ साहू पत्नी निर्मला साहू के साथ अपने ढाई साल के पोते आरव साहू को स्कूटी से लेकर अस्पताल जा रहे थे वे लोग गुरुवार को दोपहर में विशाल मेगा मार्ट के सामने पहुंचे। इसी दौरान जीई रोड की तरफ से रामनगर की ओर जा रहे तेज रफ्तार कार सीजी-07 सीएल 8510 ने स्कूटी सवार दंपती को जोरदार ठोकर मार दी। ठोकर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी के पीछे बैठी निर्मला साहू करीब 10 फीट दूर उछलकर जा गिरीं। इसके बाद भी आरोपित ने कार नहीं रोकी और निर्मला को कुचलते हुए आगे निकल गया। भागते समय आरोपित ने विशाल मेगा मार्ट के पास खड़ी एक अन्य युवती को भी चपेट में ले लिया और उसके बाद मौके से फरार हो गया कार का मालिक मकसूद अली है बताया जा रहा है कि उसका भतीजा सोहेल कार चला रहा था घटना के समय सोहेल के साथ एक और भी युवक बैठा हुआ था ठोकर मारने के बाद महिला को कुचलकर फरार हुआ कार चालक रास्ते में एक अन्य महिला को भी चपेट में लिया, एफआइआर दर्ज।

दो बदमाशों ने युवक को लूटा

भिलाई, 3 अगस्त। भिलाई इंदिरा गांधी कालेज वैशाली नगर के सामने भोर दो बदमाशों ने एक युवक से चाकू की नोक पर लूटपाट की आरोपितों ने पीड़ित की बाइक लूट ली और फरार हो गए घटना की शिकायत पर वैशाली नगर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ लूट और आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत प्राथमिकी की है पुलिस ने बताया कि उरला बस्ती दुर्ग निवासी शिकायतकर्ता रमेश सिंह सिसोदिया एक मोबाइल टावर कंपनी में सुपरवाइजर का काम करता है वह 31 जुलाई की रात को बाइक से ड्यूटी पर अहिवारा गया था वहां से वह भोर में वापस घर लौट रहा था। सुबह चार बजे वह इंदिरा गांधी कालेज के पास पहुंचा वहां पर दो आरोपितों ने उसे चाकू दिखाकर न रोकवाया और उसकी बाइक लूटकर फरार हो गए पुलिस ने आरोपितों की पतासाजी शुरू की है

एनसीसी कैडेटों ने चलाया व्यापक स्वच्छता अभियान

भिलाई, 3 अगस्त। 37 छग बटालियन एनसीसी दुर्ग के कमान अधिकारी के निर्देशानुसार सामाजिक सेवा सामुदायिक विकास के अंतर्गत कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई नगर के कैडेटों ने दिनांक 15 जुलाई 2024 से 2 अगस्त 2024 तक पार्कों, पार्किंग स्थल, ऐतिहासिक मूर्ति, तालाब, मन्दिर व महाविद्यालय परिसर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी ले0 डॉ0 हरीश कुमार कश्यप ने बताया कि एनसीसी कैडेट्स ने महाविद्यालय के सर्वधर्म उधान,गांधी उधान, महिला छात्रावास के सामने परिसर, सायकल स्टैंड, विवेकानंद परिसर, महाराणा प्रताप चौक व उसके आसपास, आनंदी माता मन्दिर, तुलजा भवानी मन्दिर, हनुमान मन्दिर, सेक्टर 7 पार्क, तालाब व उसके आसपास परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया तथा रैली निकालकर व घर घर सम्पर्क कर लोगों को स्वच्छता से होनै वाले फायदे की जानकारी दी। इस अवसर पर एसयूओ जयकुमार, जेयूओ भावेश, सार्जेंट उमेश, सार्जेंट विक्रम सरकार, कैडेट, नागेश्वर, दुष्यंत साहू, सीपीएल सोमदत्त, पुष्पेंद्र, अर्पित यादव, हंसराज , हरिश मोटघरे व उदित राज पटेल ने अलग-अलग दिनों में अपनी स्वच्छता टीम का नेतृत्व किया। इस स्वच्छता अभियान में प्रतिदिन महाविद्यालय के 12 से 19 कैडेटों ने अपना सक्रिय योगदान दिया।

शिविर में 70 आवेदन मिले

जामुल,3 अगस्त । उपमुख्यमंत्री अरूण साव के निर्देशानुसार प्रदेश व्यापी जन समस्या निवारण शिविर के अंतर्गत नगर पालिका परिषद जामुल के वार्ड क्र. 1× मंगल भवन में शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें जनप्रतिनिधियों एवं आम जनता से प्राप्त समस्या आवेदनों का त्वरित निवारण किया जा रहा है । उक्त शिविर में भवन अनुज्ञा, राशन कार्ड, आधार अपडेशन, सफाई, विद्युत समस्या का तत्काल निराकरण किया गया । मुख्य नगर पालिका अधिकारी अंकुर पाण्डेय ने बताया कि शिविर में लगभग 70 आवेदन प्राप्त हुआ था जिसमें 24 आवेदनों पर तत्काल कार्यवाही किया गया जिसमें आधार अपडेशन के 14, सफाई के 04, भवन अनुज्ञा के 02, विद्युत एन.ओ.सी. - 01, प्रकाश व्यवस्था - 01 क'ची सड़क पर आवेदन मिलते ही तत्काल बजरी डालकर समस्या का समाधान किया गया । शेष आवेदन जैसे पट्टा, आवास, सड़क नाली निर्माण संबंधी कार्यों के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री अंकुर पाण्डेय द्वारा संबंधित विभागीय कर्मचारियों को निरीक्षण करने निर्देशित किया गया और शीघ्र ही पात्रता अनुसार लाभ दिलाने की बात कही । जन समस्या शिविर में सी.बी. परगनिहा सहायक अभियंता, के.एन. ताम्रकार, विनोद कनोजिया उप अभियंता गण सहित सभी विभागीय प्रभारी कर्मचारी गण उपस्थित थे ।

रोपाई

उतई, 3 अगस्त। ग्रामीण क्षेत्रों में खेती किसानी कार्य जोर शोर से चालू हो गया है । शुक्रवार से हल्की बारिश लगातार हो रही हैं जो किसानों के लिए खेती में रोपाई के लिए मददगार साबित हो रही है खोपली के किसान देवेंद्र पटेल आज अपने खेतो में रोपाई करते हुए।

शिविर में 69 आवेदनों का निराकरण

रिसाली। प्रगति नगर के दर्जन भर से ज्यादा परिवार को राहत मिली। दरअसल लगातार बारिश होने और नाला जाम होने पर पानी भराव हो रहा था। प्रगति नगर में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में शिकायत मिलते ही नाला सफाई का कार्य पूर्ण किया गया। इस आशय की शिकायत सुचेता मैत्रा ने की थी। शिविर में 131 मांग शिकायत में 69 और 15 शिकायतों में 3 का निराकरण किया गया। निगम आयुक्त मोनिका वर्मा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे शिविर में पहुंचे पीड़ितों से महापौर शशि सिन्हा और सभापति केशव बंछोर ने मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने विकास कार्यो के बारे में चर्चा की। शिविर में 7 लोग ऐसे थे जो आई.डी. के अभाव में टैक्स जमा नहीं कर रहे थे। शिविर में कुल 1 लाख 8 हजार एक सौ अस्सी रूपए राजस्व वसूली की गई।

भोरमदेव शक्कर कारखाने ने किया गन्ना किसानों को 113 करोड़ 52 लाख रुपए का भुगतान

कवर्धा,3 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में अन्नदाता किसानों के हित में लगातार काम कर रही है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो रही है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देश पर पवित्र सावन महीने में भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना राम्हेपुर के द्वारा त्योहारी सीजन में गन्ना किसानों को एफआरपी गन्ना भुगतान अंतर्गत 6 करोड़ 02 लाख रुपए का भुगतान जारी किया गया है। इस भुगतान के साथ भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना द्वारा पेराई सीजन वर्ष 2023-24 में कारखाने में गन्ना बेचने वाले किसानों को कुल 113 करोड़ 52 लाख रुपए का भुगतान जारी कर दिया गया है। इस प्रकार इस सत्र में गन्ना बेचने वाले समस्त किसानों का 100 प्रतिशत भुगतान कारखाने के द्वारा जारी कर दिया गया है। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना के प्रबंध संचालक जी.एस. शर्मा ने बताया कि भोरमदेव शक्कर कारखाने का 100 प्रतिशत भुगतान जारी हो गया। वही दूसरी ओर किसानों को जल्द ही रियायत दर पर 50 किलो शक्कर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सावन के पवित्र महीने और त्यौहारों के सीजन में गन्ना बिक्री की राशि मिलने से क्षेत्र के गन्ना किसानों के चेहरे खिले हुए हैं। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना द्वारा पूर्व वर्षों के अनुसार ही एफआरपी गन्ना राशि का शत प्रतिशत भुगतान कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के किसानों की जागरूकता और उच्च क्वालिटी की गन्ना कारखाने को आपूर्ति करने के कारण रिकवरी में भी पिछले वर्ष से वृद्धि हुई है। जिसके कारण इस वर्ष किसानों को रिकवरी का राशि भी पिछले वर्ष से ज्यादा मिलेगा, जिससे किसानों में खुशी की लहर है। उन्होंने बताया कि किसानों को रिकवरी राशि का भुगतान भी अतिशीघ्र किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एफआरपी, रिकवरी की राशि शक्कर कारखाना द्वारा दी जाती है, जबकि गन्ना प्रोत्साहन या बोनस की राशि कृषि विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दी जाती है। बोनस राशि भी शीघ्र गन्ना किसानों को देने छत्तीसगढ़ सरकार की कृषि बजट में शामिल है ।

दीपशिखा विद्यालय में किया गया छात्रसंघ का गठन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 3 अगस्त। प्रतिवर्षानुसार दीपशिखा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डुमरडीह, उतई में छात्र संघ का गठन किया गया जिसमें शाला नायिका कु. गुंजन देवांगन, उपशाला नायिका कु. पुष्पांजलि साहू ,सचिव कु. त्रिशा वर्मा ,सांस्कृतिक प्रभारी कु. जाहनवी कोठारी, कीड़ा प्रभारी हर्ष साहू ,स्वच्छता प्रभारी पियूष चंद्राकर, पर्यावरण प्रभारी विजय कश्यप ,मीडिया प्रभारी वेदांत वर्मा, अनुशासन प्रभारी कु. सुजाता यदु साज - सज्जा प्रभारी हिमांशी वर्मा ,स्काउट प्रभारी हर्ष वर्मा मनोनीत किए गए ।इसी कड़ी में विद्यालय में चार सदन बनाए गए हैं जिसमें प्रभारी शिक्षकों के अतिरिक्त महानदी सदन की इंचार्ज कु. तान्या देवांगन ,उप इंचार्ज कुसुम साहू गोदावरी सदन की इंचार्ज कु. दिव्या उप इंचार्ज राहुल साहू शिवनाथ सदन की इंचार्ज कु. पायल उप इंचार्ज कु. सरिता देवांगन इंद्रावती सदन की इंचार्ज कु. कुमकुम यादव एवं उप इंचार्ज खुशहाल सिंह चुने गए हैं। सभी कक्षाओं में कप्तान एवं उप कप्तानों का चयन किया गया । शपथ ग्रहण के अवसर पर विद्यालय प्रबंध सचिव डी एल सिन्हा ने कहा कि सभी प्रतिनिधि विद्यालय में अनुशासन बनाए रखते हुए अपनी कर्तव्यों का निष्ठा पूर्वक और ईमानदारी के साथ पालन करेंगे।सभी निर्वाचित पदाधिकारी एवं प्रतिनिधियों को प्राचार्य के आर सिन्हा द्वारा बधाई देते हुए पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई ।इस अवसर पर सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

पूर्व विधायक ममता को अभी तक नही मिली पीएसओ

कवर्धा,3 अगस्त । कबीरधाम जिला में पंडरिया विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर को पीएसओ नही मिली है जो की चिंतनीय विषय है जनमानस और कार्यकर्ताओ में चर्चा है ।

धनोरा दुर्ग में 5 को डाक कांवर यात्रा

कवर्धा,3 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में श्रावण मास के पावन पर्व पर 5 अगस्त सोमवार को डाक कांवर यात्रा शिवनाथ नदी से जल लेकर नदी रोड दुर्ग से गंजपारा कसारीडीह महाराजा चौक से बोरसी रोड से सिधा महावीर उद्यान में बैठे भुत भावन भोलेनाथ पर भक्तों के द्वारा जल चढ़ाकर पूजा पाठ एवं 12 अगस्त सोमवार को सुबह 10 बजे से रुद्राभिषेक एवं हवन पुजा पाठ कर के खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया जाएगाबाबा दरबार के श्री लक्ष्मण बाबा जी ने सभी भक्तों से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक समय मे सम्मिलित होकर इस डाक कांवर यात्रा एवं अभिषेक पुजा पाठ मे शामिल होने की यह जानकारी दरबार प्रति निधी चंद्र कांत कोसरे जी एवं कुंज लाल साहू जी ने दी।

मोबाइल, बाइक लूटने वाले पकड़ाए

भिलाई, 3 अगस्त। वैशालीगर पुलिस ने तीन नाबालिग आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट का मोबाइल और बाइक जब्त किया है वैशाली नगर पुलिस ने बताया कि तीनों ने मंगलवार की रात किसी धारादार वस्तु से हमलाकर एक व्यक्ति से मोबाइल लूटा था मामले में प्राणघातक हमला के तहत प्रकरण दर्ज गया किया था बुधवार को इन्ही नावालिगों ने चाकू की नोक पर बाइक लूटी थी मामले में लूट का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की तीनों नाबालिगों को पकड़कर पूछताछ की गई दोनों घटना को करना स्वीकार किया।

कुबेर ग्रीन अपार्टमेंट में लाश मिली

भिलाई, 3 अगस्त। कुबेर ग्रीन अपार्टमेंट में महिला अतिन्दर साहनी (56 वर्ष) की चार दिन पुरानी डीकंपोज लाश मिली है पड़ोसियों को जब दुर्गंध आने लगी, तब पुलिस को सूचना दी गई उतई पुलिस मौके पर पहुंची। मर्ग कायम कर लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए रवाना किया पुलिस के मुताबिक मामला प्राकृतिक मृत्यु का प्रतीत हो रहा है महिला का एकलौता बेटा विदेश में रहता है। उसे सूचित किया गया है उसका अतिम संस्कार रिश्तेदारों ने की।

उपमुख्यमंत्री ने दिव्यांगों को बैटरीचलित मोटराइज्ड ट्रायसाइकिल और व्हील चेयर किया वितरित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 3 अगस्त। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज उपमुख्यमंत्री कार्यालय परिसर कवर्धा में 14 दिव्यांगजनो को बैटरी चलित मोटराइज्ड ट्रायसायकल, दो दिव्यांगजनो को ट्रायसायकल, तथा एक दिव्यांग को व्हील चेयर का वितरण किया। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश की सरकार समावेशी विकास को प्राथमिकता दे रही है और दिव्यांगजनों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस कदम से दिव्यांगजनों को न केवल रोज़मर्रा के कार्यों में आसानी होगी, बल्कि वे सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों में भी अधिक सक्रिय भागीदारी कर सकेंगे।

महिला सेल ने छात्र-छात्राओं को नए कानून की जानकारी दी

कवर्धा,3 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नये भारत का नया कानून 01 जुलाई 2024 से लागू होने पर महिला सेल टीम द्वारा शासकीय नवीन पूर्व माध्यमिक शाला कवर्धा में उपस्थित छात्र-छात्राओं को नये कानून भारतीय न्याय संहिता 2023 भारतीय नागरिक न्याय संहिता 2023, एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के बारे में बताया गया, एवं महिलाओं एवं बच्चों के ऊपर होने वाले अपराधों के संबंध में नए कानून के अपराध के प्रावधान को बताया गया, एवं साइबर अपराध के बारे में जानकारी देकर साईबर अपराधियों से बचने के उपाय बताया गया, एवं अभिव्यक्ति एप के बारे में व यातायात नियमों का पालन, घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, छेड़छाड़ के बारे में जानकारी दिया गया कार्यक्रम में महिला सेल से सउनि विजया कैवर्त, महिला आर रुकमणी, आरक्षक चंद्रशेखर चंद्राकर, एवं स्कूल के प्रधान पाठक एस.आर. कारनिक, कामिनी अग्रवाल, सूरज विश्वकर्मा ,विमन कौशिक, दीपक कुमार नेताम, दिलीप कुमार चंद्राकर ,सतीश चंद्र तिवारी उपस्थित रहे।

बोडला, पोडी क्षेत्र से नाबालिग लड़कियों को भगा कर ले जाने वालों को पुलिस ने पकड़ा

कवर्धा, 3 अगस्त। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक पल्लव द्वारा नशे के रोकथाम तथा सभी प्रकार के अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने एवं जिले से गुम हुए इंसानों की विशेष अभियान चलाकर पतासाजी करने समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विकास कुमार , अतरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल अनुविभागीय अधिकारी संजय तिवारी के मार्गदर्शन में थाना बोडला एवम् पोड़ी पुलिस टीम द्वारा गुम इंसानों की पाटासाजी हेतु अभियान चलाकर थाना बोडला एवं पोड़ी क्षेत्र से गुम हुए दो नाबालिक लड़कियों को नांदेड़ एवं नागपुर महाराष्ट्र से पतासाजी कर बरामद किया गया है तथा गुम इंसान को बहला फुसला कर भगा कर ले जाने वाले एक विधि विवादित किशोर एवं एक आरोपी संजय पटेल पिता सुशील पटेल उम्र 23 वर्ष ग्राम बद्दो थाना बोडला को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि जतरी बाई यादव ग्राम चांदगांव थाना मोती नाला जिला मंडला मध्य प्रदेश ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि अपने परिवार सहित ग्राम मानिकपुर के सोनू गुड फैक्ट्री में काम करने आए थे की दिनाक 12/05/2024 को इसकी नाबालिक नातिन को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर कर भगा ले गया है की रिपोर्ट पर चौकी पौड़ी में गुम इंसान क्रमांक 42/24 एवं अपराध क्रमांक 159 /24 धारा 363 भादवी कायम किया गया इसी प्रकार थाना बोडला मे खेलू राम पटेल पिता आल्हा पटेल निवासी बोडला की रिपोर्ट पर गुम इंसान अपराध क्रमांक 68/23 धारा363 द्बश्क्ष कायम कर विवेचना में लिया गया वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में साइबर सेल की मदद से बोड़ला एवम् पोड़ी पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा पतासाजी कर गुम इंसानों को नागपुर एवम् नांदेड़ महाराष्ट्र से नाबालिक लड़कियों को बरामद किया गया तथा नाबालिक लड़कियों को भगाने वाले आरोपी संजय पटेल एवम् एक नाबालिक बालक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है इस कार्यवाही में,ह्यद्ब राजकुमार चंद्रवंशी महिला आरक्षक

रेडियम स्टीकर लगाया जा रहा आवारा घूम रहे पशुओं को

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के रोका छेका अभियान की टीम द्वारा लगातार आवारा पशुओ को पकड़ने की कार्यवाही कर रही है। अकसर देखा जाता है कि मवेशी मालिको द्वारा जानवरो को खुला में छोड़ देते है। जिससे मवेशी सड़को के बीच झुण्ड लगाकर खड़े रहते या बैठ जाते है। नागरिको द्वारा सड़को पर गाड़ी से यात्रा करते समय मवेशियो के बीच सड़कों पर रहने से परेशानी होती है। दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। इसको देखते हुए पकड़ाये गये जानवरो को रेडियम स्टीकर लगाया जा रहा है। जिससे सड़को पर जानवर बैठे या खड़े रहने से वाहन चालको को आसानी से जानवर दिख जाये। जिससे सड़को पर होने वाले सड़क दुर्घटना को रोका जा सके।

कलेक्टर पोट्ठ लईका पहल अभियान अंतर्गत पालक चौपाल में हुए शामिल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 3 अगस्त। जिले में पोट्ठ लईका पहल अभियान नवाचार के तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों में शिशुवती माताओं, गर्भवती महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं को पोषण आहार के संबंध में प्रत्येक शुक्रवार को पालक चौपाल आयोजित कर जागरूक किया जा रहा है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल आज डोंगरगांव विकासखंड के आंगनबाड़ी केन्द्र कोनारी एवं दीवानभेड़ी में आयोजित पालक चौपाल कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र दीवानभेड़ी में 3 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की। उन्होंने गर्भवती महिलाओं से कहा कि बच्चे को ध्यान में रखते हुए उन्हें दुगुना भोजन करना है।

पौष्टिक आहार लेना बहुत जरूरी है जिससे स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। महिलाओं को खून की कमी को दूर करने के लिए गुड़ चना खाने की सलाह दी। उन्होंने स्वास्थ्य जांच के संबंध में जानकारी ली और स्वास्थ्य जांच नियमित कराने की सलाह दी। कलेक्टर ने कोनारी आंगनबाड़ी केन्द्र में पोषण वाटिका का अवलोकन किया और प्रशंसा की।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने नन्हें बच्चों को गोद में लेकर दुलार किया और उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने नन्हे बच्चों को थोड़ा-थोड़ा भोजन खिलाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बच्चों को खूब खेलने-कूदने देना चाहिए, जिससे बच्चों को भूख अच्छे से लगेगी। बच्चों को पौष्टिक आहार दाल, हरी सब्जी, अंडा, दूध, चना, मूंग, दलिया, सोयाबीन खिलाना चाहिए।

बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्र से मिले रेडी-टू-ईट को अलग-अलग तरह से व्यंजन एवं पकवान बनाकर खिलाने कहा। बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को प्रोटीन, विटामिन, आयरन युक्त भोजन ग्रहण करने की समझाईश दी। उन्होंने कम वजन वाले बच्चों के वजन में वृद्धि करने के लिए अच्छे खान-पान और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक आहार के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। जिससे बच्चों का वजन बढ़ेगा। उन्होंने बच्चों को हरी सब्जी, दाल, भाजी, मौसमी फलों को अच्छी मात्रा में खिलाने कहा। सभी को साफ पानी पीने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता बहुत जरूरी है। गंदगी होने से छोटे बच्चे जल्दी से संक्रमित हो जाते है। छोटे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। उन्होंने महिलाओं को गांव में स्वच्छता बनाए रखने कहा। घरों से निकलने वाले गीला एवं सूखा कचरे को स्वच्छता दीदियों को देने कहा। जिससे गांव के गली-मोहल्ले में गंदगी नहीं होगी।

एक नजर

चूना पत्थर का अवैध उत्खनन करते पाये जाने पर भू-स्वामी मनिन्दर सिंह गरचा के विरुद्ध किया गया प्रकरण दर्ज

राजनांदगांव 3 अगस्त। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार राजस्व विभाग एवं खनिज विभाग के अधिकारियों द्वारा चूना पत्थर के अवैध उत्खनन की प्राप्त शिकायत के संबंध में जांच की गई। खनि अधिकारी ने बताया कि राजनांदगांव विकाखंड के ग्राम चवेली ग्राम पंचायत खपरीखुर्द में 5 एकड़ भूमि पर चूना पत्थर के अवैध उत्खनन के संबंध में शिकायत प्रस्तुत किया गया था। जांच में 2.221 हेक्टेयर में से 1.5213 हेक्टेयर में गौण खनिज चूना पत्थर मात्रा 110294.25 घनमीटर का अवैध उत्खनन किया जाना पाया गया। अपर कलेक्टर न्यायालय में अवैध उत्खनन करते पाये जाने पर भू-स्वामी श्री मनिन्दर सिंह गरचा के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है।

जिले में अब तक औसत 682.2 मिमी वर्षा दर्ज

राजनांदगांव 3 अगस्त। राजनांदगांव जिले में इस वर्ष चालू मानसून वर्ष में 1 जून 2024 से अब तक औसत 682.2 मिमी बारिश रिकार्ड की गई है। जिले के सभी 7 तहसीलों में पिछले 24 घण्टों में औसत 31.5 मिमी बारिश हुई। सर्वाधिक वर्षा डोंगरगांव तहसील में 48 मिमी दर्ज की गई। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी अनुसार पिछले 24 घण्टों में डोंगरगढ़ तहसील में 31.5 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 13 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 9 मिमी, घुमका तहसील में 17 मिमी, छुरिया तहसील में 8.4 मिमी, कुमरदा तहसील में 8 मिमी एवं डोंगरगांव तहसील में 4.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

कृषि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 437 सीटें आबंटित

रायपुर,3 अगस्त। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में संचालित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की 458 सीटों में से 437 सीटें काउंसलिंग के द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को आबंटित कर दी गई हैं। संयुक्त प्रवेश परीक्षा-2024 की प्रावीण्य सूची के आधार पर अभ्यर्थियों को प्रोविजनल सीट एवं महाविद्यालय का आबंटन किया जा चुका है। चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का परीक्षण कृषि महाविद्यालय, रायपुर में किया जा रहा है। आबंटित प्रोविजनल सीट को सुरक्षित करने हेतु अभ्यर्थियों को 01 से 03 अगस्त के मध्य ऑनलाइन फीस जमा करना अनिवार्य होगा। सीट सुरक्षित करने के पश्चात अभ्यर्थी सीट निरस्त करना चाहता है और आगे किसी भी प्रक्रिया में भाग नहीं लेना चाहता तो इस हेतु 01 से 04 अगस्त के मध्य सीट निरस्त करना होगा। रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु 6 एवं 7 अगस्त को स्पॉट काउंसलिंग तथा 8 अगस्त को कन्वर्सन काउंसलिंग की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी काउंसलिंग संबंधित दिशा-निर्देशों की अधिक जानकारी हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाईट का अवलोकन कर सकते हैं।

महतारी वंदन योजना की लाभार्थी महिलाओं ने किया बोरिदखुर्द में पौधारोपण

धमतरी 3 अगस्त। महतारी वंदन योजना के लाभार्थियों को आज एक पेड़ मां के नाम रोपित करने हेतु ग्राम पंचायत बोरिदखुर्द में 450 नग फलदार पौधों का वितरण वन विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने वृक्षारोपण भी किया। इस मौके पर सरपंच ग्राम पंचायत बोरिदखुर्द श्री दुष्यन्त कुमार सिन्हा, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी श्री राकेश कुमार तिवारी, सुपरवाइजर महिला बाल विकास विभाग सहित श्रीमती नीतू ध्रुव, श्रीमती मानवती, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राशनकार्डों का नवीनीकरण 15 अगस्त तक

धमतरी 3 अगस्त। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए 15 अगस्त तक समयावृद्धि की गई है। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जिले में अब तक 2 लाख 33 हजार 388 राशनकार्डों का नवीनीकरण किया जा चुका है, जिसका प्रतिशत 96.86 है और 7,563 राशनकार्डों का नवीनीकरण किया जाना है। उन्होंने राशनकार्डधारियों से अपील की है कि वे 15 अगस्त तक अनिवार्य रूप से अपने राशनकार्ड नवीनीकरण करा लें। राशनकार्डों का नवीनीकरण हितग्राही स्वयं अपने मोबाईल से एप्लीकेशन के माध्यम से तथा शासकीय उचित मूल्य दुकान विक्रता के मोबाईल से एप्लीकेशन के माध्यम से कर सकते हैं।

50 पदों पर भर्ती के लिए प्लेसमेंट कैम्प 5 अगस्त को

धमतरी 3 अगस्त। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र धमतरी द्वारा आगामी 5 अगस्त को सुबह 11 से शाम 4 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। उप संचालक, जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र श्रीमती पुष्पा चौधरी ने बताया कि कम्पोजिट भवन के कक्ष क्रमांक 45 में आयोजित इस प्लेसमेंटमेंट कैम्प में निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा एलआईसी इन्वेस्टमेंट एडवाईजर, एलआईसी एडवाईजर और फील्ड स्टॉफ के कुल 50 पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार लिया जाएगा। ऐसे आवेदक जिनकी शैक्षणिक योग्यता दसवीं, बारहवीं और स्नातक उत्तीर्ण हो, वे साक्षात्कार प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। आवेदकों को सभी शैक्षणिक, तकनीकी योग्यता प्रमाण पत्र, निवास, जाति, रोजगार कार्यालय का पंजीयन प्रमाण पत्र, दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ नियत तिथि को उपस्थित होने कहा गया है।

पंजीकृत निर्माण श्रमिक 31 दिसम्बर तक करा सकते हैं नवीनीकरण

राजनांदगांव 3 अगस्त। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिक अपना नवीनीकरण 31 दिसम्बर 2024 तक करा सकते हैं। श्रम पदाधिकारी बताया कि नवीनीकरण के पश्चात पंजीकृत श्रमिक मंडल द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो सकते हैं। निर्माणी श्रमिक जनपद पंचायत के श्रम संसाधन केन्द्र, श्रमेव जयते मोबाईल एप एवं नजदीकी च्वाईस सेंटर के माध्यम से आवश्यक दस्तावेजों सहित पंजीयन के नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

कांग्रेस ने भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर का फूंका पुतला

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 3 अगस्त। देश के सर्वोच्च सदन संसद लोकसभा में बजट चर्चा के दौरान भाजपा सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी के उपर की गई अमर्यादित, अलोकतांत्रिक टिप्पणी पर कांग्रेस द्वारा 02 अगस्त को मानव मंदिर चौक पर भाजपा सांसद का पुतला दहन कर विरोध जताया।

शहर कांग्रेस महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि लोकसभा में बजट चर्चा के दौरान पूर्व केन्द्रीय मंत्री व भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा नेता प्रतिपक्ष माननीय राहुल गांधी जी पर जाति के सवाल पर अलोकतांत्रिक व अमर्यादित भाषा का उपयोग किया गया जिसको लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के आव्हान पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा व जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू के निर्देशन पर कांग्रेसजनों द्वारा शुक्रवार को मानव मंदिर चौक पर भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर का पुतला दहन कर विरोध जताया। जिला

ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू ने कहा कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री व सांसद अनुराग ठाकुर द्वारा संसद में अमर्यादित भाषा का उपयोग कर संसद की गरिमा का उल्लंघन किया है जिसका कांग्रेस घोर निंदा करती है और भाजपा सासंद अनुराग ठाकुर पर कार्यवाही की मांग करती है।

पुतला दहन के दौरान प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री धनेश पाटिला, श्रीकिशन खंडेलवाल, महापौर हेमा देशमुख, जिपं सदस्य महेन्द्र यादव, मेहुल मारू, पंकज बांधव, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष श्रीमती शारदा तिवारी, विकास त्रिपाठी, मोहम्मद यहया, महामंत्री झम्मन देवांगन, हनी ग्रेवाल, नरेश डाकलिया, दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यकांत जैन, युवक कांग्रेस अध्यक्ष गुरभेज माखिजा, मोहिनी सिन्हा, बबलू कसार, अभिमन्यु मिश्रा, अजय मारकंडे, मनीष गौतम, खिलेश बंजारे, पार्षद विनय झा, शरद पटेल, पूर्णिमा नागदेवे, प्रतिमा बंजारे, प्रज्ञा गुप्ता, अतुल शर्मा, मानव देशमुख, मामराज अग्रवाल, प्रमोद बागड़ी, सुरेन्द्र देवांगन, विशु अजमानी, सुनील रामटेके, नीरज कन्नौजे, संदीप जायसवाल, देव साहू, दीपक राजपूत, शैलेष ठावरे, ज्ञानदास, राहुल देवांगन, आशीष सोनकर, कमलकांत, राजू सिंह राजपूत, ज्ञानदास मानिकपुरी, सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे।

समाचार संक्षेप

ट्रक से चावल चोरी करने वाले चार आरोपियो को गिरफ्तार कर भेजा गया न्यायिक रिमांड पर जेल

राजनांदगांव 3 अगस्त। 2 अगस्त को प्रार्थीगण पारस साहू पिता ननकू राम साहू उम्र 34 साल निवासी सिंघोला मठपारा पुलिस चौकी सुरगी थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव का थाना हाजिर आकर लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि घटना दिनांक 031.07.2024 के रात्रि 11:00 बजे से 01.08.2024 के 09:00 बजे के मध्य घटना स्थल राजनांदगांव बायपास मे इसके ट्रक क्रमांक सी0जी0 08 ए बी 9171 मे लोड चावल की बोरियो से 21 बोरी चावल प्रत्येक मे 50 किलो भर्ती वजनी 10 क्विंटल 50 ग्राम कीमती 32550 रूपये एवं प्रार्थी डिलेश्वर मारकण्डे पिता स्व0 धुरदास मारकण्डे उम्र 32 साल निवासी ग्राम टेकाहरदी थाना लालबाग जिला राजनांदगांव के द्वारा घटना दिनांक 28.07.2024 के 18:00 बजे से 19.07.2024 के मध्य घटना स्थल कन्हापुरी बायपास के पास ट्रक क्रमांक सी0जी0 08 बी 1713 मे लोड चावल की बोरिया मे से 46 कट्टा चावल प्रत्येक मे 50 किलो की भर्ती वजनी 23 क्विंटल कीमती 78200 रूपये तथा प्रार्थी कुलदीप सिंह पिता स्व0 कुलवंत सिंह उम्र 64 साल निवासी वार्ड नं0 17 कादम्बरी नगर दुर्ग थाना मोहन नगर जिला दुर्ग द्वारा घटना दिनांक 12.07.2024 के 22:00 बजे से 13.07.2024 के 07:00 बजे के मध्य इसके ट्रक क्रमांक सी0जी0 08 जेड 0122 मे भरी चावल की बोरिया मे से 17 कट्टा चावल प्रत्येक मे 50 किलो की भर्ती वजनी 8 क्विंटल 50 किलो कीमती 26350 रूपये को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले जाना बताये। कि रिपोर्ट पर पृथक-पृथक अप0क्र0 474/24, 475/24, 476/24 धारा 303(2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। कायमी की सूचना से वरिष्ठ अधिकारियो का तत्काल अवगत कराया गया।

वन विभाग ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत किया पौधों का वितरण

राजनांदगांव 3 अगस्त। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर चलाए जा रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार वन विभाग द्वारा महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों के लिए पौधा वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशन में राजनांदगांव वनमंडल अंतर्गत महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों को पौधों का वितरण किया गया। एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत पौधरोपण करने का उद्देश्य प्रकृति के प्रति तादात्मय स्थापित करना है। पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए जिले में पौधरोपण किया जा रहा है। एक पेड़ माँ के नाम लगाने से नागरिकों में पौधे की सुरक्षा एवं देखरेख की भावना उत्पन्न होगी। पर्यावरण का संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। इसी मंशा के साथ कार्य किया जा रहा है। बारिश के मौसम में पौधरोपण करने से पौधे जल्दी विकसित होते हैं। वनमंडलाधिकारी श्री आयुष जैन ने बताया कि महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों को आम, जामुन, आंवला, नीम, इमली, पपीता एवं अन्य फलदार, छायादार एवं उपयोगी पौधों का वितरण किया जा रहा है। ताकि वे अपनी बाड़ी में एवं उचित स्थान पर पौधरोपण कर सकें। पर्यावरण के लिए जागरूकता की दिशा में यह महत्वपूर्ण अभियान है। जिले भर में इस अभियान के तहत व्यापक पैमाने पर सघन पौधरोपण किया जा रहा है। साथ ही स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भी पौधों का वितरण किया जाएगा।

धमतरी जिले को शत-प्रतिशत साक्षर बनाने के लिए चल रही मुहिम

धमतरी 3 अगस्त। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण धमतरी द्वारा जिले चारों विकासखंड धमतरी, कुरूद, मगरलोड और नगरी में असाक्षरों व स्वयंसेवी शिक्षकों के पंजीयन की प्रक्रिया जारी है। कलेक्टर सुश्री नम्रता गाँधी ने कहा कि उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के दो लाख असाक्षरों को साक्षर किया जायेगा। इसके तहत 15 वर्ष से अधिक असाक्षर को सम्मानजनक जीवन जीने व आत्मनिर्भर बनाने के लिए बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के साथ- साथ महत्वपूर्ण जीवन कौशल जिसके अंतर्गत डिजिटल, वित्तीय, कानूनी, मतदान एवं पर्यावरण आदि से संबंधित जानकारी दी जाएगी, उनमें व्यावसायिक कौशल का विकास, बुनियादी शिक्षा देने के साथ-साथ सतत शिक्षा के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील की है कि अपने आसपास के असाक्षरों की पहचान की जाए और साक्षरता विभाग को अवगत कराया जाए, ताकि उन्हें भी सर्वे सूची में शामिल कर साक्षर बनाने का काम किया जा सके। साथ ही सभी स्कूल शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, विहान योजना, सेवानिवृत्त शिक्षक एवं सभी वर्ग के लोगों को जोड़कर इस कार्यक्रम को सफल बनाना है और यह निरंतर प्रयास रहेगा कि देश का जन-जन साक्षर बने। इसके साथ ही जिला स्तर के सभी अधिकारी इस अभियान में स्वयंसेवी की भूमिका में रहेंगे तथा जहां भी असाक्षर मिले उनका नाम दर्ज कराएंगे और उन्हें साक्षर बनाएंगे।

जनसमस्या निवारण शिविर में आवास, नजूल पट्टा, राशन कार्ड, पानी की समस्या संबंधी अनेक आवेदन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 3 अगस्त। वार्डवासियों की समस्या संबंधी आवेदन वार्ड में ही जमा होने तथा आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, श्रमिक कार्ड शिविर में ही बनने पर वार्डवासी जन समस्या निवारण शिविर के लिये सरकार का आभार व्यक्त कर रहे है। जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के तहत निगम द्वारा लगातार प्रतिदिन वार्डो में शिविर आयोजित किया जा रहा है, इसी कडी में आज रेवाडीह स्कूल सामुदायिक भवन में वार्ड नं. 20,21 व 22 के लिये शिविर आयोजित किया गया, ग्रामीण वार्ड में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में लोग प्रधानमंत्री आवास, पट्टा सहित पानी, बिजली, रोड, नाली संबंधी समस्या के निराकरण के लिये आवेदन दिये। शिविर में संबंधित वार्ड के पार्षद सहित नेता प्रतिपक्ष श्री किशुन यदु, वरिष्ठ पार्षद श्री शिव वर्मा उपस्थित होकर वार्डवासियों को अपनी समस्या के निराकरण के लिये आवेदन देने प्रेरित कर रहे है। आज के शिविर में वार्डवासियों ने स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया। आज रेवाडीह सामुदायिक भवन में वार्ड नं. 20,21 व 22 के लिये आयोजित शिविर में नल में पानी नहीं आने, राशन कार्ड मे नाम जोडने, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वयं के भूमि पर आवास निर्माण करने, पट्टा वितरण, कालोनी में लाईट लगाने तथा सीमेंट रोड व नाली निर्माण संबंधी आवेदन प्राप्त हुये। इसके अलावा श्रमिक कार्ड, आधार कार्ड व आयुष्मान कार्ड के भी 50 से अधिक प्रकरणो का शिविर में ही निराकरण किया गया। मोबाईल मेडिकल यूनिट के माध्यम से 15-20 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा दिया गया। जन समस्या निवारण शिविर में आकर लोग सरकार को धन्यवाद दे रहे है कि हमारे वार्ड में ही अपनी समस्या के लिये आवेदन लिया जा रहा है, और कुछ समस्या का शिविर में ही निराकरण हो रहा है, जिससे वार्डवासी बिना निगम के चक्कर लगाये काम होने पर प्रसन्नता जाहिर कर रहे है। रेवाडीह निवासी श्रीमती अमीन सिन्हा ने श्रमिक कार्ड पंजीयन, श्री डोमन साहू ने आधर अपडेट होने पर तथा श्री शंकर श्रीवास ने स्वयं के आवास निर्माण की अंतिम किस्त के आवेदन वार्ड में ही देते हुये कहा कि बिना नगर निगम के चक्कर काटे वार्ड में ही समस्या का निराकरण हुआ, सरकार का यह कदम सराहनीय है। कल दिनांक गोडवाना समाज भवन आर.के.नगर में वार्ड नं. 19,23,44 व 45 के लिये तथा 4 अगस्त को वार्ड नं. 24,25 व 38 के लिये म्युनिस्पल स्कूल मैदान स्थित गांधी सभागृह में शिविर आयोजित किया जायेगा। आज के शिविर में शिविर प्रभारी अधिकारी उपायुक्त श्री मोबिन अली,कार्यपालन अभियंता श्री यू.के.रामटेके सहित समाज कल्याण अधिकारी श्री भूपेन्द्र वाडेकर,,सहायक अभियंता श्री प्रणय मेश्राम,प्र.सहायक अभियंता श्री दिलीप मरकाम व सुश्री पिंकी खाती, उप अभियंता श्री अशोक देवांगन व सुश्री आयुषी सिंह के अलावा विभिन्न विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

परसतराई में फसल चक्र परिवर्तन पर कृषक परिचर्चा आयोजित

धमतरी 3 अगस्त। कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी के मार्गदर्शन में जिले में जल, पर्यावरण और भूमि संरक्षण की दिशा में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर के निर्देश पर कृषि, उद्यानिकी और संबंधित विभागों द्वारा गांवों में कृषक परिचर्चा आयोजित कर फसल चक्र परिवर्तन के लिए किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज धमतरी विकासखण्ड के ग्राम परसतराई के किसान जिन्होंने फसल चक्र अपनाकर अपने जीवनस्तर को नई दिशा प्रदान कर खुशहाली की ओर अग्रसर हुए, उन्होंने जिले के 26 गांवों के प्रतिनिधियों से अपने अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर परसतराई में फसल चक्र परिवर्तन हेतु कृषक चर्चा-परिचर्चा एवं किसान गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण, भूमि संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, फसल चक्र परिवर्तन, धान फसल लेने के नुकसान, दलहनी-तिलहनी फसल लेने के फायदे, कृषि पद्धतियां की जानकारी दी गई। इसके अलावा वैज्ञानिक सुझाव एवं आंकलन, किसानों का अनुभव और कृषक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। ग्राम पंचायत परसतराई के सरपंच श्री परमानंद आडिल ने बताया कि पूर्व में परसतराई अकालग्रस्त गांव था और यहां अधिकतर छोटे किसान थे, जिन्हें दैनिक जीवन में पानी की कमी से आए दिन जूझना पड़ता था। इसी समस्या का निदान करने ग्रामीणों ने बैठक कर फसल चक्र अपनाने का निर्णय लिया। इसके तहत गांव के 250 किसानों ने अपने 450 एकड़ से अधिक भूमि पर ग्रीष्मकालीन धान के बदले दलहन, तिलहन एवं अन्य नगदी फसल ली।

लगातार बारिश से कच्ची मिट्टी का मकान भरभरा कर गिरा

■ गरीब और विकलांग व्यक्ति को प्रशासन से मदद की दरकार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नगरी/ घठुला 3 अगस्त। विकास खंड के अंतर्गत ग्राम पांडरवाही में लगातार बारिश होने की वजह से मिट्टी का मकान गिर गया है, घर के गिरने से गरीब आदिवासी और विकलांग व्यक्ति गिरवर नेताम के सामने बरसात के मौसम में रहने की समस्या उत्पन्न हो गई है, पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि बारिश की वजह से मिट्टी से बना कच्चा मकान गिर गया है , जिसके कारण बरसात के दिनों में रहने और खाने-पीने की विकट समस्या उत्पन्न हो गई है, विकलांगता के कारण कहीं भी आने जाने में असमर्थ है, उन्होंने बताया कि इस संबंध में पटवारी से फोन के

माध्यम से संपर्क किया गया लेकिन पटवारी ने फोन रिसीव नहीं किया, इस संबंध में हमारे प्रतिनिधि ने सरपंच राजू सोम से बात किया तो उन्होंने बताया कि, संबंधित व्यक्ति के नाम पर आवास आवंटित हो गया है, जैसे ही पेमेंट डलेगा आवास बनाना चालू हो जाएगा प्रशासन इस घटना को संज्ञान में लेकर मौका मुआयना कर जांच रिपोर्ट के आधार पर पीड़ित व्यक्ति को आपदा राहत कोस से आर्थिक मदद दिया जाए।

■ शहर जिला कांग्रेस ने पंडित रविशंकर शुक्ल व पंडित विद्याचरण शुक्ल की जयंती पर संगोष्ठी सभा आयोजित की

छग के विकास में शुक्ल परिवार का अतुलनीय योगदान: पाटिला

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 3 अगस्त। मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पंडित रविशंकर शुक्ल व पंडित विद्याचरण शुक्ल की जयंती पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा 02 अगस्त शुक्रवार को कांग्रेस भवन में संगोष्ठी सभा का आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा के निर्देशन में संगोष्ठी सभा का आयोजन किया गया। इससे पूर्व दोनों नेताओं पंडित रविशंकर शुक्ल व पंडित विद्याचरण शुक्ल के तैलचित्र पर कांग्रेसजनों ने पुष्पाजंलि अर्पित कर संगोष्ठी सभा की शुरूआत की। इस दौरान संगोष्ठी सभा को महापौर हेमा देशमुख, पंकज बांधव, श्रीमती शारदा तिवारी, नरेश डाकलिया, प्रमोद बागड़ी ने संबोधित किया।

पूर्व मंत्री धनेश पाटिला ने कांग्रेस के महान विभूतियों को नमन करते हुए कहा कि देश के आजादी के लिए पंडित रविशंकर शुक्ल की अहम भूमिका रही। प्रदेश के विकास के साथ-साथ भिलाई स्टील प्लांट के निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा। विद्या भईया देश के साथ-साथ अविभाजित मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के विकास के लिए अनेकों कार्य किए है। इंदिरा जी के प्रधानमंत्रित्व काल में सूचना-प्रसारण व जल संसाधन मंत्री बने और देश के विकास में अपना योगदान दिए थे।

जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू ने कहा कि विद्या भईया आजीवन समाजसेवा व देश सेवा में लगे रहे और उन्होंने कई बार लोकसभा में अविभाजित मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया। वे छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के लिए काफी संघर्ष किया था। विद्या भइया को कांग्रेस का कद्दावर नेता के रूप में जाना जाता है वे महासमुंद क्षेत्र के 9 बार के सांसद रह चुके है। विद्याचरण शुक्ल का नाम एक दमदार राजनेता के तौर पर जाना जाता है। संगोष्ठी सभा में शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष विकास त्रिपाठी, मोहम्मद यहया, जिपं सदस्य महेन्द्र यादव, दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यकांत जैन, युवक कांग्रेस अध्यक्ष गुरभेज माखिजा, मोहिनी सिन्हा, बबलू कसार, अभिमन्यु मिश्रा, अजय मारकंडे, मनीष गौतम, खिलेश बंजारे, पार्षद विनय झा, शरद पटेल, पूर्णिमा नागदेवे, प्रतिमा बंजारे, प्रज्ञा गुप्ता, अतुल शर्मा, मानव देशमुख, मामराज अग्रवाल, सुरेन्द्र देवांगन, विशु अजमानी, सुनील रामटेके, नीरज कन्नौजे, संदीप जायसवाल, देव साहू, दीपक राजपूत, शैलेष ठावरे, राहुल देवांगन, आशीष सोनकर, कमलकांत, राजू सिंह राजपूत, ज्ञानदास मानिकपुरी, ज्ञानदास, सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे। संगोष्ठी सभा में उपस्थित कांग्रेसजनों का शहर कांग्रेस महामंत्री झम्मन देवांगन ने आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

फैसला अच्छा है पर राजनीति तो होगी ही...

एससी, एसटी आरक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला कि राज्य सरकारें कोटे के भीतर कोटा दे सकती है ।एक अच्छा फैसला है, इस पर अमल होता है तो आजादी के बाद से जिन लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिला है, उनको भी आरक्षण का लाभ आसानी से मिल सकेगा। आजादी के समय जब एससी,एसटी को आरक्षण दिया गया था तो उनको एक समूह मानकर दिया गया था, उम्मीद की गई थी, समूह में सभी लोगों को समान रूप से आरक्षण का लाभ मिलेगा। आजादी के कई दशकों बाद अब देश के लोगों को लग रहा है कि समूह में सभी लोगों को समान रूप से आरक्षण का लाभ नहीं मिल रहा है. एससी,एसटी के ऊपर के लोगों को तो आरक्षण का लाभ कई पीढियों से मिल रहा है लेकिन नीचे के लोगों को आरक्षण का लाभ मिल ही नहीं रहा है। आरक्षण का लाभ ऊपर से नीचे आ ही नहीं रहा है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया है कि जिन लोगों के कारण नीचे के लोगों को आरक्षण नहीं मिल रहा है, उनको अब आरक्षण नहीं मिलना चाहिए और अब समूह की जगह जातियों की आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक स्थिति के आधार पर जिन लोगों को अब तक आरक्षण नहीं मिला है,उनको आरक्षण देने की व्यवस्था राज्य सरकारें करेंगी। सुनने,पढ़ने मे यह बहुत अच्छा लगता है लेकिन ऐसी व्यवस्था बनाने मे अभी लंबा वक्त लग सकता है। हर राज्य में एससी,एसटी की संख्या अलग है, कहां किसको आरक्षण का लाभ मिल रहा है, किसको नही मिल रहा है, संख्या में कौन ज्यादा,कौन चुनाव में जीता सकता है, हरा सकता है,यह सब भी तो सरकार व राजनीतिक दलों को देखना होगा। एससी.एसटी को जो लोग अब एक वोट बैंक के रूप मे इस्तेमाल कर रहे थे, सब जातियों को अलग अलग आरक्षण मिलने से अब एससी,एसटी एक वोट बैंक नहीं रह जाएगा, वहां जातियों के नए नेता सामने आएंगे, जातियों में हर क्षेत्र मे प्रतिनिधित्व की मांग बढ़ेगी। राजनीतिक दलों के लिए इन्हें साधना और मुश्किल हो जाएगा। इससे सबसे ज्यादा दिक्कतें उन जातिवादी दलो को होने वालीं हैं जो जाति की राजनीति करते हैं। पहले एससी,एसटी के कम नेताओं को टिकट दी जाती थी,अब जिस जाति का वोट चाहिए, उस जाति के नेता को टिकिट देना पड़ेगा।कई राज्यो में एससी,एसटी को आरक्षण भी तो कम ज्यादा है। वहां अलग समस्या होगी। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल सरकार ने आरक्षण को जो बिल लाया था उसमें एससी,एसटी का आरक्षण बढ़ाया गया था। वह बिल राज्यपाल के पास हस्ताक्षर के लिए लंबित है. उस पर दो राज्यपालों ने कोई फैसला नही किया है,अब तीसरे राज्यपाल आ चुके हैं। कांग्रेस को फिर आरक्षण का बिल याद आएगा। वह जरूर दबाव बनाएगी कि सरकार आरक्षण बिल पर अपना रुख स्पष्ट करे। राज्य सरका पर दवाब रहेगा कि वह एससी,एसटी को संतुष्ट करे कि जिन लोगों को अब तक आरक्षण का लाभ नहीं मिला है,राज्य सरकार दिलाने के लिए काम करेगी। अब तो सवाल एससी, एसटी को कितना आरक्षण मिल रहा है इसका है ही नहीं, अब तो सवाल यह है कि जितना भी आरक्षण मिल रहा है,उसका लाभ सभी लोगों को मिल रहा है या नहीं। जो राजनीतिक दल एससी,एसटी की सभी जातियों को आरक्षण का लाभ दिला पाएगा, उसे एससी,एसटी की सभी जातियों का वोट मिलेगा। उसी राजनीतिक दल को सबसे ज्यादा लाभ होगा।

परंपरा

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा

सावन के झूले , विज्ञान ने भी स्वीकारे

भारतीय त्योहार जहां धार्मिकता से जुड़ी कहानियों - कथाओं से संदर्भित किए जाते रहे हैं वहीं कुछ ऐसे भी आयोजन हमारी संस्कृति के अंग बने हुए हैं , जो हमारे स्वास्थ्य की चिंता करते हुए दिखाई पड़ते हैं ।जी !हां !मैं बात करना चाहता हूं हिंदू पंचांग के पांचवें माह श्रावण मास की । एक ओर जहां यह महीना धर्म से प्रत्यक्ष रूप से संबंध रखते हुए हिंदू धर्मावलंबियों को शिवमय कर देता है तो दूसरी ओर श्रावण मास में झूला झूलने की प्रथा भी विशेष महत्व रखती है । क्या कारण है कि श्रावण मास के झूले की ही चर्चा की जाती है , जबकि झूला तो कभी भी झूला जा सकता है । पूरे बारह महीनों में श्रावण ही ऐसा महीना है जब वातावरण हर प्राणी के अनुकूल हुआ करता है । मौसम परिवर्तन के रूप में ग्रीष्मकाल से छुटकारा और वर्षा ऋतु का आगमन मन को प्रफुल्लित करने वाला होता है । वातावरण में जहां तक हमारी नजर दौड़ सकती है , वहां तक सिवाय हरियाली के हमें और कुछ नजर नहीं आता है ! हमारे धार्मिक ग्रंथों में भी इस संदर्भ में उल्लेख मिलता है । श्रावण मास की शुरूआत से लेकर हरियाली तीज तक जगह - जगह पेड़ो की डालियां झूलों से सज जाया करती थीं । भगवान को झूला झुलाने की परंपरा का भी जिक्र है । आज भी हम मंदिरों में देखते हैं कि शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर झूले सजाकर भगवान राधा - कृष्ण को झूला झुलाया जाता है । हमारे फिल्म निर्देशकों ने भी इसे फिल्माने में कमी नहीं छोड़ी है :-

आई बागों में बहार
झूला झूले राधा प्यारी ...

आज की व्यस्त जिंदगी में अधिकतर लोगों के पास समय की कमी है । दूसरा पक्ष यह भी सामने आ रहा है कि वर्तमान पीढ़ी धीरे - धीरे अपनी परंपराओं को विस्मृत कर रही है ! अब वह समय हमारे समक्ष है जब बहुत कम लोग श्रावण मास में झूला झूलते हैं ! जिन घरों में बुजुर्गों का साया है , वहां परंपरा का पालन झूला डालकर जरूर किया जा रहा है । यह केवल धार्मिक परंपरा ही नहीं वरन वैज्ञानिकता से परिपूर्ण प्रथा कही जा सकती है । मेरे पाठकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि झूला झूलना सीधे - सीधे हमारे स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ विषय है ! झूला झूलने से न केवल हमारा मूड अच्छा होता है बल्कि ₹ बॉडी वर्कआउट ₹ भी होता है ! हम झूला झूलने के स्वास्थ्यगत लाभों पर नजर डालें तो शायद कोई भी घर झूला विहीन नहीं रह पाएगा ! विज्ञान भी यह मानता है कि झूला झूलने में केवल आनंद ही नहीं आता वरन हमारे तनाव को दूर करने में भी झूला बड़ी भूमिका अदा करता है ! इससे हमारा मन प्रसन्न होता है और हम अधिक उत्साह का अनुभव करते हैं ! हमारे जीवन में कई तरह की चिंताओं से हम घिरे रहते हैं । इन चिंताओं से भी हमे झूले की लहरें मुक्ति दिलाती हैं । झूला झूलते समय हमें अपने दोनो पैरों के साथ पूरे शरीर की ताकत लगानी पड़ती है । झूलने की इसी प्रक्रिया के चलते हमारी मांसपेशियों को मजबूती मिलती है । इतना ही नहीं हमारे थके हुए शारीरिक अंग भी आराम पाते हैं ! इसी आनंद में डूबकर एक प्रेमिका , एक पत्नी अपने विरह के क्षणों को कुछ इस तरह गुनगुनाते हुए दूर करना चाहती है :-

सावन के झूले पड़े हैं , तुम चले आओ..तुम चले आओ

झूला झूलने के अनेक कारणों के चलते ही इसे हमारी संस्कृति में अनादिकाल से स्थान दिया गया है । झूला ही एक ऐसी विधा है जो ध्यान केंद्रित करने में हमारी मदद करती है । जहां हमारे मन को शांति मिलती है वहीं हमारी एकाग्रता भी प्रगाढ़ होती है । मनोबल में वृद्धि होने के साथ हम स्वस्थता का अनुभव करते हैं । झूले की पेंगें हमारे शरीर में शीतलता को बढ़ाने वाली होती हैं । इससे न केवल हमारे शरीर की हड्डियां मजबूत होती हैं वरन संतुलन भी अच्छा होता है । झूला झूलने से हृदय की कार्यक्षमता में असाधारण वृद्धि तथा मस्तिष्क की क्रिया में तेजी आना भी वैज्ञानिकों ने स्वीकारा है । जागरूकता को सजग करने में भी झूलो का विशेष योगदान रहा है । पैरों से झूले को धकेलने से हमारे पैरों के जोडो को सक्रिय होने में मदद मिलती है । हमारा आत्मविश्वास का स्तर भी झूलों की तेज गति के साथ बढ़ने लगता है । इन्हीं सारे स्वास्थ्यगत परिणामों के चलते झूलों का महत्व युगकालीन रहा है । श्रावण का महीना आध्यात्मिकता और उत्सवों का महीना कहा जा सकता है । यही वह महीना है जब झीलों से लेकर तालाबों और पोखरों में कमल के फूल खिलखिला उठते हैं । कुंवारी कन्याओं से लेकर विवाहित महिलाएं अपने हाथों में मेंहदी रचाकर पेड़ों पर झूलती नजर आती हैं । इसी महीने में महिलाएं सोलह श्रृंगार में सजी - संवरी दिखाई पड़ती हैं । झूला झूलते हुए महिलाएं यह गुनगुनाने से खुद को नहीं रोक पति हैं :-

रिमझिम गिरे सावन ...सुलग -सुलग जाए मन ...
तथा लगी आज सावन की ,फिर वो झड़ी है ..

सावन के झूले के सकारात्मक परिणामों की सूची लंबी मानी जाती है । मान्यताओं के साथ ही शारीरिक क्षमता में वृद्धि भी झूले का बड़ा लाभ है । कहा जाता है सबसे पहले भगवान श्री कृष्ण ने राधा जी को श्रावण मास में झूला झुलाया था । तभी से यह एक परंपरा बन गई । झूला झूलना पवित्रता का प्रतीक माना जाता है । यह मानसून के आगमन का भी प्रतीक है । श्रावण का माह बारिश का माह होता है । इन दिनों तेज और स्वास्थ्यप्रद हवाओं का झोंका निरंतर चला करता है । जब हम झूला खुलते हैं , तब नाक के माध्यम से हवा तेज गति से फेफड़ों में जाती है और उन्हें अधिक शुद्ध हवा प्राप्त होती है , जिससे हमारे फेफड़े स्वस्थ बने रहते हैं । वर्ष भर में एक श्रावण का ही महीना होता है जब हरियाली छा जाने से गांव में झूले - झूलते हुए उत्तर प्रदेश और बिहार में ₹ कजरी ₹ लोकगीत की धुन सुनाई देने लगती है । मिजार्पुर और बनारसी ₹ कजरी ₹ को सुनने के लिए लालायित कर्ण भी श्रावण के महीने में झूम उठते हैं ।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन खुशियों भरा रहेगा। लॉ के क्षेत्र से जुड़े स्टूडेंट के लिए आज का दिन बेहतकीन रहने वाला है। आज कहीं से एक केस आपके हाथ लग सकता है। उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेगा। कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है, साथ ही अधूरा काम पूरा हो जायेगा। सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का आज प्रमोशन हो सकता है। पहले किए गए किसी सामाजिक कार्य के लिए आज आपको सम्मान मिल सकता है। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। लवमेट के साथ डिनर पर जायेंगे। आपके व्यापार में दो गुना वृद्धि हो सकती है।

वृष राशिः आज का दिन परिवारवालों के साथ बितेगा। परिवार के साथ बाहर घूमने का प्लान भी बन सकता है। आज अचानक आपके घर पर कोई रिश्तेदार आ सकते हैं। दोस्तों के साथ लंबे टूर की प्लानिंग बन सकती है। आज आपके बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे है। स्वास्थ्य पहले से अच्छा रहेगा। आज आप अपने बड़ेड्डबुजुर्गों का आर्शिवाद लेकर नया बिजनेस शुरु कर सकते हैं, जिससे आपको फायदा होगा। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज कुछ निजी काम में बहन का सहयोग उम्मीद से अधिक मिलने वाला है।

मिथुन राशिः आज के दिन मन में नए ड्ड नए विचार आ सकते है। सरकारी एग्जाम की तैयारी करने वालों के लिए आज का दिन अच्छा है, मेहनत का फल अच्छा मिलेगा। दोस्तों के साथ बाहर हील स्टेशन पर जा सकते है। आज आपकी मुलाकात अचानक किसी दोस्त से हो सकती है। आज ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। जूनियर आपसे काम सीखने आ सकते है। पूरा दिन एंजॉय से भरा रहेगा। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नति का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं।

कर्क राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज अपनी वाणी पर कंट्रोल रखने से आपको ही फायदा होगा। आज स्वास्थ्य के प्रति आप थोड़ी सावधानी रखें। बेहतक होगा कि आप बाहर के खाने को अवॉयड करें। इस राशि के लवमेट आज लॉन्ग ड्राइव पर जाने का प्लान बना सकते हैं। घर से बाहर जाने के पहले आप जरूरी सामान जरूर ले जाएं। आज आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। आपका आकर्षक और चुम्बकीय व्यक्तित्व सभी के दिलों को अपनी तकफ़ खींचेगा।

सिंह राशिः आज का दिन अनुकूल रहेगा। आज आनंद की प्राप्ति के लिए आपको अपने स्वभाव में थोड़ा परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। निश्चित ही घर में खुशियों का आगमन होगा। पारिवारिक समस्याएं आज खुद-ब-खुद दूर हो जाएगी। आज के दिन कोई करीबी आपकी खुशियों को दोगुना कर देगा। कार्यक्षेत्र में बढ़ोतकी के नये अवसर प्राप्त होंगे। ऑफिस में सहकर्मियों की मदद से आज आपके कार्य समय रहते पूरा हो जायेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जायेंगे। आज लोगों की राय आपके लिए कारगर साबित होगी।

कन्या राशिः आज आपका रुझान आध्यात्म की तकफ रहेगा मंदिर जाने या किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकती है। दुश्मन आपको परेशान करने की पूरी कोशिश करेगें, लेकिन अपनी समझदारी से आप कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे। इस राशि के आविवाहित लोगों को विवाह के लिए प्रस्ताव मिल सकता है। आज इलेक्ट्रानिक सामान खरीदने का प्लान बना सकते है। कारोबार में वृद्धि के लिए आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस-पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज घरेलू चीजों को खरीदने पर आपके अधिक पैसे खर्च हो सकते है। आज आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे। माता-पिता का आर्शीवाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद करेगा। राजनीति में आप सक्रीय भूमिका निभाएंगें। आज आप विरोधियों का सामना करने में सक्षम होंगे। इस राशि के लोगों को आज कानूनी मामलों से बचने की जरूरत है। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले मजबूत होगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

वृश्चिक राशिः आपकी ऊर्जा का स्तक अच्छा रहेगा। बढ़े हुए ऊर्जा के साथ आप कोई काम करेंगे तो कम समय में पूरा हो जाएगा। व्यापार के लिए आज का दिन शानदार रहेगा, रोज की अपेक्षा ज्यादा सेल होगा। इस राशि के नवविवाहित आज किसी रेस्टोरेंट में डीनर करने जायेंगे। पुरानी जयजाद के ऋय- विक्रय से लाभ होगा। आज संतान के प्रति विश्वास बढ़ेगा। आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा मजबूत रहेगा। आज आप दोस्तों के साथ कही घूमने का प्लान बनाएंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। पढ़ाई में छात्रों के लिए यह समय जी-जान लगाकर पढ़ने का है। नया कोर्स ज्वॉइन करने के लिए आज का दिन अच्छा है। आज नये प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले मित्रों से सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज धार्मिक स्थलों की यात्रा पर जाने का प्लान बनायेंगे। आज आपके परिवार के प्रति विश्वास बढ़ेगा। आज कोई व्यक्ति आपके करियर के लिए खास हो सकता है। आज सही दिशा में मेहनत करेंगे जिससे ज्यादा काम निपटा लेंगे।

मकर राशिः आज का दिन ठीकड्डठाक रहेगा। जीवनसाथी के जीवन में बदलाव आने से खुशी का माहौल बनेगा। आज फर्नीचर खरीदने के लिए दिन शुभ है। बिजनेस में साझेदारी सोच-समझ कर ही करें साथ ही नई योजनाओं को लागू करने से पहले किसी अनुभवी की राय जरूर ले लें। इस राशि के जो लोग पर्यटन के क्षेत्र से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलने वाला है। आज आप काम के प्रति सचेत रहें कोई विरोधी आपके व्यापार को नुकसान पहुंचाने की नकामयाब कोशिश कर सकता है।

कुंभ राशिः आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के काम से यात्रा पर जाना पड़ सकता है, यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी। यात्रा के दौरान किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। किसी कम्पनी से जॉब के लिए ईमेल आ सकती है। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा से रिलेटेड कोई शुभ समाचार आपको मिल सकता है। लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है। अगर कोई नई गाड़ी खरीदना चाह रहें है तो आज ले लीजिए।

मीन राशिःआज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। बच्चों के बेहतक करियर के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आज हो सके उधार के लेन-देन से बचें। आज आपको व्यापार में अचानक धनलाभ का अवसर प्राप्त हो सकता है। आज दूसरों के मामले में दखल ना दें, आवश्यकता पड़ने पर ही अपनी राय दें। ऑफिस में आज किसी बात को लेकर बॉस से आपको डांट पड़ सकती है। आज ज्यादा क्रोध करने से आपका काम बिगड़ सकता है। आज प्रॉपर्टी में निवेश करने के लिए दिन शुभ है।

आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक'

शांति के लिए रामबाण औषधि गणपति अथर्वशीर्ष

मन बड़ा प्रबल है, चंद्रमा मन का कारक है। मन का धर्म संकल्प-विकल्प है। मन ही सारे संसार चक्र को चला रहा है। मूलाधार चक्र में सिद्धि-बुद्धि सहित श्रीगणेश विराजमान हैं। श्रीगणपति अथर्वशीर्ष मनमस्तिष्क को शांत रखने की एकमात्र विद्या है।' जिसके सहारे दुःखों की निवृत्ति शीघ्र संभव है, मन का समाहित हो जाना ही परम योग है।ऊं स्वरूप श्रीगणेश आनंदमय, ब्रह्म तथा सच्चिदानंद स्वरूप है। सत-चित और आनंद त्रिगुणों से युक्त गणपति सत्ता, ज्ञान और सुख के रक्षक हैं। 'अ कार' गणेशजी के चरण हैं। 'उ कार' विशाल उदर और 'म कार' मस्तक का महामंडल है, परब्रह्म' परमात्मा श्रीगणेश निर्माण, निराकार और विश्व व्यापी हैं। गणेश शब्द में 'ग कार' जगद्रूप है तथा 'णकार' ब्रह्मवाचक। इस प्रकार सर्वव्यापक श्रीगणेश परब्रह्मा हैं। ऊंकार यह एकाक्षर स्वरूप भूत, भविष्य तथा वर्तमान सभी ऊंकार स्वरूप है।इस प्रकार गणपति अथर्वशीर्ष में ऊंकार और गणपति दोनों एक ही तत्व है, यह बतलाया गया है। सफलता हेतु कायारंभ के पूर्व मात्र श्रीगणेश का स्मरण सभी बाधाओं को दूर करता है। इनकी कृपा के बिना कुछ भी संभव नहीं है। श्री गणेश कष्टों को निवारण कर बिना भेदभाव के सभी का मंगल करते हैं। श्री गणेश कृपा प्राप्ति हेतु श्री गणपति अथर्वशीर्ष प्रमुख सोपान है, क्योंकि यह उपनिषदों का सार है, इसके पठन एवं श्रवण से सब कुछ प्राप्त किया जा सकता है। यह मन-मस्तिष्क को शांत रखने की एकमात्र विद्या है। जीवन के कुछ संकट, विघ्न शोक एवं मोह का नाश कर अथर्वशीर्ष पारमार्थिक सुख भी प्रदान करता है। अथर्वशीर्ष शब्द में अ+थर्व+शीर्ष इन शब्दों का समावेश है। अ अर्थात अभाव, 'थर्व' अर्थात चंचल एवं 'शीर्ष'अर्थात मस्तिष्क, चंचलता रहित मस्तिष्क, इसका अर्थ हुआ शांत मस्तिष्क। मस्तिष्क को शांत रखने की विद्या स्वयं गणेशजी ने ही अथर्वशीर्ष में बताई है। इसके नित्य एक, पांच अथवा ग्यारह पाठ प्रतिदिन करने का शास्त्रीय विधान है। अथर्वशीर्ष में मात्र दस ऋचाएं हैं। इसमें प्रमुख रूप से बताया गया है कि शरीर के मूलाधार चक्र में स्वयं गणेशजी का निवास है। मूलाधार चक्र शरीर में गुदा के पास है। मूलाधार चक्र आत्मा का भी स्थान है। जो ऊंकार मय है। यहां प्रणव अर्थात ऊंकार स्वरूप गणेशजी विराजमान है। मूलाधार चक्र में ध्यान की स्थिति सर्वसामान्य होती है, जिससे मन मस्तिष्क शांत रहता है। कलियुग के व्यस्त एवं भौतिक जीवन में शीघ्र सफलता एवं विघ्नों का नाश करने वाले श्रीगणेश सर्वाधिक पूजनीय देवता हैं। प्रत्येक मंगल एवं महत्वपूर्ण कार्यों का शुभारंभ इनकी पूजा-अर्चना से होता है। वेदों में गणपति का नाम 'ब्रह्मणस्पति', पुराणों में 'श्रीगणेश' तथा उपनिषद ग्रंथों में साक्षात 'ब्रह्म' बतलाया है। अथर्वशीर्ष का सार है 'ऊं गं गणपतये नमः। अथर्वशीर्ष के पाठ के बारे में बताया गया है कि इसका जो नित्य पठन करता है वह ब्रह्मीभूत होता है तथा सर्वतोभावेन सुखी भी। वह किसी प्रकार से विघ्नों से बाधित नहीं होता तथा महापातकों से मुक्त हो जाता है क्योंकि यह मन को शांत करने की एकमात्र विद्या है।

जानते है- हरेली क्यों मनाया जाता है इसकी वास्तविक परंपरा क्या है !

युगल किशोर साहू

भखारा - छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है यह प्रदेश प्रारम्भ से ही सम्राट,स्वतंत्रता सेनानी एवं संतो की लीला स्थल होने के साथ तांत्रिकों का गढ़ भी माना जाता है।प्रदेश में किसानों के लिए चार अमावस्या हरेली,पोरा,पितर पक्ष और दीपावली का काफी महत्व है इसी प्रकार से सावन की अमावस्या हरेली जिसे हरियाली भी कहा जाता हैं।जब यह त्यौहार आता है तो छत्तीसगढ़ में धान बुवाई का कार्य संपन्न हो जाता है सावन की अमावस्या यहां के किसानों के लिए काफी महत्वपूर्ण त्यौहार है। धरती का आंचल एकदम हरा भरा हो जाता है किसानों का कृषि कार्य जैसे धान की बुवाई,रोपाई व बियासी का कार्य लगभग समाप्त हो जाता है।तब यह त्यौहार उत्सव से मनाया जाता है इस दिन किसान अपने कृषि कार्य को बंद कर नागर,कुदारी,टंगिया,बसूला, सब्बल जैसे विभिन्न कृषि उपकरणों को धोते हैं फिर उन सभी कृषि उपकरणों को गाय बैल की निवास स्थल जिसे अंचल में कोठा कहा जाता है जिनके एक कोने में रखकर बड़ी आस्था और विश्वास के साथ किसान सुख,शांति,समृद्धि के लिए सच्चे मन से पूजा पाठ करते हैं। जिसमें किसान धूप जलाकर विशेष रूप से चीला रोटी का भोग लगाते हैं। साथ ही गाय बैल के कोठे में दर्रा रूम पाटते हैं।तथा किसान अपने-अपने खेतों में नीम की पत्तियों वाली डाली खोचते हैं।यहां के किसान पूरे आस्तिक है ठेठवार,यादव पशु धन को चराने ले जाते हैं वह अपने स्वामी या किसान के यहां जाकर गौशाला में नीम की पत्तियों वाली डाल एवं भेलवा की डाल खोंचते हैं,इसके बदले में किसान अन्न देकर उनका सम्मान करता है। उसी प्रकार लोहार,केवट भाइयों को भी सम्मान किया जाता है। हमारे छत्तीसगढ़ में हरली त्यौहार के दिन गांव के बच्चे नौजवान गेड़ी चढ़कर खूब मजा लेते हैं ज्ञात हो कि गेड़ी 3 फीट से 10 फीट तक लंबा बास से बना होता है।गेड़ी चढ़ने का अभ्यास जरूरी होता है,अन्यथा गेड़ी पर चढ़ना बहुत कठिन होता है। अगर हम अंधविश्वास की ओर ले चले तो लोगों का इसमें कहना है कि इस दिन ग्रहण लग जाए तो मध्य रात्रि में कुछ बैगा गुनिया सहित सहित फूंक झाड़ करने वाले आदि लोग जंगल में व शमशान में जाकर साधना भी करते हैं । तथा झाड़ फूंक मंत्र सीखने के लिए लोग इसी दिन से भी शुरूआत करते हैं। इस दिन यादव गाय बैल चराने जाते हैं उनके द्वारा जंगल से जड़ी बूटी औषधि लाकर गोठान में व घरों में जाकर गाय बैल को औषधि खिलाते हैं इसी तरह यहां हमारे छत्तीसगढ़ में हरेली पर्व मनाने का एक परंपरा है गांव के लोगों का यह भी मानना है कि हरेली का त्यौहार होता है तब पहले रात्रि को भूत प्रेत टोनही से बचने के लिए घर के छत के ऊपर मडिया रागी का भी छिड़काव करते हैं। कहां तक सत्य है यह तो कहा नही जा सकते लेकिन गांव में इस तरह की परम्परा देखने को मिलता है। आज के आधुनिक युग में इसे अंध विश्वास का नाम भले ही दे दिया गया है लेकिन हरेली त्यौहार में जो परंपरा हैं वो सत्य है।इतना जरूर है की अब त्योहारों में लोगो का उत्साह व कई परंपरा विलुप्त होता जा रहा हैं।

पर्व

डॉ. दानेश्वरी संभाकर, सहायक संचालक

आइए इस हरेली धरती माँ का श्रृंगार करें, एक पेड़ मां के नाम लगाएं

छत्तीसगढ़ की संस्कृति अपनी अति विशिष्ट परंपराओं और पर्वों के लिए जानी जाती है और हर पर्व, प्रकृति के पीछे गहरे समर्पण की मिसाल देता है। हरियाली को लेकर ऐसा ही दुर्लभ पर्व हरेली है, जब पूरी धरती हरीतिमा की चादर ओढ़ लेती है। धान के खेतों में रोपा लग जाता है और खेतों में चारों ओर प्रकृति अपने सुंदर नजारे में अपने को व्यक्त करती है। धरती माता का पूरा स्नेह पृथ्वीवासी या हर जीव-जन्तु पर उमड़ता है और इस स्नेह के प्रतिदान के लिए हम हरेली में प्रकृति को पूजते हैं। इस बार हरेली पर्व पर एक और खुशी हमारे प्रदेशवासियों के साथ जुड़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ माँ के नाम पर लगाने के अभियान का आगाज किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में यह अभियान पूरे उत्साह से चल रहा है। मुख्यमंत्री ने हरेली के अवसर पर लोगों से पेड़ लगाने की अपील की है। यह पेड़ वे अपनी माँ के नाम लगाएंगे साथ ही धरती माँ के नाम लगाएंगे, जो धरती हमें इतना कुछ देती है, उसके श्रृंगार के लिए पौधा लगाएंगे और सहेजेंगे। यह पौधा हमारी हरेली की स्मृतियों को सुरक्षित रखने के लिए भी यादगार होगा। साथ ही प्रदेश भर में जहां भी खुले मैदानों में पौधरोपण के आयोजन होंगे वहां लोग गेड़ी का आनंद भी लेंगे। अपनी प्रकृति और परिवेश से जुड़ने और इसे समृद्ध करने से बढ़कर सुख और क्या होगा।

छत्तीसगढ़ का पहला लोक पर्व हरेली

छत्तीसगढ़ का सबसे पहला लोक पर्व हरेली है, जो लोगों को छत्तीसगढ़ की संस्कृति और आस्था से परिचय कराता है। हरेली का मतलब हरियाली होता है, जो हर वर्ष सावन महीने के अमावस्या में मनाया जाता है। हरेली मुख्यतः खेती-किसानी से जुड़ा पर्व है। इस त्यौहार के पहले तक किसान अपनी फसलों की बोआई या रोपाई कर लेते हैं और इस दिन कृषि संबंधी सभी यंत्रों नागर, गैंती, कुदाली, फावड़ा समेत कृषि के काम आने वाले सभी तरह के औजारों की साफ-सफाई कर उन्हें एक स्थान पर रखकर उसकी पूजा-अर्चना करते हैं। घर में महिलाएं तरह-तरह के छत्तीसगढ़ी व्यंजन खासकर गुड़ का चीला बनाती हैं। हरेली में जहाँ किसान कृषि उपकरणों की पूजा कर पकवानों का आनंद लेते हैं, आपस में नारियल फेंक प्रतियोगिता करते हैं, वहीं युवा और बच्चे गेड़ी चढ़ने का मजा लेते हैं।

हरेली के दिन गांव में पशुपालन कार्य से जुड़े यादव समाज के लोग सुबह से ही सभी घरों में जाकर गाय, बैल और भैंसों को नमक और बगरंडा का पत्ता खिलाते हैं। हरेली के दिन गांव-गांव में लोहारों की पूछपरख बढ़ जाती है। इस दिन गांव के लोहार हर घर के मुख्य द्वार पर नीम की पत्ती लगाकर और चौखट

में कील ठोंककर आशीष देते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से उस घर में रहने वालों की अनिष्ट से रक्षा होती है। इसके बदले में किसान उन्हे दान स्वरूप स्वेच्छा से दाल, चावल, सब्जी और नगद राशि देते हैं। ग्रामीणों द्वारा घर के बाहर गोबर से बने चित्र बनाते हैं, जिससे वह उनकी रक्षा करे।

हरेली से तीजा तक गेड़ी दौड़ का आयोजन

हरेली त्यौहार के दिन गांव के प्रत्येक घरों में गेड़ी का निर्माण किया जाता है, मुख्य रूप से यह पुरुषों का खेल है घर में जितने युवा एवं बच्चे होते हैं उतनी ही गेड़ी बनाई जाती है। गेड़ी दौड़ का प्रारंभ हरेली से होकर भादो में तीजा पोला के समय जिस दिन बासी खाने का कार्यक्रम होता है उस दिन तक होता है। बच्चे तालाब जाते हैं स्नान करते समय गेड़ी को तालाब में छोड़ आते हैं, फिर वर्षभर गेड़ी पर नहीं चढ़ते हरेली की प्रतीक्षा करते हैं। चूंकि वर्षा के कारण गांव के कई जगहों पर कीचड़ भर जाता है, इस समय गेड़ी पर बच्चे चढ़कर एक स्थान से दूसरे स्थान पर आते जाते हैं उसमें कीचड़ लग जाने का भय नहीं होता। बच्चे गेड़ी के सहारे कहीं से भी आ जा सकते हैं। गेड़ी का संबंध कीचड़ से भी है। कीचड़ में चलने पर किशोरों और युवाओं को गेड़ी का विशेष आनंद आता है। रास्ते में जितना अधिक कीचड़ होगा गेड़ी का उतना ही अधिक आनंद आता है। वर्तमान में गांव में काफी सुधार हुआ है गली और रास्तों पर काम हुआ है। अब ना कीचड़ होती है ना गलियों में दलदल। फिर भी गेड़ी छत्तीसगढ़ में अपना महत्व आज भी रखती है। गेड़ी में बच्चे जब एक साथ चलते हैं तो उनमें एक दूसरे से आगे जाने की इच्छा जागृत होती है और यही स्पर्धा बन जाती है। बच्चों की ऊंचाई के अनुसार दो बांस में बराबर दूरी पर कील लगाते हैं और बांस के टुकड़े को बीच में फाड़कर दो भाग कर लेते हैं, फिर एक सिरे को रस्सी से बांधकर पुनः जोड़ देते हैं इसे पउवा कहा जाता है। पउवा के खुले हुए भाग को बांस में कील के ऊपर फंसाते हैं पउवा के ठीक नीचे बांस से सटाकर 4-5 इंच लंबी लकड़ी को रस्सी से इस प्रकार बांधते है, जिससे वह नीचे ना जा सके लकड़ी को घोड़ी के नाम से भी जाना जाता है। गेड़ी में चलते समय जोरदार ध्वनि निकालने के लिए पैर पर दबाव डालते हैं जिसे मच कर चलना कहा जाता है।

नारियल फेंक प्रतियोगिता

नारियल फेंक बड़ों का खेल है इसमें बच्चे भाग नहीं लेते। प्रतियोगिता संयोजक नारियल की व्यवस्था करते हैं, एक नारियल खराब हो जाता है तो तत्काल ही दूसरे नारियल को खेल में सम्मिलित किया जाता है। खेल प्रारंभ होने से पूर्व दूरी निश्चित की जाती है, फिर शर्त रखी जाती है कि नारियल को कितने बार फेंक कर उक्त दूरी को पार किया जाएगा। प्रतिभागी शर्त स्वीकारते हैं, जितनी बार निश्चित किया गया है उतने बार में नारियल दूरी पार कर लेता है तो वह नारियल उसी का हो जाता है। यदि नारियल फेंकने में असफल हो जाता है तो उसे एक नारियल खरीद कर देना पड़ता है। नारियल फेंकना कठिन काम है इसके लिए अभ्यास जरूरी है। पर्व से संबंधित खेल होने के कारण बिना किसी तैयारी के लोग भाग लेते है।

बस्तर क्षेत्र में हरियाली अमावस्या पर मनाया जाता है अमुस त्यौहार

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में ग्रामीणों द्वारा हरियाली अमावस्या पर अपने खेतों में औषधीय जड़ी-बूटियों के साथ तेंदू पेड़ की पतली छड़ी गाड़ कर अमुस त्यौहार मनाया जाता है। इस छड़ी के ऊपरी सिरे पर शतावर, रसना जड़ी, केऊ कंद को भेलवां के पत्तों में बांध दिया जाता है। खेतों में इस छड़ी को गाड़ने के पीछे ग्रामीणों की मान्यता यह है कि इससे कीट और अन्य व्याधियों के प्रकोप से फसल की रक्षा होती है। इस मौके पर मवेशियों को जड़ी बूटियां भी खिलाई जाती है। इसके लिए किसानों द्वारा एक दिन पहले से ही तैयारी कर ली जाती है। जंगल से खोदकर लाई गई जड़ी बूटियों में रसना, केऊ कंद, शतावर की पत्तियां और अन्य वनस्पतियां शामिल रहती है, पत्तों में लपेटकर मवेशियों को खिलाया जाता है। ग्रामीणों का मानना है कि इससे कृषि कार्य के दौरान लगे चोट-मोच से निजात मिल जाती है। इसी दिन रोग बोहरानी की रस्म भी होती है, जिसमें ग्रामीण इस्तेमाल के बाद टूटे-फूटे बांस के सूप-टोकरी-झाड़ू व अन्य चीजों को ग्राम की सरहद के बाहर पेड़ पर लटका देते हैं। दक्षिण बस्तर में यह त्यौहार सभी गांवों में सिर्फ हरियाली अमावस्या को ही नहीं, बल्कि इसके बाद गांवों में अगले एक पखवाड़े के भीतर कोई दिन नियत कर मनाया जाता है।

"नियद नेल्लानार" ग्राम मूलेर के छात्रों की पढ़ाई अब नहीं होगी बाधित

■ ग्राम के 15 बालिकाओं तथा 11 बालकों को अन्य छात्रावासों में मिला दाखिला

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 3 अगस्त। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी एवं जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन के निर्देशन में नियद नेल्लानार योजना के तहत चयनित दुर्गम्य ग्राम मूलेर के शाला जाने योग्य बच्चों को शिक्षा सुविधा दिलाने के विशेष प्रयास किए जा रहे है। क्योंकि यह पाया गया है कि जिले के इस अलग थलग ग्राम के अधिकांश छात्र ग्राम की भौगोलिक स्थिति और दूर्गम्यता के कारण अपने पढ़ाई बीच में ही छोड़ देते है। ज्ञात हो कि ग्राम मूलेर विकासखंड कुआकोंडा ग्राम पंचायत नहाड़ी का आश्रित ग्राम है। दंतेवाड़ा जिला के आखिरी छोर का यह ग्राम अन्य ग्रामों की अपेक्षा पहाड़ों और घनगोर जंगल बीच कुंएनुमा आकार में बसा हुआ है। जिसकी कुल जनसंख्या 524 है इस ग्राम के तहत 7 पारा एवं टोले की बसाहट है। ग्राम के बीचों बीच में सदा जल प्रवाही नदी है जिसके कारण यह ग्राम जिले के ब्लॉक मुख्यालय के सड़क संपर्क से हमेशा कटा सा रहता है। यहां पहुंचने के लिए नहाड़ी से लगभग 15 किलोमीटर वनीय मार्ग है एवं दंतेवाड़ा के सीमावर्ती जिला के गादीरास ग्राम से बड़े सट्टी तक 5 किलोमीटर तक पैदल चलकर ही यहां पहुंचा जा सकता है। इस प्रकार इस दुर्गम वन ग्राम के सात पाराओं से संपर्क करने के लिए इस नदी को पार करना एक दुःसह कवायद साबित होता है।

इसे दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा उक्त ग्राम को ''नियद नेल्लानार'' योजना का आरंभ किया गया है। जिससे इस ग्राम में अधोसंरचनात्मक विकास की पहल हो और यह ग्राम विकास की मुख्यधारा में आ सकें। इसके लिए ग्राम में समस्त विभाग जैसे आ0जा0क0वि0, जनपद पंचायत, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग शिक्षा विभाग पी0एच0ई0 विभाग के द्वारा सघन सर्वे कर इस ग्राम के लोगों को सभी शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने और बुनियादी सेवाएं उपलब्ध कराने के हर संभव प्रयास किये जा रहे है। इस क्रम में अगर ग्राम के शैक्षणिक पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डाला जाये तो भौगोलिक परिस्थितियों के चलते ग्राम के अधिकांश छात्र अन्ततः शाला त्यागी हो जाते है। कहने को तो यहां एक प्राथमिक शाला लगभग 1980 के दशक से संचालित है तथा माध्यमिक शाला 2008 से मूलेर के नाम से पोटाली में संचालित है। परन्तु आगे की पढ़ाई के लिए ग्राम के छात्र छात्राओं के दृष्टिकोण से यह अपर्याप्त है। इस संबंध में जिला प्रशासन ने पहल करते हुए यहा के पढ़ने योग्य बालिकाओं को ब्लॉक मुख्यालय कुआकोंडा में संचालित कन्या आश्रम मैलावाड़ा में प्रवेश दिलाया है। साथ ही 13 बालकों को भी बालक आश्रम टिकनपाल में भर्ती कराया गया। इस प्रयास से दुर्गम ग्राम मूलेर के बालक बालिकाओं के लिए शिक्षा की राह सुगम हुई है।

"बाल मित्र फेलो" के द्वारा शाला त्यागी बच्चों का कराया गया शाला प्रवेश

दंतेवाड़ा, 3 अगस्त । जिला प्रशासन द्वारा जिले के चिन्हांकित 66 ग्राम पंचायतों में ''बाल मित्र'' ''युवा नेतृत्व विकास'' कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है जिसके तहत 66 पंचायतों में ''बाल मित्र फेलो'' के माध्यम से ग्राम पंचायत क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही है। जिसके तहत विकासखंड कुआकोंडा अंतर्गत ग्राम पंचायत गढ़मिरी के बाल मित्र द्वारा अपने क्षेत्र अंतर्गत 02 शाला त्यागी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ते हुए पोटाकेबिन पालनार में प्रवेश कराया गया है।

एक नजर

जिले में अब तक 958.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

सुकमा, 3 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) । भू-अभिलेख कार्यालय जिला सुकमा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से शुरू की गई वर्षा मापन में अब तक सुकमा तहसील में 1155.5 मिलीमीटर, छिन्दगढ़ तहसील में 676.6 मिलीमीटर, कोण्टा तहसील में 1018.6 मिलीमीटर, गादीरास तहसील में 816.9 मिलीमीटर, तोंगपाल तहसील में 741.6 मिलीमीटर, दोरनापाल तहसील में 1379.2 मिलीमीटर और जगरगुण्डा तहसील में 919.8 वर्षा दर्ज हुई है। इस प्रकार सुकमा जिले में अब तक 958.3 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई है। इस मानसून सत्र जिले में 1734.5 मिलीमीटर औसत वर्षा संभावित है। वर्षा प्रतिवेदन के आधार पर 01 जूलाई को सर्वाधिक वर्षा गादीरास तहसील में 24.2 मिलीमीटर, कोण्टा तहसील में 22.0 मिलीमीटर, दोरनापाल तहसील में 20.9 मिलीमीटर, जगरगुण्डा तहसील में 12.2 मिलीमीटर, तोंगपाल तहसील में 11.3 मिलीमीटर, सुकमा तहसील में 10.5 मिलीमीटर,, और छिंदगढ़ तहसील में 3.1 मिलीमीटर दर्ज की गई है। इस प्रकार 14.8 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई है।

संपूर्णता अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन

सुकमा, 3 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) । कलेक्टर श्री हरिस.एस के निर्देश एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती त्रमता जैन के कुशल मार्गदर्शन में आकांक्षी ब्लॉक कोंटा में संपूर्णता अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक छिंदगढ़ अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में सरपंच, सचिव, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग के संयुक्त रूप से एवं स्थानीय प्रतिनिधि, ग्रामीणों के सहयोग से प्रतिदिवस स्वच्छता रैली आयोजित कर स्वच्छता के प्रति आम जनों को जागरूक कर, स्वच्छता के महत्व को बताया जा रहा है। स्थानीय बोलियो में स्वच्छता संवाद, सामूहिक श्रमदान कर ग्राम की स्वच्छता में भाग लिया जा रहा है । वही पर्यावरण सुरक्षा हेतु एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण किया रहा है। कार्यक्रम में स्कूली बच्चे, आम नागरिकगण, आगनवाड़ी कार्यकर्ता और स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित थे।

राशन की कालाबाजारी

सुकमा, 3 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) । चिंतलनार में राशन की कालाबाजारी में अब तक की सबसे बड़ी कार्यवाही को किया जा रहा दबाने का प्रयास राशन के माफियाओं के द्वारा कुछ ग्रामीणों को ढाल बनाकर इशारों पर बयान दर्ज करवाने की तैयारी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार झूठे बयान दर्ज करवाने बनाया जा रहा दबाव राशन की कालाबाजारी में लिप्त लोग ले रहे चुने गए ग्रामीणों के बयान का सहारा कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम तहसीलदार और खाद्य विभाग द्वारा की गई जिले की अब तक की सबसे बड़ी कार्यवाही निजी मकान से मिला बड़ी मात्रा में सील पैक चावल, वन विभाग के गोदाम से मिला बड़ी मात्रा में चावल चना शक्कर उड़ती खबर है कि चुनिंदा ग्रामीणों से इस तरह के बयान दर्ज करने की तैयारी है की वितरण के बाद बारिश के चलते उन्होंने नहीं किया राशन का उठाव।

छात्रवृत्ति के तहत संस्था या पाठ्यक्रम परिवर्तन के संबंध में विभाग ने किया दिशा-निर्देश जारी

दंतेवाड़ा, 3 अगस्त। आदिवासी विकास विभाग से जारी विज्ञप्ति अनुसार वर्ष 2023-24 के ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने संस्था परिवर्तन, पाठ्यक्रम परिवर्तन, संस्था व पाठ्यक्रम दोनों परिवर्तन तथा पाठ्यक्रम का वर्ष परिवर्तन लिए आवेदन प्रस्तुत किए थे उनके आवेदनों को शासन द्वारा अनुमोदन कर दिया गया है। साथ इन छात्रों को 5 दिवस के भीतर अपना छात्रवृत्ति आवेदन पूर्ण कर अध्ययनरत संख्या में जमा करते हुए छात्रवृत्ति स्वीकृत कराने के लिए निर्देशित किया गया है। निर्धारित समयावधि में आवेदन नहीं करने पर संबंधित छात्र स्वयं उत्तरदायी होंगे। इसके अलावा उक्त विभाग द्वारा दी गई अन्य जानकारी अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (महाविद्यालयीन स्तर) का पंजीयन स्वीकृति व भुगतान विभागीय पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है। आवेदन करते समय छात्रवृत्ति पोर्टल में किसी प्रकार की दिक्कत होने पर विद्यार्थी अपने संस्था के छात्रवृत्ति प्रभारी अथवा कार्यालय, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास के छात्रवृत्ति शाखा प्रभारी से कार्यालयीन समय अवधि में संपर्क कर सकते हैं।

इलेक्ट्रिकल, हॉस्पिटैलिटी कोर्स के तहत जिले के 10 युवा सुकमा में ले रहे है प्रशिक्षण

दंतेवाड़ा,3 अगस्त। कार्यालय जनपद पंचायत से प्राप्त जानकारी अनुसार आईटीसी मिशन ''सुनहरा कल'' व ''प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन'' जिला सुकमा में शिक्षित बेरोजगार युवक युवतियों के लिए निशुल्क दो माह का इलेक्ट्रिकल व हॉस्पिटैलिटी कोर्स का प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है जिसका प्रमुख उददेश्य 8 वी 10 वी या उससे ऊपर की पढाई करके छोड़ चुके युवक युवतियों को प्रशिक्षण देकर रोजगार स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास करना है। इस कड़ी में जिले दंतेवाड़ा के कुआकोंडा ब्लॉक के 10 युवाओं का इलेक्ट्रिक, हॉस्पिटल में चयन करके जिला सुकमा भेजा गया है जहां वे इस ट्रेड में प्रशिक्षित होकर आत्मनिर्भर हो सकेंगें। इसके अलावा इस कोर्स के द्वितीय बैच हेतु अन्य युवाओं को तैयार किया जा रहा है। ज्ञात हो कि कुआकोंडा में विगत 19 जुलाई को जनपद स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया गया था। जहां स्थानीय युवाओं को विभिन्न ट्रेडों की जानकारी दिया जा कर उनसे आवेदन चाहे गये थे। जिसके तहत इन 10 युवाओं का चयन किया गया था।

आवास योजना के निर्माण कार्यों को दें सर्वोच्च प्राथमिकता: सीईओ

■ सीईओ जिला पंचायत ने की प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों की समीक्षा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सुकमा, 3 अगस्त। कलेक्टर श्री हरिस.एस के निर्देशन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नम्रता जैन ने बुधवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में बैठक लेकर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। सीईओ जिला पंचायतन कहा कि ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्माण कार्यों को पूर्ण करने में सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के पूर्णता हेतु शेष रह गए जिले में कुल अपूर्ण 861 आवासों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए शीघ्र ही उसे पूरा कराने के निर्देश दिए। बैठक में परियोजना अधिकारी जिला पंचायत श्री बीएस भगत, एपीओ जिला पंचायत द्वय श्री बीएस मार्को एवं श्री कैलाश कश्यप, नोडल अधिकारी आवास सहित जिला एवं जनपद स्तर के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन ने बताया कि जिले को कुल 10 हजार 118 प्रधानमंत्री आवास निर्माण का लक्ष्य प्रदान किया गया है। जिसके अंतर्गत 92 फीसदी से अधिक पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने कहा बताया कि अब तक 9 हजार 257 हितग्राहियों के निर्माणाधीन आवासों को पूर्ण कर पक्का मकान उपलब्ध कराया गया है। जिसमें विकासखण्ड छिंदगढ़ के 5 हजार 236, कोंटा विकासखण्ड के 1 हजार 725 एवं सुकमा विकासखण्ड लक्ष्य 2 हजार 296 हितग्राही शामिल है। सीईओ श्रीमती जैन ने नोडल अधिकारी सहित जनपद पंचायत के सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं विकासखण्ड समन्वयक और तकनीकी सहायकों को लगातार हितग्राहियों से संपर्क स्थापित कर पूर्ण आवासों को जल्द से जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए।

जिले में 110 संकुलों में होगी 6 अगस्त को मेगा पालक शिक्षक बैठक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सुकमा, 3 अगस्त। स्कूल शिक्षा विभाग रायपुर के निर्देशन एवम् कलेक्टर श्री हरिस.एस के मार्गदर्शन में 6 अगस्त को होने वाली बैठक के संबंध में संकुल स्तरीय शिक्षक पालक बैठक के संबंध दिशा निर्देश जारी कर किया गया है। शिक्षक बैठक में पालकों शासन द्वारा विद्यार्थी को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दिया जाएगा। निजी स्कूलों के तर्ज पर भी अब सरकारी स्कूलों में शिक्षक पालक बैठक आयोजित किया जायेगा। नये शिक्षा सत्र में 6 अगस्त को बैठक आयोजित की जा रही है, जिसमें 12 मुद्दो पर चर्चा की होगी। इसके अलावा शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन हेतु राज्य में संचालित विभिन योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। बैठक में 12 मुद्दों पर चर्चा हेतु काउंसलर शिक्षाविद को भी आमंत्रित किया गया है जिससे पालकों मार्गदर्शन मिल सकेगा। बैठक पालकों एवं शिक्षक शामिल होगें। बैठक में शाला प्रबंधन समिति को भी आमंत्रित किया गया है। जिले में 6 अगस्त की बैठक के लिए कलेक्टर श्री हरिस.एस ने जिला शिक्षा अधिकारी जिला मिशन समन्वयक समस्त जिला विकासखंड स्तरीय अधिकारियों संकुल प्राचार्य नोडल अधिकारी संकुल समन्वयक शिक्षकों को उन्मुखीकरण कर आवश्यक निर्देश दिए गये है। श्री जीआर मंडावी जिला शिक्षा अधिकारी सुकमा द्वारा शिक्षक पालक मेघा बैठक की जानकारी दी गयी। श्री जीआर मंडावी शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जिले के प्रत्येक संकुल में पालक शिक्षक बैठक आयोजित की जायेगी। जिला शिक्षा अधिकारी विकासखंड स्तर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी एंव संकुल स्तर संकुल प्राचार्य सहित संकुल समन्वयक की होगी। जिला स्तर पर जिला कोर ग्रुप के द्वारा सतत मानिटरिंग की जायेगी बैठक के दौरान जिले की टीम भी मौजूद रहेगी शिक्षा सप्ताह के दौरान किए गये कार्य भी चर्चा में शामिल।

जिले में होगी अब ऑयल पॉम की खेती

सुकमा,3 अगस्त। केन्द्र सरकार द्वारा तेल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल ऑयल पॉम योजनान्तर्गत सुकमा जिले में ऑयल पॉम की खेती हेतु मेगा प्लांटेशन ड्राईव कार्यक्रम अन्तर्गत 01 अगस्त 2024, गुरुवार को 08 एकड रकबा में ऑयल पॉम प्लाटेशन का कार्य किया गया। साथ ही मेगा प्लांटेशन ड्राईव कार्यक्रम अन्तर्गत रोपित कृषको से उत्पादित फलो के क्रय विक्रय के लिए शिवसाईस आयल पाम प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी कृषक एवं उद्यानिकी विभाग के मध्य अनुबंध हस्ताक्षर भी किया गया। जिसमे जनपद उपाध्यक्ष सुकमा श्री डमरूराम नाग द्य, सहायक संचालक उद्यान श्री हितेश नाग, शिवसाईस आयल पाम प्राईवेट लिमिटेड के संचालक श्री रामकुमार, श्री हरिश एवं विभाग के अधिकारी उद्यान अधीक्षक श्री कमल कुमार गावडे, विकासखण्ड प्रभारी श्री नवस तिग्गा व सुकमा के चयनित ऑयल पॉम लगाने वाले सभी कृषक उपस्थित थे।

जिले के पंचायतों में करदाता सीधे यूपीआई आईडी से जमा कर रहे टैक्स

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सुकमा, 3 अगस्त। यूपीआई और क्यूआर कोड से ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा आज शहर से लेकर गांव-गांव तक छोटे-बड़े हर व्यापारिक व्यवसायिक संस्थानों में देखने मिल रहा है। कलेक्टर श्री हरिस.एस के निर्देशन और सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन के मार्गदर्शन में सुकमा जिले के सभी 153 ग्राम पंचायतों में ऑनलाइन पेमेंट से करों के भुगतान की सुविधा मुहैय्या कराई जा रही है। इससे करदाता क्यूआर कोड को स्कैन कर सीधे पंचायत के खाते में टैक्स की राशि जमा किया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन ने बताया कि आज के दौर में डिजिटल टेक्नोलॉजी को लोक सुविधाओं से जोड़ते हुए पंचायतों में यूपीआई आईडी के माध्यम से ऑनलाइन पेमेंट की शुरुआत की गई है। उन्होंने बताया कि इससे करदाता पंचायत आकर अपने टैक्स की राशि की गणना करवाकर कर तत्काल उसका भुगतान यूपीआई के जरिए पंचायत के बैंक खाते में सीधे जमा कर सकता है। इससे एक ओर जहां राशि खाते में जमा होने से कर संग्रहण में पारदर्शिता बढ़ेगी वहीं नकद में मिलने वाली राशि को बैंक में जमा करने में लगने वाले समय की भी बचत होगी। लोगों ने कहा आज के दौर में पहल जरूरी - गांवों में लोगों यूपीआई से अपने टैक्स का पेमेंट भी शुरू कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि धीरे-धीरे लोग गांव में लोग अब स्मार्ट फोन और ऑनलाइन पेमेंट माध्यमों का उपयोग कर रहे हैं। अब इसी के जरिए उनके पंचायत के टैक्स का भुगतान भी हो रहा है यह आज के दौर के लिए एक जरूरी पहल जिला प्रशासन ने की है। उन्होंने आगे कहा कि इससे समय की बड़ी बचत होगी। यूपीआइ आईडी से वो कहीं से भी अपने टैक्स का भुगतान ऑनलाइन कर सकेंगे।

कलेक्टर हरिस.एस ने कृषि विज्ञान केन्द्र का किया अवलोकन

कलेक्टर ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सुकमा, 3 अगस्त। कृषि विज्ञान केंद्र, सुकमा में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला सह कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलेक्टर श्री हरिस.एस ने जिले में चयनित 55 किसानों को कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा संचालित आदिवासी उप योजना बटेर पालन एवं सामुदायिक खेती टीएसपी (ईपी और एचएस) एवं आईआईपीआर - टीएसपी (एसटीसी) परियोजना के अंतर्गत बटेर पालन हेतु बटेर तथा मशीन, सुरक्षित भंडारण हेतु भंडारण पेटी, कृषि उपकरण, स्प्रेयर, सब्जियों के बीजों की किट तथा सब्जी नर्सरी का वितरण एवं कृषि विभाग द्वारा उड़द की मिनीकिट का वितरण किया। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि कृषि कि नवीन जानकारी के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या मे कृषि विज्ञान केन्द्र से जुड़ कर नवीन तकनीकी का लाभ लेकर अपनी खेती में तकनीकी परिवर्तन करके रोजगार के साथ साथ फसल उत्पादन एवं आय में वृद्धि कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों को ज्यादा से ज्यादा किसानों के खेत में जाकर तकनीकी प्रदर्शन, मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षित करने के लिए निर्देशित किए। कलेक्टर ने कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र के भ्रमण कर, खरीफ फसलों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये तथा आगामी रबी फसल योजना के बारे में विस्तार से चर्चा की।

कलेक्टर ने एक पेड माँ के नाम अभियान के तहत कृषि विज्ञान केन्द्र सुकमा में नारियल के पौधे का वृक्षारोपण कार्य किया। उन्होंने जिलेवासियों से अभियान के तहत् अधिक से अधिक पौधरोपण करने की अपील की। इसके साथ-साथ समूह अग्रिम पंक्ति तिलहन प्रदर्शन के अंतर्गत तिल फसल के ऊपर एक दिवसीय कार्यशाला सह कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत तिल फसल की आधुनिक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई विदित हो कि इस वर्ष कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा 50 हेक्टर क्षेत्रफल में तिल का प्रदर्शन लगाया जाएगा।

कृषि से संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ प्रति माह होने वाली मासिक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। जिसमें जिले के विभागों के अधिकारियों ने भाग लेकर आगामी माह हेतु चर्चा की और सभी ने अपने अपने विभाग की योजनाओं के बारे में किसानों को विस्तार से बताया। सहायक मत्स्य अधिकारी श्री ओपी मंडावी, सहायक पशु शल्यज्ञ अधिकारी डॉ. उमेश बघेल, कृषि विभाग डॉ. जीतेश बघेल एवं श्री भीम कुमार जायसवाल सहायक संचालक कृषि साथ साथ सभी विभागों से मैदानी अधिकारी उपस्थित थे।

समाचार संक्षेप

नगर पालिका परिषद सुकमा के वार्ड क्रमांक04, 05, 06 एवं 07 में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन

सुकमा, 3 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) । नगरी प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार जिले के नगरीय निकायों में जन समस्या निवारण पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री हरिस.एस के निर्देशन में गुरुवार को वार्ड क्रमांक देवी चौक महरा समाज भवन सुकमा में वार्ड क्रमांक 04, 05, 06 एवं 07 जन समस्या निवारण पखवाड़ा (शिविर) आयोजित किया गया। नगर पालिक परिषद सुकमा में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में जिसमे प्रधानमंत्री आवास योजना , पट्टा हेतु आवेदन सहित विभिन्न मांगो से संबंधित आवेदन है, जिनका निराकरण यथाशीघ्र किया जाना है। इस दौरान स्थानीय नागरिक समस्याओं यथा डोर टू डोर करचा कलेक्शन, पेयजल, लाइट, सड़क, नाली, मरम्मत, निमार्ण कार्य, आवास संबंधी आवेदन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, संपत्तिकर, नामांतरण, भवन निर्माण अनुमति, नियमितीकरण, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राजस्व प्रकरण तथा कई विविध छोट-छोटे कार्य होते है, जिनका निराकरण शीघ्र किया जाएगा। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुकमा श्री सूरज कश्यप, सीएमओ श्री एचआर गोंदे, राजस्व निरीक्षक तहसील सुकमा, पटवारी सुकमा, सहित श्री राजू साहू नगर पालिका परिषद अध्यक्ष सहित पार्षद एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

किरंदुल डैम से प्रभावित लोगों को मुआवजा दिलाने दिल्ली तक बस्तर सांसद महेश कश्यप ने उठाई आवाज

जगदलपुर 3 अगस्त। बस्तर लोकसभा से निर्वाचित होने के बाद से ही लगातार सांसद महेश कश्यप बस्तर के मुद्दे को दिल्ली तक पहुँचा रहे है। एक बार फिर सांसद के द्वारा बस्तर संभाग के अंतिम छोर के मामले को दिल्ली तक पहुँचाने का कार्य किया गया है। दिल्ली में केंद्रीय कोल एवम खान मंत्री से बस्तर लोकसभा क्षेत्र से सांसद महेश कश्यप ने मुलाकात किया है। इस दौरान सांसद महेश कश्यप ने विगत दिनों हुए दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल की घटना से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया है। सांसद ने इस ओर ध्यानाकर्षण कराते हुए बताया कि विगत कई दिनों उनके लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल में अतिवृष्टि के चलते किरंदुल में स्थित एनएमडीसी का डैम टूट गया था, जिसके चलते ऊपर से डैम का पानी सहित लोह पत्थर नीचे बसे शहरों की ओर बाढ़ के रूप में फैलता चला गया। कई स्थित घरों को इस दौरान नुकसान पहुँचा है। वही इस बहाव में क्षेत्रवासियों की कई वाहने भी बहती चले गयी ,जिसके कारण कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। निचली क्षेत्रो में जमीनों पर खेती किसानी करके अपने व अपने परिजनों का जीवन यापन करने वाले कई गांवों के लोगो के खेतों में आयरन का पानी जमा होने से उनके खेतो को काफी हानि हुई हैं। इस इलाको के खेतों के ऊपर लोहे की डस्ट काला कीचड़ बनकर जम गई है। गांव के आदिवासी किसान भाईयो को अब तक एनएमडीसी की तरफ से कोई सुविधा नही मिली हैं। उनके खेत हमेशा के लिए बर्बाद हो गये है। सांसद महेश कश्यप ने केंद्रीय मंत्री से मांग की है की जल्द से जल्द इस घटना से प्रभावित लोगों को उनका हक मिले। केंद्रीय मंत्री रेड्डी ने उन्हें पूरा आश्वासन दिया है कि बस्तरवासियो को उनका हक मिलेगा। इस घटना से पीड़ित लोगों को मुआवजा प्रदान किया जाएगा। मोदी सरकार किसानो को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए संकल्पित है। केंद्रीय मंत्री ने सांसद महेश कश्यप को पूरा आश्वासन दिया है कि शीघ्र ही केंद्र सरकार इस ओर हर संभव मदद व सहायता प्रदान करेगी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

दंतेवाड़ा, 3 अगस्त। महिला बाल विकास के द्वारा आज आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय समीक्षा सह कार्यशाला का आयोजन गीदम विकासखंड के जावंगा स्थित ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। इस कार्यशाला में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, ''एक पेड़ मां के नाम'' वृक्षारोपण कार्यक्रम, इस सप्ताह चलने वाले स्तनपान सप्ताह, तथा यूनिवर्सल अंडा वितरण कार्यक्रम पर विशेष फोकस किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक श्री चैतराम आटामी ने अपने संबोधन में कहां की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की जवाबदेही मात्र जैसे बच्चों का देखरेख, शिशुवती माता और गर्भवती माता का अच्छे से देखभाल करना ही नही है। बल्कि छोटे बच्चों में प्रारंभिक शिक्षा एवं संस्कार देना भी है इसके अलावा ग्रामीण महिलाओं को अपने स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक करना भी उनका एक अहम दायित्व है। इस दृष्टि से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एक ऐसा महत्वपूर्ण कर्मचारी है जिसके कंधों पर विराट सामाजिक जिम्मेदारी रहती है। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं स्वास्थ्य एवं सामजिक सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। श्री अटामी ने आगे कहा कि जिले के कलेक्टर के द्वारा भी इस उद्देश्य के तहत लगातार आंगनबाड़ी और पोषण केन्द्रों का लगातार निरीक्षण किया जाता रहा है। इसके साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि आंगनबाड़ी भवनों कें रखरखाव संबंधी समस्याओं पर तत्काल जिला प्रशासन को अवगत करायें। जिले में कुपोषण की स्थिति पर उन्होंने कहा कि कुपोषण को हराने में बच्चों के खानपान पर ध्यान देना तो जरूरी है साथ ही ग्रामीण समुदाय के बीच शुद्ध पेयजल की महत्ता पर अवश्य जागरूक करे क्योंकि दूषित पेयजल भी कुपोषण का एक बहुत बड़ा कारक है। यूनिवर्सल अंडा वितरण कार्यक्रम के विषय में उन्होंने कहा कि बच्चों के पौष्टिक आहार को और भी गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्रतिदिन अंडा वितरण किया जायेगा। पहले कुपोषित बच्चों को ही अंडा दिया जाता है परन्तु अब शासन के निर्देशानुसार शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के गर्भवती शिशुवती माता, 3 वर्ष से 6 वर्ष तक के बच्चों को प्रतिदिन अंडा दिया जाएगा।

एक नजर

जिले में दिव्यांगजनों के प्रमाणीकरण के लिए शिविरों का आयोजन

महासमुंद 3 अगस्त। जिले में दिव्यांगजनों के प्रमाणीकरण के लिए विभिन्न विकासखण्डों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन समाज कल्याण विभाग द्वारा एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज ऑफ लखनऊ, उत्तर प्रदेश को डोर-टू-डोर सर्वेक्षण कार्य हेतु अनुबंधित किया गया था। सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, महासमुन्द जिले में कुल 36560 व्यक्तियों को संभावित दिव्यांग के रूप में चिन्हित किया गया है।इन सभी व्यक्तियों का प्रमाणीकरण जिला मेडिकल बोर्ड, जिला चिकित्सालय महासमुन्द द्वारा किया जाएगा। इसके लिए जनपद पंचायत/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में शिविर का आयोजन निर्धारित तिथियों पर सुबह 10:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक किया जाएगा। महासमुंद विकासखण्ड में सोमवार 12 अगस्त को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र झलप, बागबाहरा विकासखण्ड में गुरुवार, 22 अगस्त को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जुनवानी खुर्द, पिथौरा विकासखण्ड में गुरुवार, 29 अगस्त को उप स्वास्थ्य केंद्र धनोरा, बसना विकासखण्ड में सोमवार 2 सितंबर को उप स्वास्थ्य केंद्र बड़ेसाजापाली एवं सरायपाली विकासखण्ड में सोमवार 09 सितंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरायपाली में शिविर का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में दिव्यांगजनों के प्रमाणीकरण, नवीनीकरण, यूडीआईडी कार्ड निर्माण, एवं कृत्रिम अंग सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ शासन ने तहसीलदारों के राजस्व संबंधी अधिकार में की वृद्धि

रायगढ़, 3 अगस्त। प्रदेशवासियों को राजस्व मामले में राहत पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ शासन ने अहम फैसला लेते हुए अब तहसीलदारों के अधिकार क्षेत्र में वृद्धि की है। छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के मुताबिक छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 (क्र.20 सन 1959)की धारा 24 की उप-धारा (1)द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए राज्य सरकार द्वारा उक्त संहिता की धारा 115 के अधीन तहसीलदारों को जो शक्तियां प्रदत्त की गई हैं उनमें जिनमें भूमि स्वामी/ उसके पिता/ पति के नाम/उपनाम, जाति, पते में लिपिकीय त्रुटि सुधार करना है। इसी तरह कैफियत कॉलम में की गई त्रुटिपूर्ण प्रविष्टि में सुधार करना, त्रुटिवश जोड़े गये खसरों को पृथक करना, भूमि के सिंचित/असिंचित होने संबंधी प्रविष्टि में सुधार करना एवं भूमि के एक फसली/बहु फसली की प्रविष्टि में त्रुटि सुधार करना शामिल है।

ड्रॉप आउट रोकने विद्यार्थियों की उपस्थिति की करें हर माह मॉनिटरिंग:कलेक्टर

रायगढ़, 3 अगस्त। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल की अध्यक्षता में निःशुल्क एवं बाल शिक्षा का अधिकार के क्रियान्वयन एवं प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना की सतत् मॉनिटरिंग के संबंध में जिला स्तरीय समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव भी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री गोयल ने शिक्षा के अधिकार के तहत स्कूल पंजीकरण, छात्र पंजीकरण, नोडल द्वारा छात्र दस्तावेज सत्यापन, आवेदनों की लॉटरी, स्कूल में प्रवेश, छात्र ट्रेकिंग, प्रतिपूर्ति दावा एवं ड्राप आउट छात्र ट्रेकिंग की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षा के अधिकार के तहत पंजीकृत स्कूलों के सीटों के विरूद्ध दो चरण में हुए प्रवेश की समीक्षा करते हुए कहा कि कुल आवेदनों की अपेक्षा रद्द की संख्या अधिक है। उन्होंने कहा कि आवेदन दस्तावेज की कमी के कारण रद्द नहीं होने चाहिए। रद्द हुए आवेदनों का कारण सहित निर्धारित प्रपत्र में उपलब्ध कराए। कलेक्टर श्री गोयल ने बच्चों के ट्रेकिंग समीक्षा के दौरान कहा कि लम्बे समय के बाद ट्रेक करने के पश्चात पता चलता है कि बच्चा स्कूल नहीं आ रहा है। इसके लिए आरटीई के तहत नवप्रवेशित बच्चों के मॉनिटरिंग हेतु सभी नोडल संबंधित स्कूलों से कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चों की मासिक उपस्थिति रिपोर्ट संकलन करें, ताकि ड्रॉप आउट में कमी लाया जा सके।कलेक्टर श्री गोयल ने अशासकीय शालाओं को प्रदान किए जाने वाले शुल्क विवरण की समीक्षा करते हुए गणवेश एवं पाठ्य-पुस्तक शुल्क के संशोधन सुझाव समिति के माध्यम से राज्य शासन को भेजने संबंधी निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने नप्रवेशित बच्चों के परिजनों का श्रमिक पंजीयन करवाने के निर्देश दिए ताकि बच्चों के साथ परिजनों को भी शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके। कलेक्टर श्री गोयल ने प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत विकासखण्डवार शालाओं में संचालित मध्यान्ह भोजन, कार्यरत रसोईया की समीक्षा की। उन्होंने मध्यान्ह भोजन संचालन करने वाले एसएचजी समूह को एनआरएलएम एवं एनयूएलएम युक्त करने तथा सभी रसोईयों के श्रमिक पंजीयन कार्ड बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने शालाओं में स्थित किचन शेड के स्थिति की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मध्यान्ह भोजन के लिए प्राप्त खाद्यान्न वाले स्थानों को साफ-सुथरा रखा जाए। इस दौरान उन्होंने खाद्य पदार्थों की भी समीक्षा करते हुए कहा कि बच्चों के पोषण से संबंधित मध्यान्ह भोजन में गुणवत्ता को लेकर किसी प्रकार की समझौता नहीं की जाएगी।कलेक्टर श्री गोयल ने विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, विकली आयरन फोलिक सप्लीमेंट एवं नेशनल डिवार्मिंग डे की भी जानकारी ली।

मात्र 7 महीने में ही साय सरकार के सुशासन की पोल खुल गई:मंडावी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 3 अगस्त। बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बने हुए लगभग 7 माह हुए है जब भाजपा की सरकार बनी थी तब भाजपा और भाजपा नेताओं ने कहा था कि ये सुशासन की सरकार है, डबल इंजन की सरकार है लेकिन महज़ 7 महीने में ही सुशासन का नारा देने वाली विष्णु देव साय सरकार की पोल खुल गई है आज पूरे प्रदेश में राजनैतिक अराजकता का माहौल है भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा खुलेआम गुंडागर्दी किया जा रहा है भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को भी धमकियां और चुनौतियां दी जा रही है। विधायक विक्रम मंडावी ने बीजापुर की घटनाओं का उल्लेख करते हुए आगे कहा कि हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह ने दिनांक 16/07/2024 को भैरमगढ़ निवासी प्रकाश पाण्डे के साथ जातिगत गाली गलौच देते हुए धक्का मुक्की देते हुए जान से मारने की धमकी और 15 लाख रुपये की मांग की थी। जिसे लेकर प्रकाश पाण्डे ने भैरमगढ़ थाने में दिनांक 17/07/2024 को स्वढ़ककरने के लिए आवेदन पत्र दिया था लेकिन आज तक जातिगत गाली गलौच करते हुए धक्का मुक्की देते, जान से मारने की धमकी देने और 15 लाख रुपये की मांग करने वाले पर कोई भी कार्यवाही नहीं हुई है। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में एक अन्य घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि दिनांक 16/07/2024 को ही हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह ने बीजापुर के ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के छोटे भाई दिनेश चंद्राकर को जातिगत गाली गलौच देते हुए जान से मारने की धमकी दिया और क्रेसर प्लांट में रखे मशीनों को जलाने की धमकी दिया जिसकी भी शिकायत थाना भैरमगढ़ में 24/07/2024 को किया गया था। विधायक विक्रम मंडावी ने आगे कहा कि 16/07/2024 की घटना की शिकायत पर स्वढ़ककर्ही होने से पीड़ितों ने जिले के पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर से मिलकर घटना के संबंध में विस्तार पूर्वक बताकर हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह पर स्वढ़क करने की मांग की गई बावजूद इसके पुलिस अब तक हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह पर कार्यवाही नहीं कर रही है। पुलिस द्वारा हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह पर कार्यवाही नहीं होता देख पीड़ित युवक प्रकाश पाण्डे ने सर्व आदिवासी समाज एवं दिनेश चंद्राकर ने महार समाज को आवेदन देकर न्याय दिलाने की मांग किया उसके बाद पीड़ितों के समर्थन में सर्व आदिवासी समाज के बैनर तले महार समाज एवं सर्व समाज ने जिला मुख्यालय बीजापुर में दिनांक 01/08/2024 को हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह पर स्वढ़कदर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग करते हुए रैली निकाली और बीजापुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा उसके बाद भी शासन प्रशासन के द्वारा समाज के लोगों के मांग पर कोई संतोषजनक जवाब शासन प्रशासन से नहीं मिला। विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आगे कहा कि घटना दिनांक से अब तक 15-16 दिन बीत चुकें है लेकिन अब तक युवक प्रकाश पाण्डे को न्याय नहीं मिला। जिससे हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह का मनोबल लगातार बढ़ रहा है। हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह का यह कोई पहली घटना नहीं है इसके पूर्व भी हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह के खिलाफ 2 दर्जन से अधिक प्रकरण जिले के थानों में दर्ज हो चुकें है। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में कहा कि जिले के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, ठेकेदार एवं जिले के आम नागरिकों को लगातार हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह के द्वारा अपने सुरक्षा कर्मियों की आड़ में डराना, धमकाना, ब्लैकमेलिंग करना, जान से मारने और देख लेने की धमकी देना हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह के लिए आम बात हो गई है हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह के इन कृत्यों से जिले के आम नागरिकों में डर और भय का माहौल बना है। विक्रम मंडावी ने आगे कहा कि इससे यह प्रतीत होता है कि हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह के द्वारा लगातार घटनायें की जा रही है और उसके ऊपर कार्यवाही न होकर हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह के अपराधों को संरक्षण देने का काम भाजपा की विष्णु देव साय की सुशासन का नारा देने वाली भाजपा सरकार कर रही है।

प्रेस वार्ता में विक्रम मंडावी ने कहा कि इस पूरे मामले को लेकर कांग्रेस पार्टी का भाजपा सरकार पर बड़ा आरोप है कि विष्णु देव साय की भाजपा सरकार के द्वारा हिस्ट्रीशीटर, बदमाश और गुंडा भाजपा नेता अजय सिंह को भाजपा सरकार का लोगों को मारने पीटने और वसूली करने का खुले आम संरक्षण प्राप्त है। विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में आगे कहा कि इस पूरे मामले को देखने से यह भी प्रतीत होता है कि जिस निडरता के साथ हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह जिले के लोगों को खुलेआम चुनौती दे रहा है इससे तो यही प्रतीत होता है कि हिस्ट्रीशीटर और भाजपा नेता अजय सिंह एक सरकारी गुंडा है। कांग्रेस पार्टी का यह भी कहना है कि विगत कुछ महीनों से जिले में भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रायोजित घटनायें घट रही है कांग्रेस पार्टी को अंदेशा है कि इससे सामाजिक समरसता बिगड़ सकता है प्रदेश में भाजपा सरकार की नाकामियों का सबसे बड़ा उदाहरण बलौदा बाज़ार की घटना है। प्रेस वार्ता के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर, जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुडियम, जिला पंचायत उपाध्याय कमलेश कारम, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, नगर पालिका अध्यक्ष बेनहूर रावतिया, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम सह्रू, जनपद अध्यक्ष दशरत कुंजाम, जनपद उपाध्यक्ष सोनू पोटाम, नगर कांग्रेस अध्यक्ष संतोष गुप्ता, गिरधारीलाल राठी, जिला महामंत्री जितेंद्र हेमला, जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम खत्री, ईंदरिश खान, प्रवीण उद्दे, राजेश जैन, कविता यादव, लक्ष्मण कुरसम, कामेश मोरला, साहिल टिग्गा, हिमांशु गुप्ता, बलराम कोरसा, अभिषेक सिंह और लक्ष्मण कड़ती सहित अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिजली स्कूल में इको क्लब एवं यूथ क्लब का गठन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

फिंगेश्वर, 3 अगस्त। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिजली में संस्था के प्राचार्य पूरन लाल साहू के दिशा निर्देश एवं इको क्लब प्रभारी नरेन्द्र कुमार वर्मा(व्याख्याता) के मार्गदर्शन में इको क्लब एवं यूथ क्लब का गठन किया गया है जिसके पदाधिकारी निम्न है अध्यक्ष गीता साहू, सदस्य हसीना निषाद, टिकेश्वरी साहू,करण निषाद, तारिणी साहू कीर्ति निषाद, केवल साहू, मुस्कान यादव, अभिषेक मांडले, जितेंद्र कुमार, रितु सेन, जास्मिन साहू, आरती सोनवानी को मनोनीत किए गए हैं. वही यूथ क्लब के पदाधिकारी निम्न है जिसमें प्रधानमंत्री अर्पिता साहू बारहवीं,शिक्षा मंत्री गीता साहू बारहवीं,कृषि एवं उद्योग मंत्री हसीना निषाद, कुसमी निषाद ग्यारहवीं स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मंत्री तारिणी यादव, आरती सोनवानी दसवीं वित्त मंत्री तारिणी साहू बारहवीं खेल मंत्री करण निषाद बारहवीं एवं कानून एवं रक्षामंत्री रितु सेन व केवल साहू को बनाए गए हैं. तत्पश्चात प्राचार्य द्वारा सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए कहा कि आप सभी अपनी दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करते हुए शाला परिसर को स्वच्छ बनाए रखने के साथ साथ शाला में जितने पौधे रोपित किए गए हैं उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण की बात कही. इसी दौरान बरोंडा हायर सेकंडरी स्कूल की प्राचार्य ललिता अग्रवाल ने बिजली स्कूल के शाला परिसर में पौधारोपण करते हुए कहा कि पेड़ पौधे वातावरण को शुद्ध बनाए रखने में सहायक होते हैं. आजकल लगातार वनों के अंधाधुंध कटाई होने के कारण पर्यावरण असंतुलित हो गया है जिसके कारण भीषण गर्मी बढ़ने लगी है.अतः लोगों को पौधारोपण कर उनकी सुरक्षा करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है. इस मौके पर संस्था के प्राचार्य पूरनलाल साहू, व्याख्याता दिनेश कुमार साहू,विजयमणी वर्मा,विनय कुमार साहू,तानसेन साहू,नरेंद्र कुमार वर्मा, रेखा सोनी, गीतांजलि नेताम,संतोषी गिलहरें, नकुल राम साहू, रुद्रप्रताप साहू, दुष्यंत कुमार साहू, तोमन राम साहू, भृत्य आकाश सूर्यवंशी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

अज्ञात मृतक की पहचान के संबंध में जूटमिल थाना में दे सकते हैं सूचना

रायगढ़, 3 अगस्त। पुलिस थाना जूटमिल, रायगढ़ ने एक अज्ञात मृतक की पहचान के संबंध में सूचना जारी किया है। उन्होंने बताया कि मृतक का शव 2 अगस्त 2024 को सुबह 8 बजे रेल्वे ट्रेक के किनारे पड़ा हुआ मिला था। मृतक की उम्र करीब 35-40 वर्ष है और उसके दाहिने हाथ की कलाई पर आशीष लिखा हुआ गोदना है। पुलिस ने मृतक के पहने हुए कपड़ों और घटनास्थल के आसपास की तलाशी ली लेकिन कोई समान या कागजात नहीं मिला जिससे उसकी पहचान की जा सके। मृतक के शव को जिला अस्पताल के मर्चुरी रुम में रखा गया है। पुलिस के अनुसार मृतक की मृत्यु ट्रेन से गिरने के कारण हुई है। मृतक की उचाई करीब 5.3 फीट है। रंग-गोरा, बाल-काला घुंघराए एवं हल्का दाढ़ी मुंछ है। मृतक के पहचान के निशान में दाहिने हाथ की कलाई पर आशीष लिखा हुआ गोदना है। मृतक लाल मेहरुन रंग का हाफ पैंट, स्लेटी रंग का फुल बाह का शर्ट पहना है।

सरस्वती साइकिल योजना से बदली छात्राओं की जिंदगी

रायगढ़, 3 अगस्त। छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साायकल योजना ने कई छात्राओं की जिंदगी में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। इस योजना के तहत शासन द्वारा छात्राओं को मुफ्त साइकिलें वितरित की जा रही हैं ताकि वे स्कूल तक आसानी से पहुंच सकें। इसी कड़ी में आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गेरवानी, विकासखंड रायगढ़ में सरस्वती साायकल योजना के तहत 27 छात्राओं को साइकिल का वितरण किया गया। सरस्वती साायकल योजना का मुख्य उद्देश्य दूर-दराज से आने वाले छात्राओं की सुविधाओं और उनके शिक्षा में निरंतर को बढ़ावा देना है। आज यहां सरस्वती साायकल पाकर छात्राओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद ज्ञापित किए।

सरस्वती साायकल योजना ने न केवल छात्राओं को स्कूल तक पहुंचने में मदद की है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है। अब वे स्कूल जाने के लिए उत्साहित हैं और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए प्रयास कर रही हैं।

इस योजना का लाभ उठाने वाली एक छात्रा ने कहा मुझे स्कूल आने के लिए 2 किलोमीटर पैदल चलकर आना पड़ता था। लेकिन अब मुझे साइकिल मिल गई है, जिससे मैं आसानी से स्कूल जा सकती हूँ और मैं अब स्कूल में नियमित रूप से उपस्थित हो पाऊंगी और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए प्रयास करूंगी। इसी तरह एक अन्य छात्रा ने कहा घर से स्कूल की दूरी अधिक होने के कारण स्कूल में नियमित उपस्थिति नहीं दे पाती थी, जिसकी वजह से कोर्स में भी पीछे रह जाती थी, लेकिन अब साायकल मिलने से स्कूल में नियमित रूप से उपस्थित हो पाऊंगी और माता-पिता भी खुश होंगे कि मैं अब नियमित स्कूल जा रही हूँ। आयोजित साइकिल वितरण कार्यक्रम में सरपंच चमेली सिदार, विजय उनसेना, सियाराम डनसेना, खुशीराम, अजय, सुरेश अग्रवाल, भोजराम भट्ट, प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ गण तथा बड़ी संख्या में पालकगण उपस्थित रहे।

उज्ज्वल बनाने के लिए प्रयास कर रही हैं। इस योजना के तहत शासन ने अब तक लाखों छात्राओं को मुफ्त साइकिलें वितरित की हैं। यह योजना न केवल छात्राओं को शिक्षा के अवसर प्रदान कर रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर भी बना रही है। इस योजना के परिणाम स्वरूप छत्तीसगढ़ में छात्राओं की स्कूल उपस्थिति में वृद्धि हुई है। अब वे स्कूल जाने के लिए उत्साहित हैं और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए प्रयास कर रही हैं।

सरस्वती साायकल योजना के अंतर्गत गेरवानी में अध्यनरत छात्राओं के जीवन में एक नई रोशनी भर दी है, जो उन्हें शिक्षा के मार्ग पर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगी। योजना अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, बीपीएल कार्ड धारी पात्र छात्राओं को साइकिल वितरित किया जाता है। हायर सेकेंडरी स्कूल गेरवानी में आज 27 साइकिलों का वितरण किया गया। साइकिल पाकर छात्राओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। छात्राओं ने कहा अब साइकिल मिलने से स्कूल आने-जाने में अधिक समय और ऊर्जा की बचत होगी, जिससे वह अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

बीती रात से हो रही बारिश से निचली बस्तियों में पानी भरा

भिलाई, 3 अगस्त। भिलाई शुक्रवार रात से अनवरत जारी मूसलाधार बारिश से आज ट्विन सिटी तरबतर हो गई। निचली बस्तियां जलमग्न हो गई हैं। प्रमुख आवाजाही वाली सड़क और अंदरूनी गलियों में पानी भर जाने से नाले का स्वरूप नजर आया।कामकाजी लोगों को लगातार हो रही बारिश के चलते गंतव्य तक पहुंचने में दिक्कत हुई। वहीं शहर के अनेक निचली बस्तियों में बारिश का पानी घरों में घुसने से रोजमर्रा की जरुरतों वाली सामान भीग गए। इस्पात नगरी सहित आसपास के इलाके में कल रात से शुरु हुई बारिश लगभग आज भी जारी रही। बारिश का पानी शहर के कई घरों में घुस गया। निकासी नालियां ऊफान पर आ गई। जिससे सड़कें बरसाती नाले का अहसास कराने लगी। वहीं कामकाजी लोगों को दफ्तर पहुंचने में भी खासी दिक्कत हुई। इससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

निचली बस्तियों के रहवासियों को बारिश के चलते भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई इलाके की सड़क व गलियों में पानी प्रवाहित होकर घरों में घुसने लगी। इससे घर में रखे सामान भीग गए। लोगों को घर से पानी निकालने के लिए मशक्कत करनी पड़ी शुक्रवार की रात 10 बजे के बाद शुरू हुई तेज बारिश आज भी जारी रही। बारिश थमने का आसार नजर नहीं आने पर कामकाज के सिलसिले में बाहर जाने वालों को रेनकोट पहनकर निकलना पड़ा। सड़कें व गलियों में घुटने तक पानी बहने से दुपहिया वाहन चालकों को भारी दिक्कत उठानी पड़ी। भिलाई टाउनशिप में बारिश के पानी की निकासी व्यवस्था काफी हद तक ठीक रहने से यहां के रहवासियों को उतनी अधिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। लेकिन पटरी पार में केम्प, सुपेला, खुर्सीपार जैसे क्षेत्र की कई कालोनियां जलमग्न हो जाने से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। बारिश की रफ्तार काफी तेज होने से भिलाई-3 चरोदा निगम क्षेत्र में लोगों को खासी परेशानी उठानी पड़ी। यहां के कुछ निचली बस्तियों में बारिश का पानी घरों में प्रवेश कर गया। नगर निगम का अमला पूरे संसाधन के साथ बारिश के पानी की व्यवस्थित निकासी में जुटा रहा। फोरलेन सड़क पर भी सुपेला चौक, पावर हाउस चौक और सिरसा चौक के पास पानी जमा हो जाने से वाहन चालकों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। नव विकसित कालोनियों की आधी अधूरी सड़कों में पानी भर जाने से लोगों को आने जाने में परेशानी हुई।

चन्द्रा-मौर्या व प्रियदर्शिनी परिसर अण्डरब्रिज बंद लगातार हो रही बारिश के चलते चन्द्रा-मौर्या और प्रियदर्शिनी परिसर के पास बना रेलवे अण्डरब्रिज पानी से लबालब हो गया। इसके चलते इन दोनों अण्डरब्रिज से पटरी पार आवाजाही पूरी तरह से ठप्प हो गई।

गुंडा तत्वों का संरक्षण देने वाले राजनीतिक दलों के कार्यक्रमों का होगा बहिष्कार: प्रकाश ठाकुर

बीजापुर,3 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सर्व आदिवासी समाज के संभागीय अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर ने कहा कि राजनैतिक संरक्षण प्राप्त आदिवासियों के उत्पीड़न में शामिल गुंडा तत्वों के साथ संबंधित राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं का सर्व आदिवासी समाज बहिष्कार करेगा।गुरुवार को आदिवासी उत्पीड़न के मामले को लेकर सर्व आदिवासी समाज द्वारा बीजापुर में आयोजित आक्रोश रैली में भाग लेने आए समाज के संभागीय अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर ने समाज प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासियों का उत्पीड़न करने वाले असामाजिक तत्वों का राजनैतिक दलों द्वारा संरक्षण करना बंद करना होगा नहीं तो समाज उन्हें सबक सिखाएगी। पांचवी अनुसूची क्षेत्र में जहां एक ओर शासन प्रशासन को आदिवासी समुदाय के साथ संवेदनशीलता के साथ उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सदैव प्रयासरत होना चाहिए वहीं एक पखवाड़ा बीत जाने के बाद भी पीड़ित आदिवासी युवक प्रकाश के द्वारा दिए गए आवेदन पर राजनैतिक संरक्षण प्राप्त हिस्ट्रीशीटर जिस पर 42 से ज्यादा मामले दर्ज है के खिलाफ पुलिस एफआईआर दर्ज करने से कतरा रही है। पुलिस द्वारा किए जा रहे विलंब के चलते पीड़ित आदिवासी युवक प्रकाश काफी डरा हुआ है और भैरमगढ़ छोड़ कर अन्यत्र रह रहा है। जोकि आदिवासी मुख्यमंत्री वाले सुशासन का सूर्योदय के दावे वाले राज्य का दुर्भाग्य है।

आदिवासी नेता प्रकाश ठाकुर ने कहा कि पूरे घटनाक्रम को लेकर आदिवासी समाज में आक्रोश व्याप्त है। भैरमगढ़ निवासी पीड़ित आदिवासी युवक को न्याय दिलाने बस्तर संभाग के सभी जिलों में आगामी 7 अगस्त को मुख्यालय में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी तथा पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज नहीं करने को लेकर न्यायालय की शरण में जाएंगे। इसके साथ ही 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस पर सभी मुख्यालयों विरोध और भैरमगढ़ थाने का घेराव किया जाएगा।इस दौरान बीजापुर जिला अध्यक्ष जग्गूराम तेलामी, बस्तर जिला अध्यक्ष गंगाराम नाग, महिला अध्यक्ष रुकमणी कर्मा,जमुना कोरसा, सीताराम मांझी, सुकूल साय तेलाम, कमलेश पैकरा, अल्का मदनैया, सीएस नेताम, मनोज अवलम सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद थे।

नगर सेना एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दो गर्भवती महिलाओं का कराया सुरक्षित प्रसव

बीजापुर,3 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। विकासखण्ड बीजापुर के आयुष्मान आरोग्य मंदिर गोंगला के आश्रित ग्राम कमकानार में बाढ़ के कारण 2 गर्भवती महिला फंसे होने की सूचना मिलने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.आर. पुजारी के निर्देशानुसार डॉ. विकास गवेल, खण्ड चिकित्सा अधिकारी के मार्गदर्शन में तत्काल एक गर्भवती महिला का प्रसव पीड़ा अधिक होने के कारण कमकानार में सुरक्षित प्रसव कराकर महिला, नवजात शिशु एवं एक अन्य गर्भवती महिला को बाढ़ आपदा राहत दल के सहयोग से सुरक्षित रेड्डी नदी को पार करवाया गया एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गंगालूर में भर्ती कराया गया है। जिसमें श्री देवेंद्र कुमार पटेल आरएमए, श्री दीपक कुमार देवांगन बीपीएम, श्रीमती सरस्वती शोरी बीईटीओ, श्री एम नागेश्वर राव बीडीएम,, श्रीमती अनिता झाड़ी आएचओ, सुश्री वेदवती झाड़ी आरएचओ, श्रीमती सुनिता गायता बीसी, श्रीमती शारदा एमटी, श्री रामेश्वर ओसाका वाहन चालक, श्रीमती सुनीता उइके आबा, श्रीमती अनिता मोड़ियम मितानिन एवं बाढ़ आपदा राहत दल से श्री जिन्यूस तिर्की, श्री कुमार कृष्णाराव, श्री संदीप भगत, श्री छन्नू राम माडवी, श्री लेखराम सोढ़ी, श्री रूपलाल बेलगया, श्री रैनू मज्जी एवं अन्य स्थानीय ग्रामीण सहयोग हेतु उपस्थित थे।

भोपालपटनम सीएचसी में मलेरिया एवं टाइफाइड जांच के लिए पर्याप्त किट उपलब्ध :सीएमएचओ

बीजापुर,3 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीआर पुजारी ने बताया कि जिला बीजापुर अंतर्गत संचालित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भोपालपटनम में वर्तमान में 02 सीबीसी मशीन उपलब्ध है, जिसमें से एक मशीन के द्वारा टाइफाइड एवं मलेरिया जांच किया जा रहा है एवं एक मशीन खराब है जिसे मरम्मत हेतु संबंधित एजेंसी से संपर्क किया गया है। टाइफाइड जांच हेतु किट उपलब्ध है जिससे टाइफाइड जांच कर मरीजों को तत्काल रिपोर्ट प्रदाय किया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भोपालपटनम में स्थापित जनरेटर में तकनीकी खराबी होने के कारण इंजीनियर से सम्पर्क किया गया था, इंजीनियर के द्वारा आज ही सुधार किया जा रहा है।जिला बीजापुर अंतर्गत विकासखण्ड भोपालपटनम में मलेरिया मुक्त बस्तर कार्यक्रम के तहत सभी पोटाकेबिन, आश्रम, छात्रावास शालाओं में अध्ययनरत बच्चों का मलेरिया जांच किया गया है एवं सकारात्मक पाये गये बच्चों को स्वास्थ्य संस्था में भर्ती का पूर्ण उपचार के बाद ही डिस्चार्ज किया जाता है। वर्तमान में मलेरिया से संबंधी प्रकरण पाये जाने पर उनका पूर्ण उपचार किया जाएगा।

बंधक श्रमिक चिन्हांकन सर्वेक्षण के लिए श्रम विभाग ने दिया प्रशिक्षण

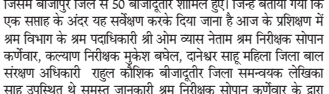

बीजापुर,3 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में बंधक श्रमिकों का चिन्हांकन एवं सर्वेक्षण हेतु कलेक्ट्रेट कार्यालय के इंद्रावती सभा कक्ष में बीजादूती स्वयंसेवकों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। जिसमे बीजापुर जिले से 50 बीजादूती शामिल हुए। जिन्हें बताया गया कि एक सप्ताह के अंदर यह सर्वेक्षण करके दिया जाना है आज के प्रशिक्षण में श्रम विभाग के श्रम पदाधिकारी श्री ओम व्यास नेताम श्रम निरीक्षक सोपान कर्णेवार, कल्याण निरीक्षक मुकेश बघेल, दानेश्वर साहू महिला जिला बाल संरक्षण अधिकारी राहुल कौशिक बीजादूती जिला समन्वयक लेखिका साहू उपस्थित थे समस्त जानकारी श्रम निरीक्षक सोपान कर्णेवार के द्वारा दी गई।

ऑयल पॉम मेगा प्लांटेशन एवं रैली 10 अगस्त को

रायगढ़, 3 अगस्त। सहायक संचालक उद्यान ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 10 अगस्त को ऑयल पॉम मेगा प्लान्टेशन हेतु रैली का आयोजन किया जाएगा। साथ ही विकासखण्ड तैलुंगा के ग्राम-मोहनपुर में कृषक गोलूराम राठिया एवं अन्य 27 कृषकों के यहां 21 हेक्टेयर में ऑयल पॉम पौधा रोपण किया जाएगा।

कार्यशाला में छात्र-छात्राओं का खत्म हुआ अंग्रेजी बोलने का डर

तिल्दा विकासखंड स्तरीय 5 दिवसीय स्पोकन इंग्लिश कार्यशाला का समापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 3 अगस्त। विकासखंड स्तरीय 5 दिवसीय स्पोकन इंग्लिश कार्यशाला के समापन अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी एल के जाहिरे सर एवं विकासखंड श्रोत केंद्र समन्वयक संतोष शर्मा सर द्वारा प्रतिभागियों के रूप में उपस्थित प्राथमिक शाला के शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला गया। समस्त प्रतिभागियों ने स्पोकन इंग्लिश कार्यशाला में बहुत सी कार्यविधियों द्वारा अंग्रेजी बोलने में आ रही कठिनाइयों को दूर करने का महत्वपूर्ण प्रयास किया।

इस कार्यशाला की महत्वपूर्ण बात यह रही की सभी प्रतिभागियों ने यह माना की जिन कार्यविधियों का प्रयोग इस कार्यशाला में किया गया इससे सभी में अंग्रेजी बोलने का डर काफी कम हुआ। इस कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों को विभिन्न कार्यविधियों द्वारा अंग्रेजी बोलने का अभ्यास कराया गया। इन कार्यविधियों का उपयोग सभी प्रतिभागी करें इसका विशेष ध्यान रखा गया। गतिविधियों में अपने पसंदीदा, फोटो, व्यंजन, वाद विवाद, अपनी जीवन की रोचक बातें, नाटक, गायन आदि अंग्रेजी भाषा में सभी प्रतिभागियों को सम्मिलित करते हुए किया गया। इस कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर के रूप में आराधना ठाकुर, विनोद कुमार शुक्ला, अंकिता बाजपेई दीक्षित एवं ढालेश्वर साहू उपस्थित रहे। इस कार्यशाला के माध्यम से बताए गए विभिन्न कार्यविधियों द्वारा शिक्षक अपने अपने स्कूल के विद्यार्थियों में अंग्रेजी बोलने के डर को खत्म करने का प्रयास करेंगे।

समाचार संक्षेप

घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करने वालों पर खाद्य विभाग ने की कार्रवाई, 12 सिलेंडर जब्त

भाटापारा, 3 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर जिले में खाद्य विभाग द्वारा घरेलु गैस सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को प्रभारी जिला खाद्य अधिकारी अमित शुक्ला के नेतृत्व में नगर के विभिन्न होटलों एवं भोजनालयों में दबिश देकर घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करते पाए गए 12 नग घरेलु गैस सिलेंडर विभिन्न प्रतिष्ठानों से जब्त किया गया। खाद्य अधिकारी ने बताया कि भाटापारा बस स्टैंड स्थित दादाभाई बिरयानी सेंटर से 03 नग बिलासपुर बिरयानी बस स्टैंड भाटापारा से 01 नग, शिफा बिरयानी से 01 नग लेटेस्ट बिरयानी सेंटर से 01 नग व्यावसायिक उपयोग करते पाए गए। रमन चमन होटल से 01 नग, हर्षद रेस्टोरेंट से 03 नग, सिंह होटल से 02 नग व्यावसायिक उपयोग करते पाए गए उक्त सभी सिलेंडरों को जप्त कर बजरंग एच पी गैस एजेंसी भाटापारा को सुपुर्द किया गया जिसे द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस(प्रदाय वितरण विनियमन) आदेश 2000 के प्रावधानो के उल्लंघन करने पर उक्त 14 भरे हुए घरेलू गैस (14.2 चद्द) को जप्त कर कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि घरेलु गैस कनेक्शन की व्यवसायिक उपयोग के विरूद्ध कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

पुलिस ने विस्फोटक पदार्थों का किया नष्ट

बलौदाबाजार, 1 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। 31 जुलाई को फायरिंग रेंज हटौद में वर्ष 1996 में थाना सुहेला में दर्ज अपराध में जप्त विस्फोटक पदार्थ का विधिवत नष्टीकरण किया गया। थाना सुहेला में अपराध क्र. 29/1996 धारा 05 विस्फोटक अधिनियम के तहत प्रकरण में 25 किलो विस्फोटक पदार्थ एवं 02 किलो डेटोनेटर जप्त किया गया था, जिसे नष्टीकरण करने हेतु पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार-भाटापारा के निर्देशन में एक टीम का गठन किया गया था। उक्त टीम में शामिल उप पुलिस अधीक्षक राजेश श्रीवास्तव, अमृत कुजुर, निरीक्षक रघुवीर सिंह, लखेश केंवट, बीडीएस टीम रायपुर से उप निरीक्षक वीरेंद्र सिंह परिहार एवं रक्षित केंद्र बलौदाबाजार से सउनि आर्म्स निलेश वानखेड़े की उपस्थिति में फायरिंग रेंज हटौद में उक्त विस्फोटक पदार्थों का आज विधिवत नष्टीकरण किया गया।

एक नजर

भठेली में पौधारोपण 4 को

भखारा, 3 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सतनामी समाज धमतरी के

जिलाध्यक्ष कपिल देशलहरे के नेतृत्व में कल भठेली स्थित सतनाम भवन प्रांगण में वृक्षारोपण का कार्यक्रम रखा गया है। देशलहरे ने बताया कि हरेली पर्व के अवसर पर 4 अगस्त को सतनाम भवन परिसर भठेली में लगभग सौ पेड़ रोपे जाएंगे।उन्होंने बताया कि उस जगह पर राजा गुरु बालकदास, ममतामयी मिनीमाता की प्रतिमा स्थापित है उस जगह पर चारों ओर वृक्षारोपण कर सौंदर्यीकरण करेंगे।इस कार्यक्रम में जिला एवं ब्लॉक के समस्त पदाधिकारी सम्मलित होंगे। उक्त जानकारी सतनामी समाज जिला मीडिया प्रमुख राजेश रात्रे ने दी है।

डायरिया प्रभावित गाँवों में सघन सर्वे और रोकथाम के उपाय जारी

भखारा, 3 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर जिले में ऐसे गांव जहाँ डायरिया प्रकरण मिले है उन गावों में सघन सर्वे ज़ारी है। सर्वे में मितानिन, स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर भ्रमण कर रहे हैं। इसमें परिवार के एक -एक सदस्य की इस बाबत जानकारी नोट की जा रही है। बचाव की जानकारी के साथ-साथ आवश्यक होने पर जरूरी दवाइयां, ओआरएस, जिंक टेबलेट, क्लोरीन गोली घर पर ही सर्वे के दौरान दी जा रही है। ऐसे केस जिसमें उपचार कैम्प में संभव नहीं है उन्हें इलाज हेतु सी एच सी अथवा जिला अस्पताल भेजा गया है। आईडीएसपी के नोडल अधिकारी डॉ अभिजीत बैनर्जी के अनुसार जिन गाँवों में सर्वे चल रहा है वहां मिले केस हैं जिसमें विकासखण्ड पलारी में ग्राम सिसदेवरी 26, बलौदा में डमरू 10 भाटापारा में कुकदा 12, सिमगा में रानीजरौद 6 तथा पुलिपेटा 5.पाए गए सभी प्रकरण में कुछ मरीज पूरी तरह ठीक हो गए हैं जबकि कुछ का उपचार ज़ारी है। उक्त गाँवों में अभी सर्वे ज़ारी है तथा स्थिति नियंत्रण में है.

विधायक ने छुरा में लगाई जनचौपाल, मांगों व समस्याओं के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

आपका विधायक आपके द्वार पहुँचेगा किसी को भटकना नहीं पड़ेगा : साहू

विधायक ने प्रत्येक माह निर्धारित तिथि में छुरा पहुँचकर जनचौपाल लगाने का दिया आश्वासन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 3 अगस्त। राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को तहसील मुख्यालय छुरा में जनचौपाल लगाकर आमजनों की समस्याओं को सुना तथा उनकी मांगो व सुझावों से अवगत हुए। उन्होंने क्षेत्र के उपस्थित जनमानस को आश्वस्त किया कि आपका विधायक आपके द्वार पहुँचकर आपकी समस्याओं का निदान करने में अग्रिम पंक्ति में खड़ा मिलेगा।आपने नेता नहीं बल्कि अपने बेटा को चुना है और आपका यह बेटा आपके द्वारा दिए गए उत्तरदायित्वों को पूरा करने कृत संकल्पित होकर कार्य करेगा।

उन्होंने आगे कहा कि अब प्रत्येक माह एक निर्धारित तिथि को छुरा तहसील मुख्यालय में उपस्थित रहकर आप सबकी समस्याओं को सुनूंगा।अब विधायक को ढूंढने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, विधायक अब आपके द्वार में पहुँचकर आपकी दिक्क़तों को सुनेंगे। विधायक रोहित साहू ने स्थानीय विश्राम गृह में जनचौपाल कार्यक्रम के बाद ब्लॉक स्तर के सभी विभागीय अधिकारियों की बैठक ली तथा बैठक में सभी अधिकारियों से जनहित के कार्यों की विभागवार समीक्षा किया।

साथ ही जनमानस से जुड़े विभिन्न समस्याओं के त्वरित निदान हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए।इस दौरान अलग-अलग गाँवों से पहुँचे लोगों ने विभिन्न मांगों को विधायक के समक्ष रखा, विधायक रोहित साहू ने सभी लोगों की व्यक्तिगत व सामुदायिक समस्याओं को गंभीरता से सुनकर मौके पर ही कई सौगात दी जिसमें ग्राम बोड़राबांधा में सीसी रोड, अन्य गाँवों में टीना शेड, स्कुलो में आहाता निर्माण, मुक्तिधाम आदि की भी स्वीकृति मौके पर ही की।इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार सुशासन के लिए संकल्पित सरकार है, योजनाओं का संपूर्ण लाभ आम जनता को मिलनी चाहिए यह सभी अधिकारीगण सुनिश्चित कर लें। प्रदेश में अब जनता के लिए 24 घंटे समर्पित रहने वाली सरकार है। स्वहित को छोड़कर जनहित पर ध्यान केंद्रित करें।और सभी प्रगतिरत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें।

विधायक को अपने निकट पाकर लोगों में खासा उत्साह भी देखा गया और स्वसपूर्त होकर सहज तरीके से अपनी बातों को विधायक के समक्ष रख रहे थे।भाजपा मंडल अध्यक्ष छुरा पीलूराम यादव ने कहा कि विधायक की पहल स्वागत योग्य है, उनके द्वारा प्रत्येक माह निर्धारित तिथि में छुरा पहुँचकर जनचौपाल लगाने का आश्वासन दिया है, इससे निश्चित तौर पर आमजनों की समस्याओं का निदान होगा।

पहली बार देखने को मिल रहा कि विधायक हमारे निकट पहुँच कर सबकी समस्याओं को सुन रहे हैं।इस दौरान प्रमुख रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश साहू, जिला पंचायत सदस्य चंद्रशेखर साहू, केशरी ध्रुव, जनपद अध्यक्ष तोकेश्वरी मांझी, मंडल अध्यक्ष पीलूराम यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष खोमन चंद्राकर, उपाध्यक्ष रिंकू सचदेव, पूर्व मंडल अध्यक्ष लेखराज ध्रुवा महामंत्री रामलाल कुलदीप, शिवकुमार जायसवाल, तुलाराम साहू, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री इमरान मेमन, थानसिंग निषाद, नरोत्तम साहू, इमरान अली, मानसिंह निषाद, धनेश साहू, समारू साहू, देवसिर सिन्हा, संतोषी साहू, रजनी लहरें, मीना चन्द्राकर, भगवती दीवान, दुलम सुजल कोठारी सहित अधिकारी कर्मचारी व नागरिकगण उपस्थित रहे।

हत्या कर फरार पांच आरोपी गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल, 3 अगस्त। जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा में लंबित अपराधों को चिन्हांकित कर प्रकरण के फरार अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु गौरव राय (भा.पु.से.), पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा के दिशा निर्देश, स्मृतिक राजनाला अतिरिक्तपुलिस अधीक्षक द्धक्क्र (नक्सल ऑप्स दंतेवाड़ा), आर. के बर्मन, अति. पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा के मार्गदर्शन एवं कपिल चन्द्रा, पुलिस अनु अधिकारी के पर्यवेक्षण में निरीक्षक प्रहलाद कुमार साहू, थाना किरन्दुल द्वारा अपने टीम के साथ मिलकर थाना किरन्दुल के अपराध क्रमांक 99/023 28 सितम्बर 2024 की रात्रि में लच्छू बारसे पिता स्व. माड़का बारसे, उम्र-53 वर्ष, साकिन-कलेपाल स्कूलपारा का किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा धारदार हथियार से गले के दाहिने भाग में प्राणघातक चोट पहुंचाकर हत्या करने की घटना में शामिल अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा था उसी दौरान 2 अगस्त को मुखबीर से सूचना पर ग्राम बड़े बेड़मा कुंजामपारा निवासी दबिश देकर - भीमा कुंजाम पिता स्व. पोदिया कुंजाम, (33), प्रकाश कुंजाम पिता स्व. हिंडिया कुंजाम, उम्र (27) नरेन्द्र कुंजाम पिता कोसा कुंजाम, (29) देवी सिंह कुंजाम पिता स्व. बीणाराम कुंजाम, (19) सोना कुंजाम पिता सिनोज कुंजाम (20), को हिरासत में लेकर थाना लाकर पूछताछ करने पर 27 सितम्बर 2023 को लच्छू बारसे की योजना बनाकर हत्या करना स्वीकर किये तथा भीमा कुंजाम द्वारा करीबन डेढ़) पूर्व अपनी पत्नी के साथ लड़ाई झगड़ा होने से ग्राम बेड़मा में बैठक हुआ था। जिसमें कलेपाल निवासी मृतक लच्छू बारसे द्वारा भीमा कुंजाम को मारपीट करना तथा कहीं भी मिलने से बार-बार धमकी देना व बेइज्जत करने से परेशान होकर अपने साथियों - प्रकाश कुंजाम, नरेन्द्र कुंजाम, देवी सिंह कुंजाम, सोना कुजाम, के साथ योजना बनाकर 27 सितम्बर 2023 को अपने चारों साथी के साथ शाम करीबन 7 बजे बेड़मा से निकलकर पेंटा पहुंचकर शराब पीये फिर रात करीबन 11.00 बजे कलेपाल मेन रोड टिकनपाल चौक के पास आकर रुके थे और वहीं से प्रकाश और नरेन्द्र, लच्छू बारसे के घर जाकर उसे बुलाकर लाये उसके बाद भीमा कुंजाम मौका देखकर अपने हाथ में रखा डंडा से लच्छू बारसे के गर्दन में जोरदार वार किया जिससे लच्छू बारसे वहीं गिरकर तड़पने लगा इसी बीच प्रकाश ने अपने बैग में रखे धारदार लोहे के बंडा को निकालकर उसके गर्दन में जोरदार वार किया। जिससे लच्छू बारसे का गर्दन कटकर खून निकलने लगा जिसे हिला डुला कर देखे तो उसकी मृत्यु हो गई थी। प्रकाश पास के खेत के पानी में बंडा को धोकर अपने पास रखा उसके बाद भीमा कुंजाम, प्रकाश और नरेन्द्र कुंजाम एक मोटर सायकल में तथा सोना कुंजाम और देवी कुंजाम अलग मोटर सायकल से बड़े बेड़मा वापस घर आ आये। प्रकरण में 5 आरोपियों द्वारा योजना बनाकर लच्छू बारसे की हत्या करना स्वीकार करने से प्रकरण में धारा 34 भादवि जोड़ी जाकर उपरोक्त पांचों आरोपियों को 2 अगस्त को गिरफ्तार किया गया है। जिसे न्यायालय के समक्ष न्यायिक रिमाण्ड पर पेश की जाती है। आरोपियों को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद साहू के साथ सउनि के. सीमाचलम, प्र.आर. नरेश मंडल, आरक्षक सोना ताती, बिसेलाल ठाकुर का विशेष योगदान रहा।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN – U40108CT2003SGC015820
O/o Executive Engineer, S/S Dn. Raigarh Address :- New CSEB Colony, Kotra Road, Raigarh, 496001
Website -www.cspc.co.in] E-mail-eess.raigarh@cspc.co.in

No./EE/SS/RGH/TENDER/ 513 RAIGARH, Dt. 30.07.2024

//निविदा आमंत्रण सूचना//

*** पिकअप (2.0 टन क्षमता) श्रेणी वाहन के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध हेतु ***

कार्यालय– कार्यपालन अभियंता उपकेन्द्र संभाग छ.ग.स्टे.पा.ट्रांस कं. लि. रायगढ़ के अधीन सहायक अभियंता 132 के.व्ही. उपकेन्द्र पत्थलगांव के लिए वाहन चालक सहित 01 नग पिकअप श्रेणी वाहन अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध (दो वर्ष) हेतु, पंजीकृत/उपयुक्त ठेकेदारों से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

S. No	Particulars	Qty.	Earnest Money
01	hiring 01 No. Pickup (2.0 ton) category vehicle with 01 no driver on hire contract basis for a period of 02 years for AE 132 KV S/S Pathalgaon under EE S/S Dn CSPTCL Raigarh	01 No	17500/- (Refundable)
02	Last date and Time for Sale of Tender form	Date: 20.08.2024	Time: 17:30 hrs.
03	Last date and Time for Submission of Tender form	Date: 21.08.2024	Time: 15:00 hrs.
04	Date and Time for Opening of Tender form	Date: 21.08.2024	Time: 15:30 hrs.

उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्तें, नियम एवं निविदा से संबंधित अन्य जानकारी कार्यालयीन सूचना पटल एवं विभागीय वेबसाइट http:cspc.co.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सही/-
(एम के. पटेल)
कार्यपालन अभियंता, उपकेन्द्र संभाग
छ.ग.स्टे.पा. ट्रांस.कं.लि., रायगढ़

Samvad-41029/2

कार्यालय सेनानी, सातवीं वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई (छ.ग.)

क्रमांकः- 7वीं बटा./छसबल/भि./I/1054-B/2024 दिनांक-01/08/2024

निविदा विज्ञप्ति

सातवीं वाहिनी छसबल, भिलाई के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पदस्थ कंपनियों के कर्मचारियों हेतु ए.के. 47 रायफल मैगजीन पोंच क्रय बाबत् मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। प्रत्येक निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/- (सात सौ पचास) तथा निविदा के अनुसार सातवीं वाहिनी, छसबल, भिलाई के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पदस्थ कंपनियों के कर्मचारियों हेतु ए. के. 47 रायफल मैगजीन पोंच क्रय हेतु सीलबंद लिफाफे के उपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम/पता सहित कार्यालय में उचित माध्यम से जमा करें।

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित राशि	धरोहर राशि
1	सातवीं वाहिनी छसबल भिलाई के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पदस्थ कंपनियों के कर्मचारियों हेतु ए. के.47 रायफल मैगजीन पोंच क्रय	7.35.000/-	22050/-

निविदा प्रपत्र, अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र (आयकर प्रमाण पत्र सहित) के साथ रूपये 750/- कोषालय में लेखा शीर्ष 0055 पुलिस मिसलिनियस रिसिप्ट, 800 के अन्तर्गत सेनानी, सातवीं वाहिनी, छसबल, भिलाई, जिला दुर्ग छ.ग. के नाम से जमा कर चालान की मूल प्रति सेनानी, सातवी वाहिनी, छसबल, भिलाई, जिला-दुर्ग छ.ग. को प्रस्तुत कर कार्यालयीन दिवस में निविदा फार्म प्राप्त किये जा सकते हैं।

निविदा की समय सारणी

1	निविदा फार्म जमा करने का पता	कार्यालय सेनानी सातवी वाहिनी छसबल भिलाई (छ.ग.)
2	निविदा फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 08.08.2024 को 17.00 बजे तक
3	निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 24.08.2024 को समय 15.00 बजे तक
4	टेक्निकल विड जमा किये जाने का स्थान, समय एवं तिथि	कार्यालय सेनानी सातवीं वाहिनी छसबल, भिलाई, (छ.ग.) दिनांक 24.08.2024 को समय 15.00 बजे तक
5	फायनेंसियल बिड खोले जाने का स्थान, समय एवं तिथि	पृथक से सूचित किया जावेगा
6	बिड की वैद्यता	31.03.2025 तक

नोट :- 01- किन्हीं कारणों से यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित किया जाता है, तो दूसरे कार्यालयीन दिवस पर निविदा खोली जावेगी।
02- डाक द्वारा भेजा गया निविदा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

जी-242501569/4

सेनानी
सातवीं वाहिनी, छसबल, भिलाई

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबंद्ध कोमलदेव चिकित्सालय कांकेर (छ.ग.)
ई-मेलः- msgmckanker 2022@gmail.com

क्रमांक/चिकि./डाईट/2024/ 2933 कांकेर दिनांक 31/7/24

//निविदा सूचना//

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबंद्ध कोमलदेव चिकित्सालय कांकेर (छत्तीसगढ़) की ओर से चिकित्सालय में भर्ती अंतः मरीजों व जे.एस.एस.के. के अंतर्गत प्रसूताओं को भोजन प्रदाय करने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय में आवेदन के साथ वैध जी.एस.टी. प्रमाण पत्र तथा निविदा शुल्क **रूपये 2000.00 (दो हजार रू. मात्र)** अधोहस्ताक्षरकर्ता के नाम **डी.डी./बैंकर्स चेक** के रूप में मूलतः प्रस्तुत कर अंतिम तिथि को समय पूर्वान्ह 03:00 बजे के पूर्व कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किये जा सकते हैं।

निविदा प्रपत्र की विक्रय तिथि : दिनांक 5/8/24 से 4/9/24 तक
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि : दिनांक 04/09/2024 समय अपरान्ह 03:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि स्थान : दिनांक 04/09/2024 समय अपरान्ह 04:00 बजे
स्थान : शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबंद्ध कोमलदेव चिकित्सालय कांकेर (छ.ग.)

जी-242501580/4

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबंद्ध
कोमलदेव चिकित्सालय कांकेर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत देवकर, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

क्र./381/न.पं./लो.नि.वि./नि.आ.सू./2024-25 देवकर दिनांक 01/08/2024

//मैन्युअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना//

एतद् द्वारा नगर पंचायत देवकर क्षेत्रांतर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (पी.डब्ल्यू.डी. एस.ओ.आर. भवन/सड़क 01/01/2015) में प्रभावशील दर पर एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों से निर्माण कार्य हेतु फार्म 'ए' में 03 लिफाफा पद्धति में पंजीकृत/स्पीड पोस्ट के माध्यम से सील बंद मैन्युअल निविदा दर आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 12.08.2024 दोपहर 3.00 बजे तक
2. पात्र आवेदनकर्ता हेतु निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 16.08.2024 दोपहर 3.00 बजे तक
3. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 22.08.2024 दोपहर 3.00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि - 22.08.2024 शाम 04.00 बजे।

-::प्रथम निविदा::-

क्र.	कार्य का विवरण	लागत राशि (रूपये लाख में)	अमानत राशि FDR में	निविदा प्रपत्र शुल्क	समयावधि
01	वार्ड क्र. 02 में सार्वजनिक शौचालय से बनिया के खेत तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	4.66	5000/-	750/-	02 माह
02	वार्ड क्रं. 07 अम्बेडकर भवन से साजा मेन रोड तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	5.82	5000/-	750/-	02 माह
03	वार्ड क्र. 03 परपोड़ी चौक से पौनी पसारी बाजार तक और उस पार भी सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	17.46	13500/-	750/-	05 माह
04	वार्ड क्र. 02 में घुघवाडीह तालाब से रियासत के घर तक नाली निर्माण कार्य।	3.36	4000/-	750/-	02 माह

-:: द्वितीय निविदा::-

क्र.	कार्य का विवरण	लागत राशि (रूपये लाख में)	अमानत राशि FDR में	निविदा प्रपत्र शुल्क	समयावधि
01	वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु जोनल कार्य न्यूनतम लागत 1.00 लाख तक सी.सी. रोड, नाली एवं अन्य निर्माण कार्य। प्रचलित एस.ओ.आर. दर 01.01.2015	19.00	15000/-	750/-	31 मार्च 2025 तक
02	वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु मरम्मत कार्य न्यूनतम लागत 0.75 लाख तक सी.सी. रोड, नाली एवं अन्य मरम्मत कार्य। प्रचलित एस.ओ.आर. दर 01.01.2015	19.00	15000/-	750/-	31 मार्च 2025 तक
03	ठेका पद्धति के माध्यम से श्रमिक प्रदाय (कलेक्टर दर)	19.00	15000/-	750/-	31 मार्च 2025 तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत देवकर
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

एक नजर

विजय अध्यक्ष, प्रवीण सचिव

रायपुर 3 अगस्त। एसबीआई कर्मचारी सहकारी साख समिति मर्यादित भोपाल वृत्त के पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। विजय बघी अध्यक्ष व प्रवीण मेघानी सचिव मनोनीत किए गए हैं। पंकज ठाकुर व कमल जोशी उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। इनका कार्य क्षेत्र म.प्र. व छ.ग. होगा। समिति में नौ हजार सदस्य हैं।

रेलमंत्री का संसद भवन में ताली बजवाना शर्मनाक

रायपुर 3 अगस्त। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव, लोकसभा प्रत्याशी व पूर्व विधायक विकास उपाध्याय कहा कि संसद भवन में रेलमंत्री द्वारा ताली बजवाना रेल दुर्घटना में निधन हुए लोगों का एवं उनके परिवार का अपमान करना है, मुझे तो लगता है कि रेलमंत्री सहित भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक संसद सदस्यों का जिन्होंने संसद भवन में ताली बजाया उनकी आँखों का पानी सुख गया लगता है। विकास उपाध्याय ने कहा कि सरकारी आँकड़ों के अनुसार पिछले 10 साल में 1117 रेल दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें जान-माल का नुकसान हुआ है। मतलब हर महीने 11 हादसे। कौन जवाबदेह है? पहले रेल हादसे की नैतिक जिम्मेदारी ली जाती थी, लेकिन रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को रील बनाने से फुर्सत नहीं है और सवाल का जवाब देने की बजाय उल्टा चोर कोतवाल को डांटे कहावत को दर्शा रहे हैं। रेलमंत्री जी द्वारा रेल हादसों को छोटी घटना कहा जाता है। विकास उपाध्याय ने कहा कि इतनी घटनाएँ होने के बाद भी रेलमंत्री द्वारा संसद भवन में ताली बजवाना बेहद शर्मनाक है। नैतिकता के आधार पर मंत्री जी को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए।

याद किए गए मोहम्मद रफी

रायपुर 3 अगस्त। राजबंधा मैदान स्थित मायाराम सुरजन हॉल में रफी स्पेशल प्रोग्राम में यश आर के म्यूजिकल ग्रुप द्वारा रफी साहब को ट्रिब्यूट उनके गाये गीतों के माध्यम से दिया गया। मुख्य अतिथि गौरी गुप्ता (स्व प्रीतम उस्ताद की बहन) थी। प्रोग्राम की शुरुआत ग्रुप के डायरेक्टर राहुल परमार द्वारा हम तो चले परदेस जैसे सुपरहिट गीत से हुआ, उसके बाद मंच संचालन को अपने क्रमवार से बढ़ाते हुये और बखूबी निखारने में माहिर शहर के मान. एल. एन. लाहोटी जी से सिलसिला बनाये रखें और एक एक करले सभी कलाकारों को मंच देते गाये जिसमें, पर्दा है पर्दा, ये पर्दा हटा दो, चल चल मेरे भाई, पत्थर के सनम, मेरी जान बल्ले, ओ हसीना जुल्फों जैसे गीतों का दौर अनिल यादव, संजय शर्मा, बसंत दीप, विजय निहाल, माही-सैंडी,राजा तिवारी, दिवंकल परमार, एवं कृष्णमाला रहें. प्रोग्राम में वाह वाही बेबी यशिका (6वर्ष) ने लूटी जब मुझे माफ करना ? साई राम गाया, ये ग्रुप के संचालक व संरक्षण कृष्णमाला राहुल परमार की बेटी है!

भारती रोमनाथ बनी हरियाली क्वीन

रायपुर 3 अगस्त। रायपुर बेटी बचाओ मंच ने महादेव घाट स्थित बड़े हनुमान गार्डन में उत्साह के साथ हरियाली उत्सव मनाया। मुख्य अतिथि मंच के प्रदेश अध्यक्ष ललित मिश्रा थे । ग्रीन थीम के अनुसार सभी महिला पदाधिकारी हरे रंग की साड़ी के साथ हरे रंग की चूड़ी, बिंदी सहित सोलह श्रृंगार के साथ पहुंची थी। आयोजन का आनंद लेने महिलाएं सावन के गीत गाते हुए थिरकने लगी। उक्त अवसर पर हरियाली क्वीन और विविध खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सर्वाधिक अंक प्राप्त कर सरस्वती साहू सावन क्वीन विजेता तथा सरला इंगले उपविजेता बने। हरित श्रृंगार विजेता भारती रोमनाथ शर्मा तथा उपविजेता वीणा तिवारी घोषित हुए। शारदा मिश्रा तथा सरिता शर्मा को श्रेष्ठ कार्यकर्ता अवार्ड से नवाजा गया। श्रेष्ठ श्रृंगार के लिए सुधा शर्मा , प्रमिला कोपुलवार तथा गेम्स में विजेता शिखा शर्मा, इमला ठाकरे, गीता विश्वकर्मा , अंताक्षरी में रत्ना शर्मा, अंजनी शर्मा व रश्मि शर्मा विजयी रहे । अंत में मंच के प्रदेश अध्यक्ष ललित मिश्रा तथा महादेव घाट परिक्षेत्र अध्यक्ष रत्ना शर्मा ने प्रतियोगियों को पुरस्कार वितरण किया।

रविवि परिसर में पौधारोपण

रायपुर 3 अगस्त। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के द्वारा पं. रविशंकर शुक्ल के 147 वी जयंती के अवसर पर भारत सरकार के महत्वकांक्षी योजना एक पेड़ मां के नाम को साकार करते हुए वृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम रविशंकर शुक्ल जयंती के अवसर पर रखा गया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. शैलेंद्र पटेल, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ कमलेश शुक्ला सहित विभिन्न स्वयंसेवक अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

लगातार बारिश से राजधानी के कई हिस्से जलमग्न

रायपुर 3 अगस्त। प्रदेश की राजधानी में लगातार हो रही अच्छी बारिश के चलते कई इलाके जल मग्न हो गए हैं. रायपुर के कई इलाकों में पानी भर गया है. जलभराव के चलते स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. रायपुर के गुढ़ियारी में रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे दो फीट से ऊपर पानी भर गया है. जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है. वहीं प्रोफेसर कॉलोनी सहित शहर के कई इलाकों में जलभराव की समस्या देखने को मिल रही है. बरसात के कारण नालियों का पानी सड़कों पर आ गया है. स्थानीय लोग गंदे पानी से भरे सड़क से होकर गुजरने के लिए मजबूर हो गए है. मौसम विभाग ने शनिवार को भी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में अच्छी बारिश की संभावना जताई है. ऐसे में इन इलाकों में जलभराव की स्थिती बने रहने से लोगों की समस्याएं भी बढ़ सकती है. गंदे पानी के बीच से होकर गुजरने से लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर, 3 अगस्त। मौदहापारा पुलिस ने शहीद स्मारक पार्किंग के पास गांजा बेचते एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 5 किलो 348 ग्राम गांजा जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार मौदहापारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शहीद स्मारक पार्किंग के पास आरोपी अंकुर अग्रवाल 37 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 5 किलो 348 ग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त गांजा की कीमत करीब 40 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

सुंदरानी व्यापारी वर्ग का अहित कर रहे

रायपुर 3 अगस्त। विक्रम सिंहदेव ने कहा कि नया संविधान 23 जुलाई 2024 तक चैंबर के सदस्य बने व्यापारियों को चुनाव में मतदान करने का अधिकार देता है। कार्यकारिणी की मीटिंग पश्चात परिपाटी है 1 माह के भीतर चुनाव अधिकारी को मतदाता सूची देने की व्यवस्था है, यह कार्य क्रियाशील था जिसे आपत्ति लगाकर दिशाहीन किया गया परिणाम स्वरूप अस्पष्टता की स्थिति में चुनाव अधिकारियों को चुनाव स्थगित करना पड़ा।

सिंहदेव ने विस्तृत से जानकारी देते हुए कहा की जब रजिस्ट्रार एवं फर्म्स कार्यालय में नए संविधान को जमा किया गया तब श्रीचंद गुट की ओर से लगी आपत्ति पर रजिस्ट्रार कार्यालय ने लेटर जारी किया एवं हमारे संतोषपूर्ण जवाब देने के पश्चात रजिस्ट्रार ने स्वीकृति दी तथा नया संविधान लागू हुआ। परंतु इसके बाद भी अब श्रीचंद के गुट ने पुनः आपत्ति लगाकर चुनाव प्रक्रिया पर वर्तमान स्तिथि उत्पन्न की , चूंकि उन्हे भी पता है की मैदान ए जंग में उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा। श्रीचंद के गुट द्वारा की गई इस करतूत से यह साफ है की व्यापारी एकता पैनल के सभी पदाधिकारी यह जानते है की अध्यक्ष पारवानी द्वारा पिछले 3 वर्षों में व्यापारी एवम व्यापार हित में अनेकों अनेक कार्य किए गए जिसके चलते राजधानी ही नही अपितु पूरे छत्तीसगढ़ में पारवानी को व्यापारी वर्ग का भारी समर्थन प्राप्त है। कुछ लोगों द्वारा रजिस्ट्रार फर्म एंड सोसाइटी में जो आपत्ति लगाई गई है पूरी तरह निराधार है, आगामी चेंबर चुनाव को लेकर उनकी नियत साफ झलक रही है कि वे मैदान में खुलकर अमर पारवानी एवं उनकी टीम का सामना नहीं कर सकते, वे संविधान संशोधन का बहना बनाकर अनगर्ल बाते कर रहे हैं। जबकि वे जानते हैं कि चेंबर के संविधान संशोधन की प्रक्रिया विधिवत और पूरी पारदर्शिता से हुआ है।

पूरे प्रदेश में उर्वरक संकट: दीपक बैज

रायपुर 3 अगस्त। राज्य में मानसून की भारी बारिश के बाद पूरे प्रदेश में रोपा, बियासी का काम जोरो पर है, लेकिन सरकार की लापरवाही के कारण किसान उर्वरकों के लिये परेशान हो रहे है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा का डी.एन.ए किसान विरोधी है। वह जब-जब सरकार में रहती है किसान को परेशान करने की नीयत से फैसले लेती है। भारतीय जनता पार्टी सरकार की अकर्मण्यता और संवेदनहीनता के चलते छत्तीसगढ़ के किसान खाद और बीच के लिए भटक रहे हैं। खरीफ सीजन 2024-25 के लिए जो खाद और बीज डबल लॉक के गोदामों में रखे गए हैं, वहां से सिंगल लॉक की सोसाइटियों तक पहुंचाने के लिए परिवहन की व्यवस्था नहीं है। छत्तीसगढ़ के लगभग 80 प्रतिशत सोसाइटीयों में खाद और बीज के पर्याप्त स्टॉक नहीं है। अनेकों स्थानों पर पूर्व के परिवहन ठेकेदारों से किए गए निविदा को खत्म कर दिया गया है, लेकिन भारी भरकम कमिशन मांगे जाने के चलते नए परिवहनकर्ता रूचि नहीं दिखा रहे हैं, जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार का पूरा फोकस केवल भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी में है, किसानों की समस्याओं से भाजपा नेताओं का कोई सरोकार नहीं है। पहले मोदी सरकार ने खाद सब्सिडी में भारी भरकम कटौती की, फिर भूमि सुधार के कार्यक्रम से छत्तीसगढ़ को उपेक्षित रखा, अब छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार आने के बाद खाद और बीज के लिए किसानों को तरसाया जा रहा है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार के समय जैविक खेती के लिए रियायती दरों पर वर्मी कंपोस्ट और सुपर कंपोस्ट की जो व्यवस्था थी उसको भी साय सरकार ने षडयंत्र पूर्वक बाधित करने का काम किया है। असलियत यही है कि भारतीय जनता पार्टी के नेता नहीं चाहते कि छत्तीसगढ़ के किसान भरपूर पैदावार ले सकें।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की सरकार आने के बाद से छत्तीसगढ़ में निजी और सरकारी खाद, बीज और कीटनाशक के गोदामों में स्टॉक का भौतिक सत्यापन और जांच बंद है। छत्तीसगढ़ में विगत 6 महीनों से खाद, बीज के सैंपल जांच के प्रयोगशाला अधोषित तौर पर बंद कर दिए गए हैं। भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के लिए कोचिंग, बिचौलियों, मिलावटखोर और जमाखोरों को भाजपा नेताओं का संरक्षण प्राप्त है। खाद, बीज और कीटनाशकों के गुणवत्ता में कमी न केवल अपराध है, बल्कि महापाप है। अन्नदाता किसान भरपूर पैदावार लेने के लिए जी तोड़ मेहनत करता है, यदि बीज ही अमानक निकल जाए, एक्सपायरी नैनो यूरिया किसानों को बेचा जाए तो पैदावार में होने वाले नुकसान के लिए कौन जिम्मेदार है? भारतीय जनता पार्टी की साय सरकार तत्काल अमानक बीज और नकली खाद से किसानों को हुए नुकसानी का मूल्यांकन करा करके किसानों को हुई क्षति का उचित मुआवजा दे।

किसान अब 16 तक करा सकेंगे फसल बीमा

रायपुर, 3 अगस्त। छत्तीसगढ़ के ऋणी और अऋणी किसान अब 16 अगस्त तक खरीफ कृषि फसल एवं मौसम आधारित उद्यानिकी फसलों का बीमा करा सकेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार के प्रस्ताव पर केन्द्र सरकार ने फसल बीमा कराए जाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई को बढ़ाकर अब 16 अगस्त 2024 कर दिया है। प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले फसल नुकसान से किसानों को राहत दिलाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा पुनर्गठित मौसम आधारित उद्यानिकी फसल बीमा योजना संचालित की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम ने कृषि विभाग के अधिकारियों को प्रधानमंत्री फसल बीमा एवं मौसम आधारित उद्यानिकी फसलों के बीमा योजना का लाभ दिलाने के लिए राज्य के ऋणी एवं अऋणी किसानों को मार्गदर्शन देने तथा उनका पंजीयन कराने को कहा है, ताकि प्राकृतिक आपदा से फसल नुकसान होने पर उन्हें क्षतिपूर्ति मिल सके।

राज्य में कृषि विभाग द्वारा खरीफवर्ष 2024 के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा के लिए जारी अधिसूचना के अनुसार योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को पंजीयन कराना जरूरी है। इसके लिए पूर्व में अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 निर्धारित की गई थी। राज्य सरकार के विशेष प्रयासों से केन्द्र सरकार ने फसल बीमा की अवधि को बढ़ाकर अब 16 अगस्त कर दिया है। राज्य के किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत धान सिंचित, असिंचित, सोयाबीन, मूंगफली, मक्का, मूंग, उड़द, कोदो-कुटकी, रागी फसल का बीमा करा सकते हैं।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत प्रतिकूल मौसम, सूखा, बाढ़, जलप्लावन, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से किसानों को होने वाले फसल नुकसान की क्षतिपूर्ति होती है। योजना में ऋणी और अऋणी किसान जो भू-धारक व बटाईदार हो, शामिल हो सकते हैं। ऐसे किसान जो अधिसूचित ग्राम में अधिसूचित फसल के लिए बीमा कराना चाहते हैं वे नियत तिथि 16 अगस्त के पूर्व अपना फसल बीमा करा सकते हैं। इसके लिए किसान अपना आधार कार्ड, ऋण पुस्तिका, बी-1 पाँचशाला खसरा, बैंक पासबुक की छायाप्रति एवं बोनी प्रमाण पत्र के साथ पंजीयन कराना होगा।

अनुराग पांडेय का तबादला दुर्भाग्यपूर्ण: प्रमोद दुबे

रायपुर 3 अगस्त। कांग्रेस के दिग्गज नेता, पूर्व महापौर एवं नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे ने बीजापुर कलेक्टर अनुराग पाण्डेय के ट्रांसफर पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा एक अदद धमकी टुटपुँजिया दादा ने की ,और ,योग्य बीजापुर जिलाधीश अनुराग पांडेय का ट्रांसफर हो गया नगर निगम के सभापति ने कहा 6 माह मे ही अनुराग पाण्डेय ने कार्य के आधार पर अपनी पृथक पहचान बनाई। उन्होंने कहा हालांकि सरकार जब चाहे किसी का भी स्थानान्तरण कहीं भी कभी भी कर सकती है लेकिन अनुराग पांडेय की कार्यकुशलता की चर्चा न केवल बीजापुर वरन छ ग के कई जिलों में इसलिए होती है क्योंकि वो आदिवासी बच्चों की शिक्षा को लेकर कई नवाचार के साथ आदिवासी महिलाओं के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए धरातल में काम किये थे।अगर उन्हें कुछ और समय दिया जाता तो बीजापुर की तसवीर और तकदीर दोनों बदलने का माद्दा अनुराग पांडेय मे है।पूर्व महापौर प्रमोद दुबे ने कहा निहायत ईमानदार और सदैव सकारात्मक सोंच रखने वाले ऐसे दबंग व्यक्तित्व को एक नेता सरे आम धमकी देता है जिसके ऊपर 33 से ज्यादा गंभीर मामले चल रहे हों और सरकार उस टुटपुँजिया नेता जिसने कलेक्टर को यह कहा कि उसके रास्ते मे आने वाले को यहां से जाना निश्चित है।और कलेक्टर का ठीक 12 दिन बाद ट्रांसफर मात्र इसलिये हो जाना कि ऐसे बाहुबली का जवाब श्री पांडेय ने उसी की भाषा मे दिया। छत्तीसगढ़ सर्वण संघर्ष समिति के संयोजक संदीप तिवारी ने महामहिम राज्यपाल महोदय को पत्र के माध्यम से बीजापुर जिलाधीश अनुराग पांडेय जी के अनैतिक आधार पर स्थानांतरण को संज्ञान में लाते हुए मांग की है कि इस पर उचित कार्यवाही करने की कृपा करें।

गर्लफ्रेंड को मारा चाकू

रायपुर 3 अगस्त। थाना कबीर नगर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अटारी के रहने वाली पीड़िता नाबालिक को आरोपी चरणदास गायकवाड़ निवासी ग्राम सलोनी का लगभग ढाई तीन माह से बातचीत करता था पीड़िता लगभग 19 दिनो से चरणदास गायकवाड से बातचीत नहीं कर रही थी जिसके कारण चरणदास दिनांक 01.08.24 को लगभग 16:00 अटारी आश्रम के पास पीड़िता को मिलने के बहाने बुलाया था तभी पीड़िता जैसे ही अटारी आश्रम के पास चरणदास गायकवाड़ से मिलने पहुंची तभी आरोपी द्वारा तुम मुझसे बात नहीं करती हो, तुम मेरी नहीं हुई तो किसी की होने नहीं दूंगा कहकर हत्या करने के नियत से चरणदास गायकवाड अपने पास रखे चाकू से पीड़िता के छाती गला हाथ उंगली कमर पीठ में चाकू मार कर चोट पहुंचाया कि रिपोर्ट पर आरोपी चरण दास गायकवाड के विरुद्ध अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम श्री दौलत राम पोर्ते, नगर पुलिस अधीक्षक आजाद चौक श्री अमन कुमार झा के निर्देशन में थाना प्रभारी कबीर नगर निरीक्षक श्री दीपेश जायसवाल द्वारा थाना टीम तैयार कर प्रकरण के आरोपी का पता तलाश घटना स्थल के आसपास के क्षेत्र में साक्ष्य एकत्रित कर आरोपी चरणदास गायकवाड को घेराबंदी कर पकड़ कर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किया एवं आरोपी से 01 बटनदार धारदार चाकू जप्त किया गया आरोपी को प्रकरण में गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है।

चार आदतन अपराधी जिलाबदर

रायपुर 3 अगस्त। जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर अंकुश करने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रायपुर गौरव सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह की अनुशंसा पर जिले के आदतन अपराधी फरीद खान पिता अब्दुल हमीद उम्र 30 वर्ष साकीन बंधवापारा थाना पुरानी बस्ती, राजेश्वर उर्फ सोमू निषाद पिता सूरज निषाद उम्र 24 साल साकिन कंडरापारा थाना तिल्दा, शेख सरवर पिता शेख सत्तार उम्र 31 वर्ष चुनाभट्ठी थाना गंज और यासीन अली पिता सरफत अली उम्र 37 साल साकिन दलदल सिवनी थाना पंडरी को तीन माह के लिए जिला बदर कर दिया है। पुलिस द्वारा दर्जनों अन्य आदतन बदमाशों के ऊपर जिला बदर की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन कलेक्टर ऑफिस में भेजा गया है, जो प्रक्रिया में है द्य

कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की 5 ख के तहत् दण्डिक प्रकरणों में पारित आदेश दिनांक 29/07/2024 अनुसार यह आदेश दिया है कि 24 घंटे के अन्दर जिला- रायपुर तथा समीपवर्ती राजस्व जिला महासमुंद, धमतरी, दुर्ग, बलौदा बाजार जिले क्षेत्र से तीन माह की अवधि के लिए बाहर चले जाए और जब तक यह आदेश लागू रहेगा, बिना वैधानिक पूर्वानुमति लिए इस जिले एवं उल्लेखित जिलों की सीमा में प्रवेश नहीं करना है। इन सभी को इस आदेश का तुरन्त पालन करने और पालन न करने पर उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही के आदेश दिए हैं।

इन बदमाशों के खिलाफ विभिन्न थानों में कई अपराध में चालान और कार्यवाहियां हुई है। फरीद खान के विरुद्ध वर्ष 2013 से लगातार मारपीट, चाकूबाजी, गुंडागर्दी, लूटपाट, जान से मारने की धमकी देने, वसूली, आर्म्स एक्ट एवं अवैध शराब बेचने आदि के कुल ग्यारह अपराध पंजीबद्ध है।

सोमू निषाद के खिलाफ 2015 से लगातार हत्या, छेड़छाड़, मारपीट, गुंडागर्दी, लूटपाट,जान से मारने की धमकी देने, छेड़छाड़, वसूली, आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर अपराध घटित कर आमजन को आतंकित करने एवं उनके मध्य भय उत्पन्न करने में संलिप्त है। उसके विरुद्ध कल 12 अपराध और प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियां हुई है।

शेख सरवर के खिलाफ 2009 से लगातार मारपीट, गुंडागर्दी, लूटपाट,जान से मारने की धमकी देने, वसूली जैसे गंभीर अपराध घटित कर आमजन को आतंकित करने एवं उनके मध्य भय उत्पन्न करने में संलिप्त है। उसके विरुद्ध कल 10 अपराध और प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियां हुई है।

यासीन अली के खिलाफ 2010 से लगातार मारपीट, चाकूबाजी, गुंडागर्दी, लूटपाट,जान से मारने की धमकी देने, गांजा बेचना जैसे गंभीर अपराध घटित कर आमजन को आतंकित करने एवं उनके मध्य भय उत्पन्न करने में संलिप्त है। उसके विरुद्ध कल 17 अपराध और प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियां हुई है।

कैट ने दी पूर्व राज्यपाल को जन्मदिन की बधाई

व्यापार व उद्योग के विकास के लिए रमेश बैस से की गई चर्चा

रायपुर 3 अगस्त। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने बताया कि कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी जी ने नेतृत्व मे कैट का एक प्रतिनिधी मंडल माननीय श्री रमेश बैस जी (पूर्व राज्यपाल महाराष्ट्र) से मुलाकात कर जन्मदिन हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी । कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्र सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि टीम कैट माननीय श्री रमेश बैस जी (पूर्व राज्यपाल महाराष्ट्र) से मुलाकात कर जन्मदिन हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा उनके स्वास्थ्य एवं द्वीर्घायु की कामना की। मुलाकात के दौरान टीम कैट ने माननीय श्री बैस जी प्रदेश के व्यापार एवं उद्योग के विकास हेतु चर्चा की गई। श्री बैस ने टीम कैट को सकारात्मक आश्वासन दिया। रमेश बैस जी से मुलाकात में कैट एवं युवा टीम के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे - अमर पारवानी, जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, भरत जैन, जयराम कुकरेजा, अनवीत सिंह, निलेश मुंदड़ा, दिलीप इसरानी, राम मंधान, राजेन्द्र खटवानी, प्रशांत गुप्ता, जितेन्द्र गोलछा, कान्ति पटेल, मोहन वर्ल्याणी, विक्रांत राठौर, अमित गुप्ता, मनीष सोनी, शैलेन्द्र शुक्ला, रतनदीप सिंह, मुकेश झा, मोनेश साहू, जयेश पटेल एवं गोल्डी लुनिया आदि।

अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति हरेली पर रात्रि भ्रमण करेगी

रायपुर 3 अगस्त। अंधविश्वास, पाखंड व सामाजिक कुरीतियों के निर्मूलन के लिए कार्यरत संस्था अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति हरेली पर विशेष जनजागरण अभियान चलाएगी, जिसमें जादू टोने के संबंध में टोनही प्रताड़ना के विरोध में जागरूक करने, टोनही प्रताड़ना के विरोध में शपथ, गांव के निर्जन स्थानों में रात्रिभ्रमण, अंधविश्वास पर पम्पलेट वितरण किया जाएगा, टोनही प्रताड़ना के संबंध में जागरूकता बढ़ाने हेतु पोस्टर वितरित किए जायेंगे तथा यह पोस्टर ग्राम पंचायतों एवं सार्वजनिक स्थलों पर चस्पा किए जायेंगे। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा हरियाली के प्रतीक हरेली अमावस्या की रात को ग्रामीणजनों के मन से टोनही, भूत-प्रेत का खौफ हटाने के लिए समिति भ्रमण कर ग्रामीणजनों से सम्पर्क करेगी. डॉ. मिश्र ने कहा पिछले कुछ वर्षों से यह देखा जा रहा है कि हरेली अमावस्या को दिन में भी बच्चे व कई लोग जादू-टोने व नजर लगने से बचने के लिए नीम की टहनी, साइकिलों, रिक्शे व गाड़ियों में लगातार घूमते दिखाई देते है। पालकों व शिक्षकों को बच्चों को ऐसे अंधविश्वास से बचने की सलाह देना चाहिए। नीम की टहनी तोड़-तोड़कर वृक्ष को नुकसान पहुंचाने के बजाय घर के आसपास नीम के पौधे लगाये ताकि वातावरण शुद्ध हो।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26